वूमेन एक्सप्रेस

www.womenexpress.in

Email: thewomenexpress@gmail.com

Women Express tv

● वर्ष 8 ● अंक 221 ● हिन्दी दैनिक ● नई दिल्ली गुरूवार 29 अक्टूबर 2020 ● पृष्ठ 8 ● मूल्य 1 रूपया ● डाक पंजीयन DL (E)-20/5448/2017-19

बिहार चुनावः 35 सीटों पर पहले चरण में 54% मतदान

कोरोना के खतरे व नक्सली खौफ के बावजूद जमकर पड़े वोट, नवादा में BJP के पोलिंग एजेंट की मौत, गया में झड़प

(विशेष संवाददाता)

पटना । कोरोना के खतरे और नक्सलियों के डर के बावजूद पहले चरण की 71 सीटों पर बुधवार को मतदाताओं ने जिस उत्साह का प्रदर्शन किया, उसकी कल्पना भी नहीं की गई थी। नक्सली प्रभावित इलाकों में बेशक सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध थे, फिर भी जंगलोंपहाड़ियों से घिरे बूथों पर जाकर वोट डालना कम खतरनाक नहीं था।

ऐसे में मतदाताओं के जज्बे को दाद देनी होगी कि लोकतंत्र की हिफाजत के लिए किसी अवरोध को नहीं माना। बेखौफ घरों से निकले और जमकर वोट डाले। चौतरफा खतरों के बावजूद 53.54 फीसद मतदान को कम नहीं कहा जा सकता है। यह इस मायने में भी उल्लेखनीय है कि 2010 के विधानसभा चुनाव की तुलना में अबकी ज्यादा वोट पड़े।

निर्वाचन आयोग ने पहले चरण में मगध और शाहाबाद इलाके की 71 सीटों में से 35 को संवेदनशील माना था।

इनमें चार सीटें अति संवेदनशील थीं, जहां खतरे बड़े थे, मगर युवाओं और महिलाओं के हौसले उससे भी बड़े नजर आए। उत्साहित वोटरों की हिम्मत ने वोट तंत्र के जरिए सियासत में सकारात्मक बदलाव की ओर कदम बढ़ा दिए हैं। आधी आबादी और युवाओं की भागीदारी सबसे ज्यादा रही। सासाराम, औरंगाबाद और गया जिलों का मतदान प्रतिशत बता रहा है कि महिलाएं और युवा किसी से कम नहीं हैं। गांवों की बूथों पर भी आधी

आबादी की लंबीलंबी कतारें देखी गईं। सुबह से ही उत्साह दिख रहा था। युवाओं के जत्थे भी मतदान केंद्रों तक उमड़ रहे थे। पहले चरण में आठ मंत्री मैदान में थे। इसके अलावा कई वीआइपी की किस्मत भी दांव पर थी। इमामगंज में पूर्व मुख्यमंत्री जीतनराम मांझी और विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष उदय नारायण चौधरी के बीच भिड़ंत है। गया में भाजपा के वरिष्ठ नेता प्रेम कुमार एवं जहानाबाद में जदयू के कृष्णनंदन वर्मा कड़े मुकाबले में फंसे हैं। इनके अलावा जमालपुर से शैलेश कुमार, लखीसराय से विजय सिन्हा, राजपुर से संतोष निराला, बांका से रामनारायण मंडल और चैनपुर से ब्रजकिशोर बिंद भी मैदान में हैं। दिनारा में लोजपा प्रत्याशी राजेंद्र सिंह और जदयू के जयकुमार सिंह के बीच दिलचस्प मुकाबला है। चिराग पासवान के दावे की सच्चाई भी इसी दौर में सामने आ चुकी है।

243 सीटों वाली बिहार विधानसभा के लिए आज पहले चरण का मतदान पूरा हो गया है। बिहार विधानसभा चुनाव भारत में कोराना महामारी के बीच पहला चुनाव है।

पहले चरण के मतदान में बिहार के 16 ज़िलों की कुल 71 सीटों पर वोटिंग हुई। चुनाव आयोग के अनुसार शाम छह बजे तक 53।54 प्रतिशत वोट डाले गए हैं। चुनाव आयोग की तरफ़ से फ़ाइनल आंकड़े आने के बाद एकआध फ़ीसद का अंतर हो सकता है। सबसे अधिक मतदान बांका ज़िले के धौरय्या विधान सभा सीट पर हुआ जहां 62।50 प्रतिशत वोट डाले गए। सबसे कम वोट भोजपुर ज़िले की संदेश सीट पर डाले गए जहां शाम छह बजे तक 43।80 प्रतिशत वोट पड़े।

पहले चरण के मतदान के बाद महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव ने बिहार के वोटरों का शुक्रिया अदा किया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि अगर लोग एनडीए को सत्ता में लाते हैं तो बिहार का विकास होगा। उन्होंने ट्वीट किया, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिहार को एक विकसित राज्य बना देंगे, अगर जनता एनडीए को सत्ता में लाती है। लेकिन एक तरफ़ जहां पहले चरण के लिए वोट डाले जा रहे थे, वहीं दूसरे चरण के प्रचार के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कांग्रेस नेता राहुल गांधी दोनों ही आज बिहार में थे। मोदी ने दरभंगा, मुज़फ़्फ़पुर और पटना में चुनावी रैली की। मोदी ने अपने भाषणों में लालू परिवार पर निशाना साधा।

उन्होंने तेजस्वी को जंगलराज का युवराज बताया। मोदी ने कहा, वो दल जिन्होंने बिहार को अराजकता दी, कुशासन दिया वो फिर मौक़ा खोज रहे हैं। जिन्होंने बिहार के नौजवानों को ग़रीबी और पलायन दिया, सिर्फ़ अपने परिवार को हज़ारों करोड़ का मालिक बना दिया, वो फिर मौक़ा चाहते हैं।

योगी के मिशन शक्ति अभियान में उतरी थारू जनजाति की बेटियां एवं महिलायें

(विशेष संवाददाता)

लखनऊ/दिल्ली, 28 अक्टूबर। योगी सरकार के मिशन शक्ति अभियान में थारू जनजाति की महिलायें और बेटियां आगे आई हैं । राज्य सरकार और स्वयं सेवी संस्थाओं द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रमों में शामिल होकर ये बेटियों को महिलाओं को जागरूक कर रही हैं । उनको सम्मान, स्वावलंबन के साथ आत्मरक्षा का पाठ पढ़ा रही हैं। प्रदेश भर में राज्य सरकार द्वारा आयोजित किए जा रहे जागरूकता कार्यक्रमों में शामिल हो कर थारू महिलाएं ग्रामीण इलाकों के साथ ही शहरी इलाकों में भी लोगों को जागरूक कर रही हैं। मिशन शक्ति अभियान को आगे बढ़ाते हुए राजकीय आश्रम पद्धति बालिका विद्यालय और एकलब्य माडल स्कूल की छात्राओं ने लोगों को बाल विवाह,घरेलू हिंसा, बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ और पास्को एक्ट समेत महिलाओं और बच्चों से जुड़े कानून और अधिकारों के प्रति जागरूक किया। छात्राओं ने यूपी सरकार द्वारा महिलाओं और बच्चों के लिए चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी भी लोगों को दी। मिशन शक्ति के तहत बुधवार को राजधानी और आस पास के इलाकों में महिला अधिकार और

उनकी स्वतंत्रता को लेकर कई सेमिनार और कार्यशाला व रैलियां आयोजित की गई। इन कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में थारू समुदाय की महिलाएं शामिल हुई।

इस दौरान खीरी के राजकीय आश्रम पद्दति इंटर कालेज की छात्र निकिता को कुछ घंटों के लिए चंदन चौकी का इंचार्ज बनाया गया। इस दौरान निकिता ने महिलाओं से संबंधित मामलों में कार्रवाई की जानकारी ली। थारू महिलाओं ने गांव की महिलाओं को पुलिस हेल्पलाइन और योगी सरकार द्वारा बनाई गई महिला हेल्प डेस्क के बारे में जानकारी दी। बाराबंकी के राजकीय बालिका इंटर कालेज में कार्यक्रम आयोजित कर माध्यमिक शिक्षा विभाग ने छात्राओं को आत्म रक्षा के गुर सिखाए गए। छात्राओं ने मिशन शक्ति के तहत स्कूल में आयोजित पोस्टर और निबंध प्रतियोगिता में भी हिस्सा लिया।

दिल्ली में अभी नहीं खुलेंगे स्कूल

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 28 अक्तूबर। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा है कि कोरोना संकट के कारण फिलहाल दिल्ली में स्कूल बंद रहेंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी और हम एक पेरेंट की तरह सोचते हैं तो लगता है कि अभी बच्चों को स्कूल भेजना ठीक नहीं। इसीलिए दिल्ली सरकार ने फैसला लिया है कि सभी सरकारी, प्राइवेट, एमसीडी, एडेड तथा अनएडेड स्कूल अगले आदेश तक बंद रहेंगे। सिसोदिया ने आज डिजिटल प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि कोरोना का खतरा अभी तक बना हुआ है। ऐसे में बच्चों, पेरेंट्स और शिक्षकों के मन में स्कूलों को खोलने पर सवाल है। कई पेरेंट्स, टीचर्स और स्टूडेंट्स अक्सर मुझे अभी स्कूल न खोलने का सुझाव देते हैं क्योंकि उन्हें कोरोना का भय है। स्कूलों में अगर 200 से 300 बच्चे भी आने लगे तो इससे कोरोना

वायरस फैलने का खतरा हो सकता है। सिसोदिया ने कहा कि दुनिया में जहां भी स्कूल खोले गए, वहां बच्चों में कोरोना के संक्रमण का खतरा देखा गया है। इसलिए हमने अगले आदेश तक सारे स्कूल बंद रखने का फैसला लिया है। ऑनलाइन और सेमी ऑनलाइन पढ़ाई पूर्ववत जारी रहेगी।

भड़के गडकरी बोले- भ्रष्ट व नाकाबिल अफसरों को बर्खास्त करना जरूरी

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर । केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी बुधवार को हुए एक वर्चुअल कार्यक्रम में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण में काम की सुस्त रफ्तार पर भड़क गए। नितिन गडकरी ने कहा कि नॉन परफार्मिंग एसेट्स को बाहर का रास्ता दिखाने का समय है। केंद्रीय मंत्री गडकरी द्वारका में एनएचएआई भवन के उद्घाटन के दौरान सभा को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान वो बेहद नाराज दिखे। गडकरी की नाराजगी इस बात पर थी कि एनएचएआई भवन को पूरा होने में लगभग नौ साल लग गए।

नितिन गडकरी ने कहा कि एनएचएआई अकुशल अधिकारियों की जगह बन गया है, जो बाधा पैदा कर रहे हैं और हर केस कमेटियों को रेफर कर रहे हैं। उन्हें निलंबित और उनकी सेवा को समाप्त करने का समय आ गया है और एनएचएआई के कामकाज में सुधार लाया जाए। कार्यक्रम में नितिन गडकरी ने कहा कि अधिकारी फैसले लेने में देरी कर

रहे हैं और जटिलताएं पैदा कर रहे हैं। सीजीएम (चीफ जनरल मैनेजर) और जीएम (जनरल मैनेजर) वर्षों से बैठे हैं। व्यंग्यपूर्ण टिप्पणी करते हुए गडकरी ने एनएचएआई के चेयरमैन से कहा कि परियोजना को पूरा करने में हुई देरी में उनके योगदान के लिए उनकी तस्वीरों को एनएचएआई भवन में लगाएं। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि भवन परियोजना की अवधारणा 2008 में की गई थी। 2011 में टेंडर दिया गया था। भवन को पूरा करने में लगभग नौ साल लगे और इस दौरान एनएचएआई के सात चेयरमैन आए और दो सरकारें भी बनीं। आखिरकार इसे आठवें चेयरमैन (एसएस संधू) के कार्यकाल के दौरान पूरा किया जा सका। कार्यक्रम में नितिन गडकरी ने कहा कि वे एनएचएआई में व्यापक सुधारों पर जोर दे रहे हैं, लेकिन अब तक कोई फायदा नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि जब दिल्लीमुंबई एक्सप्रेसवे को तीन साल के भीतर पूरा करने की योजना है, तो एक भवन को पूरा होने में दस साल कैसे लग गए। अधिकारियों पर नितिन गडकरी का गुस्सा जारी रहा। उन्होंने कहा कि मुझे शर्म आती है। मैंने इसके लिए व्यक्तिगत रूप से तीन चार बैठकें की थीं मैं सुधारों पर जोर देता रहा हूं।

यूपी राज्यसभा चुनाव पर सस्पेंस खत्म नहीं होगा मतदान, सभी निर्विरोध

(विशेष संवाददाता)

लखनऊ । यूपी में राज्यसभा की दस सीटों के लिए होने वाले चुनाव का सस्पेंस बुधवार को खत्म हो गया। एक प्रत्याशी का पर्चा खारिज होने से अब केवल दस ही प्रत्याशी बचे हैं।

ऐसे में चुनाव नहीं कराना होगा। राज्यसभा में दावेदारी के लिए भाजपा की तरफ से आठ, सपा और बसपा की तरफ से एकएक प्रत्याशी के अलावा निर्दल के रूप में प्रकाश बजाज ने नामांकन दाखिल कर दिया था। दस सीटों पर 11 प्रत्याशियों के नामांकन से मतदान की नौबत आ गई थी। भाजपा के आठ और सपा के एक प्रत्याशी की जीत में तो कोई संशय नहीं था लेकिन निर्दल के रूप में उतरे प्रकाश बजाज के कारण बसपा

प्रत्याशी रामजी गौतम की सीट फंसती नजर आ रही थी। इसी बीच बुधवार की दोपहर रामजी गौतम के पांच प्रस्तावकों ने अपना प्रस्ताव वापस लेने का आवेदन दे दिया।

मतपत्रों की जांच के दौरान पीठासीन अधिकारी ने एक बार प्रस्ताव करने के बाद वापस लेने को औचित्यहीन माना। ऐसे में विधायकों की बगावत के बाद भी बसपा प्रत्याशी रामजी गौतम का पर्चा सही पाया गया। वहीं, निर्दल मैदान में उतरे सपा समर्थित प्रकाश बजाज का पर्चा खारिज कर दिया गया। बताया गया कि प्रस्तावक में सपा विधायक नवाब जान के स्थान पर नवाब शाह लिख दिया गया था। इस नाम का कोई विधायक सदन की सूची में न होने के कारण प्रकाश बजाज के प्रस्तावकों के नाम गलत पाए गए। लिहाजा, पर्चा

केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी को हुआ कोरोना बिहार चुनाव में बीजेपी की हैं स्टार प्रचारक

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली। केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी कोरोना पॉजिटिव पाई गई हैं। उन्होंने गुरुवार को यह जानकारी ट्वीट के जरिए दी। इसके साथ ही उन्होंने अपने संपर्क में आए लोगों से जल्द जांच कराने को कहा है। स्मृति ने ट्वीट करते हुए कहा इस बात का ऐलान करने के लिए शब्दों का चयन मेरे लिए दुर्भ है।

इसलिए इसे साधारण रखते हुए कहती हूं कि मेरा कोविड19 टेस्ट पॉजिटिव पाया गया है और उन लोगों से अनुरोध करना चाहूंगी जो मेरे संपर्क में आए हैं वे जल्द से जल्द अपनी जांच करवा लें।केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री ने पिछले हफ्ते अपने संसदीय क्षेत्र अमेठी का भी दौरा किया था, जहां पर उन्होंने अपने लोकसत्रा क्षेत्र के लिए कई परियोजनाओं का ऐलान किया था। कोरोना वायरस रोकथाम के लिए मार्च में लगाए गए लॉकडाउन के बाद यह अमेठी का उनका पहला दौरा था। इससे पहले, बिहार के उपमुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी के दिग्गज नेता सुशील कुमार मोदी कोरोना संक्रमित पाए गए थे। उन्हें इलाज के लिए पटना स्थित एम्स में भर्ती कराया गया था। सुशील मोदी ने ट्वीट कर इस बात की जानकारी दी थी। जबकि, चुनाव प्रचार करते हुए बीजेपी के एक और स्टार प्रचार और पार्टी के सीनियर नेता शाहनवाज हुसैन रैली करते हुए कोरोना पॉजिटिव पाए गए थे। इसके बाद उन्हें एम्स के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया था।

वानती श्रीनिवासन बनी महिला मोर्चा का राष्ट्रीय अध्यक्ष

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर । भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा ने बुधवार को पार्टी की तमिलनाडु इकाई की उपाध्यक्ष वानती श्रीनिवासन को महिला मोर्चा का राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया।

तमिलनाडु में अगले साल होने जा रहे विधानसभा चुनाव से पहले राज्य की महिला नेता को राष्ट्रीय स्तर की जिम्मेदारी सौंपने के काफी मायने हैं। यही कारण है कि भाजपा ने बड़ा दांव खेला है। पेशे से वकील श्रीनिवासन तमिलनाडु भाजपा में कई पदों पर रह चुकी हैं। वह विजया रहातकर की जगह लेंगी। पिछले महीने नड्डा ने अपनी नयी टीम की घोषणा करते हुए महिला मोर्चा को छोड़, अन्य सभी मोर्चा के अध्यक्ष

बदल दिये थे। इसके अलावा अमिताभ चक्रवर्ती को पश्चिम बंगाल इकाई का संगठन महामंत्री बनाए जाने को हरी झंडी दी। अमिताभ चक्रवर्ती अभी तक पश्चिम बंगाल में भाजपा के सह संगठन मंत्री थे। वह सुब्रतो चट्टोपाध्याय की जगह लेंगे। पश्चिम बंगाल में अगले साल विधानसभा के चुनाव होने हैं। राज्य की सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस को सत्ता से हटाने के लिए भाजपा ने एड़ीचोटी का दम लगा रखा है। पिछले लोकसभा चुनाव में राज्य की 18 सीटों पर भाजपा ने जीत दर्ज की थी।भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरूण सिंह की ओर से जारी विज्ञप्ति में इन नियुक्तियों की घोषणा की गई और कहा गया कि दोनों की नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू होगी। बता दें कि 50 वर्षीय वानती श्रीनिवासन तमिलनाडु के कोयंबटूर की रहने वालीं हैं। उनके पति श्रीनिवासन मद्रास हाई कोर्ट के जानेमाने वकील हैं।

सुशांत की बहनों के खिलाफ रिया के आरोप अटकलों पर आधारितः सीबीआई

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने बुधवार को बंबई उच्च न्यायालय में कहा है कि सुशांत सिंह राजपूत की बहनों के खिलाफ दिवंगत अभिनेता के लिए जाली दवा का पर्चा हासिल करने के रिया चक्रवर्ती के आरोप ''ज्यादातर अटकलबाजी'' पर आधारित हैं। एजेंसी ने कहा कि ऐसी अटकलों पर प्राथमिकी दर्ज नहीं की जा सकती है। सीबीआई ने यह बात राजपूत की बहन प्रियंका सिंह और मीतू सिंह की याचिका के जवाब में कही है। इस याचिका में दोनों बहनों ने मुंबई पुलिस द्वारा उनके खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को निरस्त करने का आग्रह किया है। जून 2020 में अभिनेता के खुदकुशी करने से कुछ दिन पहले दवा के फर्जी पर्चा से एनडीपीएस कानून में प्रतिबंधित दवाइयों को लेने में राजपूत की मदद की गई थी। मौजूदा प्राथमिकी में अधिकतर आरोप अनुमान और अटकलों की प्रकृति के हैं।

फरीदाबाद लव जिहाद केस की जांच एसआईटी ने शुरू की

लव जिहाद को लेकर गरमाई सियासत, सभी दल कूदे

(विशेष संवाददाता)

फरीदाबाद। लव जिहाद का शिकार हुई निकिता तोमर के लिए गठित एसआईटी ने अपनी जांच शुरू कर दी है। एसआईटी ने सबसे पहले निकिता के परिजनों से ही पूछताछ की। बल्लभगढ़ के अग्रवाल कॉलेज में 26 अक्टूबर की शाम 4 बजे निकिता तोमर की तौफीक नामक युवक ने देसी कट्टे से गोली माकर हत्या कर दी थी।

तौफीक पर निकिता से उसका धर्म बदलवाकर शादी करना चाहता था, लेकिन निकिता न उससे शादी करना चाहती थी और न ही अपना धर्म त्यागना चाहती थी।निकिता की हत्या के बाद पूरे देश में लोगों का गुस्सा उबल पड़ा। पुलिस ने बवाल बढ़ते देखकर आरोपी तौफीक और सह आरोपी रिवासन निवासी रेहान को कुछ ही घंटों में गिरफ्तार कर लिया। सीपी ओपी सिंह ने मामले की जांच क्राइम ब्रांच को सौंप दी। इसके बाद हरियाणा की मनोहर सरकार ने तुरंत इस मामले में एसआईटी का गठन कर दिया। एसीपी अनिल कुमार के नेतृत्व में एसआईटी ने बुधवार को केस की जांच शुरू कर दी। टीम अपना घर सोसायटी स्थित निकिता के परिजनों से मिली और उनसे पूछताछ की।

सूत्रों के अनुसार टीम तौफीक, रेहान के परिजनों और उनके अन्य दोस्तों से भी पूछताछ कर सकती है। रिमांड में भी तौफीक और रेहान से पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने घटनास्थल से देसी कट्टा बरामद कर

लिया है। इसलिए केस में बिना लाईसेंसी हथियार रखने का भी आरोप लगाया जाएगा। फरीदाबाद के भाजपा सांसद एवं केंद्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने बुधवार सुबह निकिता तोमर के घर जाकर उनके परिवार वालों से मुलाकात की। यहां उन्होंने परिवार से बात कर उन्हें सांत्वना दिलाते हुए शोक व्यक्त किया और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का भरोसा दिलाया। गुर्जर ने कहा कि मैं पीड़ित परिवार को आश्वस्त करता हूं कि इंसाफ की इस लड़ाई में हम उनके साथ हैं। इन्हें जल्द से जल्द से न्याय मिले, इस बात का हमें ध्यान रखना है। फास्ट ट्रैक कोर्ट में जल्द मुकदमा चले और जल्दी इस पर फैसला हो, इस पर भी हम लगातार प्रयास करेंगे। निकिता के परिजनों ने बताया कि तौफीक की मां निकिता को धर्म परिवर्तन करने के लिए उकसाती थी। इस पर फरीदाबाद के पूर्व महापौर देवेंद्र भड़ाना ने प्रशासन से मांग की है कि तौफीक की मां को भी गिरफ्तार किया जाए।

उधर, हरियाणा में सहकारिता आंदोलन के नेता हुकुम सिंह भाटी ने निकिता हत्याकांड पर रोष व्यक्त करते हुए बताया कि पूरा देश पीड़ित परिवार के साथ खड़ा है। खट्टर सरकार ने मुस्तैदी दिखाते हुए एसआईटी गठित कर दी है। उन्होंने मांग कि जांच के दौरान तौफीक और रेहान के अलावा अन्य लोगों पर भी आरोप साबित होता है, तो उन्हें अविलंब गिरफ्तार किया जाए। निकिता हत्याकांड के बाद बुधवार को अपना घर सोसायटी के बाहर पुलिस तैनात कर दी गई है। मृतका के परिजनों को सांत्वना देने के लिए लोग सुबह से ही पहुंचने शुरू हो गए हैं।

निकिता के हत्यारे को फांसी मिलेः उमेश भाटी

जजपा नेता व पूर्व प्रत्याशी तिगाँव विधानसभा उमेश भाटी के साथ गगन सिसोदिया, जंग बहादुर, गोपाल चौहान, लोकेश भदोरिया, अवधेश भदोरिया, हिमांशु आदि परिवार की आवाज उठाने और गम संझा करने पहुँचे। उमेश भाटी ने कहा किनिकिता की हत्या ने पूरे समाज को अंदर से हिला कर रख दिया हे एसा हादसा भगवान किसी के साथ भी न करे। आज पूरा क्षेत्र परिवार के साथ खड़ा है। हम उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चोटाला की परिवार की उचित मुआवजे व परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी की माँग को पहुंचाएंगे और साथ ही साथ परिवार की सुरक्षा की भी बात रखेंगे।उमेश भाटी ने कमिश्नर ओपी सिंह व डीसी यसपाल यादव का धन्यवाद किया, जिन्होंने तत्पर्ता दिखाते हुए जल्द ही दोनो हत्यारों को गिरफ्तार कर लिया।

दिल्ली में केवल 'ग्रीन' पटाखों का उत्पादन, बिक्री और उपयोग करने की अनुमति

दीपावली पर जलाए जाने वाले पटाखों से दिल्ली की हवा प्रदूषित हो जाती है

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि इस बार दीपावली पर दिल्ली में केवल 'ग्रीन' पटाखों का उत्पादन, बिक्री और उपयोग करने की अनुमति रहेगी और इसका उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि दीपावली पर जलाए जाने वाले पटाखों से दिल्ली की हवा प्रदुषित हो जाती है और उसका लोगों की जिंदगी पर गंभीर असर पड़ता है। दिल्ली सरकार 3 नवंबर से एंटी क्रेकर अभियान शुरू करेगी, जो बाद में भी जारी रहेगा।

इस अभियान को चलाने के लिए डीपीसीसी की 11 टीमें गठित की जा रही हैं और पुलिस का सहयोग भी लिया जाएगा। मैं दिल्लीवासियों से अपील करता हूं कि वे कोविड19 महामारी के कारण स्थिति की गंभीरता को देखते हुए 'नो पटाखा' अभियान शुरू करें। दीपावली पर जलने वाले पटाखे और पराली जलने से होने वाला धुंआ दिल्ली के प्रदूषण के प्रमुख कारण हैं। इसलिए ग्रीन पटाखा को सख्ती से लागू किया जाएगा।

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने दिल्ली सचिवालय में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली सरकार की तरफ से 'युद्ध, प्रदूषण के विरूद्ध' अभियान चलाया जा रहा है। इस पूरे अभियान के तहत पिछले करीब एक महीने से धूल प्रदूषण के खिलाफ एंटी डस्ट कैंपेन, वाहन प्रदूषण को कम करने के लिए 'रेड लाइट ऑन, गाड़ी ऑफ' अभियान, पराली की समस्या से निपटने के लिए बायो डीकंपोजर का छिड़काव, दिल्ली के अंदर इलेक्ट्रिक व्हीकल पॉलिसी, ट्री ट्रांसप्लांटेशन पॉलिसी और दिल्ली के अंदर जो हमारे

13 हॉटस्पॉट हैं, उनका नजदीक से निगरानी का काम किया जा रहा है। साथ ही दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल कल 'ग्रीन दिल्ली एप' लॉन्च करने जा रहे हैं। इसके बाद दिल्ली में इन अभियानों के बावजूद कहीं पर लापरवाही हो रही है, तो उस पर कार्रवाई हो और उसको नियंत्रित किया जाए, इसके लिए ग्रीन दिल्ली एप को कल लांच किया जा रहा है।

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि अब दीपावली नजदीक आ रही है। पराली जलने से धुआं होता है और दीपावली के समय पटाखे जलाने से दिल्ली की हवा जहरीली होती है। इसका बहुत ही गहरा असर दिल्ली के लोगों की जिंदगी पर पड़ता है। इसलिए दिल्ली सरकार ने आज यह निर्णय लिया है कि सुप्रीम कोर्ट के 23 अक्टूबर 2018 के आदेशानुसार दिल्ली के अंदर केवल ग्रीन पटाखों का उत्पादन, बिक्री और उपयोग किया जा सकता है। ग्रीन पटाखे में पायरोटेक्निक फायर वर्क के साथ ईंधन और आक्सीडाइजर को मिलाया जाता है, जिसमें सल्फर डाइऑक्साइड और नाइट्रोजन ऑक्साइड जैसे प्रदूषक तत्व बहुत कम मात्रा में होते हैं।

ग्रीन पटाखों के उपयोग से जो प्रदूषण होता है, उसे काफी स्तर तक कम किया जा सकता है। इसको देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने 23 अक्टूबर 2018 को आदेश जारी किया था कि दिल्ली के अंदर ग्रीन पटाखों के अलावा जो भी पारम्परिक पटाखे बनाए, बेचे और उपयोग किए जाते हैं, उस पर रोक लगाई जाए। दिल्ली और देश भर में 93 उत्पादक एजेंसियां हैं, जो पायरोटेक्निक और ऑक्सिडाइजर को मिलाकर ग्रीन पटाखों का उत्पादन करती हैं। ग्रीन पटाखों को उत्पादकों से दुकानदार आयात कर सकते हैं और उसी को उपयोग में लाया जा सकता है। डीपीसीसी की वेबसाइट पर ग्रीन पटाखों के पंजीकृत उत्पादकों की सूची कल अपलोड कर देंगे। जिसका उपयोग दिल्ली के सभी पटाखा निर्माता और विक्रेता कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि ग्रीन पटाखों के उपयोग हो रहा है या नहीं, इसके लिए कोर्ट ने पुलिस को निर्देश दिया था कि वह इसकी जांच करें और सुनिश्चित करें। दिल्ली पुलिस की लाइसेंस अथॉरिटी को कल डीपीसीसी की तरफ नोटिस जारी किया जाएगा कि वह इसको सुनिश्चित करें। इस पर निगरानी रखने के लिए 3 नवंबर से पटाखाविरोधी अभियान शुरू करेंगे। पटाखा विरोधी अभियान दीपावली के बाद तक जारी रहेगा, क्योंकि कई लोग दीपावली के बाद भी पटाखों का उपयोग करते हैं। पटाखाविरोधी अभियान के तहत हम पुलिस का सहयोग लेने के साथ साथ डीपीसीसी की तरफ से 11 स्पेशल स्क्वॉयड टीमों का गठन कर रहे हैं। एंटी क्रैकर स्पेशल स्क्वायड में डीपीसीसी के इंजीनियर्स के साथ वाहन में 5 पर्यावरण मार्शल होंगे। विशेष दस्ता, पटाखा निर्माता और विक्रेता के यहां जाकर अलग अलग जगह जांच करेंगे। मैं दिल्ली के सभी पटाखा निर्माताओं, विक्रेताओं और दिल्ली के नागरिकों से अपील करना चाहता हूं कि दिल्ली आपकी है।

एक नजर

न्यायालय आजम खां के बेटे की याचिका पर अगले सप्ताह करेगा सुनवाई

नई दिल्ली । उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को कहा कि सपा सांसद आजम खां के बेटे मोहम्मद अब्दुल्ला आजम खान की, उप्र विधानसभा के लिये उनका निर्वाचन निरस्त करने के इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ दायर अपील पर अगले सप्ताह सुनवाई होगी। उच्च न्यायालय ने इस आधार पर उनका निर्वाचन रद्द किया कि उनकी चुनाव लड़ने की उम्र नहीं हुयी थी और वह 2017 का विधानसभा चुनाव लड़ने के योग्य नहीं थे। प्रधान न्यायाधीश एस ए बोबडे, न्यायमूर्ति ए एस बोपन्ना और न्यायमूर्ति वी रामासुब्रमणियन की पीठ को निर्वाचन आयोग की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने बताया कि उच्च न्यायालय के आदेश में की गयी कुछ टिप्पणियों को लेकर अलग से एक याचिका भी दायर की गयी है। उन्होने कहा कि निर्वाचन आयोग की अपील बुधवार को सूचीबद्ध नहीं हुयी है। इस पर पीठ ने कहा कि दोनों अपील पर एक साथ सुनवाई करना बेहतर होगा। इसके साथ ही पीठ ने सुनवाई अगले सप्ताह के लिये स्थगित कर दी। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने पिछले सप्ताह निर्वाचन आयोग से कहा था कि वह प्रदेश के रामपुर जिले के अंतर्गत आने वाली इस सीट के लिये उपचुनाव कराने की प्रक्रिया तत्काल शुरू करे।

ईडी ने आंध्र प्रदेश में पोल्ट्री फर्म के प्रवर्तक की संपत्ति कुर्क की

नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश में कथित बैंक ऋण धोखाधड़ी के एक मामले में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत 7.57 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की गई है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को यह जानकारी दी। ईडी ने एक बयान में बताया कि कुल 21 अचल संपत्ति और पोलेपल्ली वेंकट प्रसाद और उनके परिवार की एक परिसंपत्ति पुनर्निर्माण कंपनी के पास रखे गये 50 लाख रुपये को पीएमएलए के तहत अस्थाई रूप से कुर्क किया गया है। अचल संपत्ति आंध्र प्रदेश के पश्चिम गोदावरी जिले में स्थित है। यह मामला पीबीआर पोल्ट्री टेक कंपनी के प्रबंध साझेदार प्रसाद और अन्य साझेदारों के इंडियन ओवरसीज बैंक (पश्चिम गोदावरी जिले के तेनुकु में वीरभद्रपुरम शाखा) के साथ 7.34 करोड़ रुपये की कथित तौर पर धोखाधड़ी से संबंधित है।

कपिल मिश्रा ने माफी मांगी, सत्येन्द्र जैन ने वापस लिया आपराधिक मामला

नई दिल्ली। दिल्ली के मंत्री सत्येन्द्र जैन की ओर से भाजपा नेता कपिल मिश्रा के खिलाफ दायर आपराधिक मामले में दोनों पक्षों में समझौता हो गया है। आज कपिल मिश्रा ने एडिशनल चीफ मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट विशाल पाहूजा के समक्ष अपने बयानों के लिए माफी मांगी। उसके बाद सत्येन्द्र जैन ने केस वापस ले लिया। इस मामले में कोर्ट ने कपिल मिश्रा को 31 अक्टूबर 2017 को समन जारी किया था।

कपिल मिश्रा ने दिल्ली सरकार से बर्खास्त होने के बाद 4 मई 2017 को सत्येंद्र जैन के खिलाफ आरोप लगाया था कि उन्होंने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को दो करोड़ रुपए दिए थे। ये बयान कई अखबारों में छपे। याचिका में कहा गया था कि कपिल मिश्रा यहीं तक नहीं रुके। कपिल मिश्रा ने अपने बयान में कहा था कि सत्येन्द्र जैन ने उनसे व्यक्तिगत रुप से कहा था कि केजरीवाल ने अपने रिश्तेदार के लिए पचास करोड़ रुपये जमीन की डील की थी।

जब मिश्रा ने केजरीवाल से पूछा तो केजरीवाल ने कहा कि ये एक झूठ है। इसके बाद कपिल मिश्रा ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म ट्विटर पर कहा कि जिस दिन सत्येन्द्र मिश्रा जेल जाएंगे, उस दिन सभी सच का खुलासा हो जाएगा।

दिल्ली सरकार के कॉलेजों में बढ़ी 1330 सीटें

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 28 अक्तूबर। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने दिल्ली में उच्च शिक्षा के अवसर बढ़ने पर दिल्ली वासियों को बधाई दी है। उन्होंने कहा है कि दिल्ली सरकार द्वारा संचालित आइपी यूनिवर्सिटी से जुड़े कॉलेजों में इस वर्ष से 1330 नई सीटें जोड़ी गई हैं। यह पांचछह नए कॉलेज खोलने के बराबर है। इससे दिल्ली के स्कूलों से पढ़कर निकले उन स्टूडेंट्स को लाभ होगा जिन्हें उच्च शिक्षा के बेहतर अवसरों की तलाश है। सिसोदिया ने आज डिजिटल प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि जो बच्चे स्कूल पास करके अच्छे कॉलेजों में एडमिशन कराना चाहते हैं, उनके लिए अच्छी खबर है। दिल्ली सरकार के उच्च शिक्षण संस्थानों में 1330 नई सीटें जोड़ी गई हैं। ये अतिरिक्त सीटें गुरू गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी के कॉलेजों में उपलब्ध होंगी। इसमें

बीटेक में 630, बीवॉक में 20, बीबीए में 120, बीकॉम ऑनर्स में 220, बीए अर्थशास्त्र में 120, बीसीए में 90, एमबीए में 60, एमएमसी योगा में 15 और एमवॉक में 55 सीटें शामिल हैं। इससे दिल्ली के बच्चों को उच्च शिक्षा के नए अवसर मिलेंगे। सिसोदिया ने कहा कि 1330 सीटों का बढ़ना पांचछह नए कॉलेज खोलने के बराबर है। सामान्यतः किसी नए कॉलेज में 200 से 300 नई सीटें होती हैं। इसलिए 1330 सीटें बढ़ने का मतलब यह है कि हमारे बच्चों को पांच छह नए कॉलेजों के समान अतिरिक्त सीटें उपलब्ध होंगी।

सिसोदिया ने कहा कि दिल्ली सरकार का प्रयास है कि हर बच्चे को शिक्षा के समुचित अवसर मिलें। इसके लिए हम हर विकल्प की तलाश कर रहे हैं। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि 'शिक्षित राष्ट्र, समर्थ राष्ट्र' का सपना साकार करने की दिशा में यह एक बड़ा कदम है।

गलत फैसलों के चलते 400 सिख बच्चे अफसर बनने से रह गए वंचित

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली 28 अक्टूबर । दिल्ली सिख गुरुद्वारा कमेटी के पूर्व महासचिव गुरमीत सिंह शंटी आज फिर अपने पुराने अंदाज में लौटते हुए कमेटी प्रबंधन के आईएएस एकेडमी खोलने के दावे की पोल खोल दी। शंटी ने दावा किया कि वर्ष 2012 में परमजीत सिंह सरना की अगुवाई वाली गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने गुरु तेग बहादुर कालेज नार्थ कैम्पस में पहली बार एकेडमी खोला था।

उस समय वह खुद कमेटी के महासचिव थे। एकेडमी के लिए सेना के पूर्व अधिकारी, विश्वविद्यालय और कॉलेजों के पूर्व प्रोफेसरों को पढ़ाने के लिए चयनित भी किया गया। साथ ही 2530 छात्रों का बैच भी शुरू हो गया था। इस बीच 2013 में हुए आम चुनाव में शिरोमणि अकाली दल दिल्ली की हार हो गई और कमेटी की सत्ता अकाली दल बादल के हाथ में आ गई। इसमें

मंजीत सिंह जीके अध्यक्ष और मनजिंदर सिंह सिरसा महासचिव। शंटी ने दावा किया कि नई कमेटी ने आनन फानन में परमजीत सिंह सरना के सभी फैसलों पर सवाल उठाते हुए रोक लगा दी। इसके साथ ही देश की पहली सिख बच्चों की सिविल सर्विस की तैयारी कराने वाली एकेडमी बंद कर दी गई। उन्होंने कहा कि अगर 2012 में खुली एकेडमी को बंद न किया गया होता तो आज 300 से 400 बच्चे सिविल सर्वेंट बन गए होते। इसके लिए सीधे तौर पर अकाली दल बादल एवं गुरुद्वारा कमेटी के तत्कालीन प्रबंधक जिम्मेदार है। दावा किया कि इस 8 साल में अनगिनत बच्चे आईएएस और आईपीएस बन गए होते। लेकिन, बड़े अफसोस की बात है कि अकाली दल बादल के इन तथाकथित नेताओं ने अपनी सियासी रोटी सेंकने के लिए अनगिनत गरीब सिख बच्चों को अफसर नही बनने दिया। आज जब दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी चुनाव का ऐलान हो चुका है तब कमेटी प्रबंधन अपनी सियासी चेहरा चमकाने के लिए सिविल सर्विस अकैडमी खोलने का दावा कर रहा है। दिल्ली कमेटी के पूर्व महासचिव गुरमीत सिंह शंटी ने दावा किया कि अगर आज उनके द्वारा बनाई गई कमेटी चलती रही होती तो सिख बच्चे सिख कौम का नाम रोशन करते। लेकिन इनकी गलत नीतियों के चलते इसे बंद कर दिया गया। गुरमीत सिंह ने कहा कि गुरुद्वारा कमेटी का खजाना खाली हो चुका है और इनके पास कर्मचारियों को वेतन देने के लिए पैसे तक नहीं हैं। यह लोग पूरी तरह से दिवालिया हो चुके हैं और लोगों से चंदा मांग कर अपने शान और शौकत को पूरा कर रहे हैं । उन्होंने पूछा कि जब एकेडमी खोलना ही था तो पुरानी एकेडमी को क्यों बंद किया गया।

सफाई कर्मचारियों का सिविक सेंटर पर प्रदर्शन

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर (वेबवार्ता)। दक्षिण निगम के सफाई कर्मचारियों ने निजीकरण व्यवस्था के खिलाफ बुधवार को सिविक सेंटर में जमकर नारेबाजी और प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों को आम आदमी पार्टी ने भी समर्थन दिया और आप के पार्षद चैथी मंजिल पर सभागार के समक्ष धरने पर बैठ गए। धरना प्रदर्शन के चलते स्थायी समिति की बैठक करीब सवा घंटे की देरी से शुरू हो सकी। निगम कर्मचारियों का नेतृत्व कर रहे दिल्ली सफाई कर्मचारी आयोग के चेयरमैन संजय गहलोत ने कहा कि निगम प्रशासन की हठधर्मिता के चलते निगम सफाई कर्मचारियों को ठेकेदारी प्रथा पर काम कराने के लिए स्थायी समिति में प्रस्ताव लाया गया है। यह सरासर गलत है। उन्होंने कहा कि निजीकरण संबंधी जानकारी देने के लिए तीनों निगम आयुक्तों को आयोग के समक्ष तलब किया गया है। बुधवार को दक्षिण निगम स्थायी

समिति की बैठक 2.30 मिनट पर शुरू होनी थी, लेकिन सभागार के साथ सफाई कर्मचारियों के साथ आप पार्टी के पार्षद धरने पर बैठ गए। प्रदर्शनकारियों ने भाजपा के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन में कैबिनेट मंत्री राजेंद्र पाल के अलावा विधायक कुलदीप, रोहित महरोलिया सहित पार्षद भी शामिल थे।

राष्ट्रपति ने डीयू के कुलपति को पद से हटाया, होगी जांच

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली । राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद के आदेश पर दिल्ली यूनिवर्सिटी के कुलपति योगेश त्यागी को निलंबित कर दिया गया है। दिल्ली विश्वविद्यालय में दो नियुक्तियों को लेकर विवाद चल रहा था।

इस मामले की और वीसी के खिलाफ जांच होनी है। शिक्षा मंत्रालय का कहना है कि प्रोफेसर त्यागी जांच को प्रभावित कर सकते हैं, इसलिए उन्हें सस्पेंड किया गया है। प्रोफेसर त्यागी की जगह प्रोफेसर पीसी जोशी अभी काम संभालेंगे। योगेश त्यागी दो जुलाई को आपातकालीन चिकित्सा परिस्थितियों में एम्स में भर्ती होने के बाद से अवकाश पर हैं। सरकार ने 17 जुलाई को, त्यागी के

वापस लौटने तक प्रति कुलपति पी सी जोशी को कुलपति का प्रभार सौंप दिया था। केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने प्रशासनिक स्तर पर अनियमितता के मामले में राष्ट्रपति से योगेश त्यागी के खिलाफ जांच की अनुमति मांगी थी। इसके बाद राष्ट्रपति ने इस मामले में जांच की इजाजत दी है। पिछले सप्ताह बृहस्पतिवार को उस समय विवाद खड़ा हो गया था जब त्यागी ने जोशी को प्रति कुलपति के पद से हटाकर उनकी जगह विश्वविद्यालय के नॉन कॉलेजिएट वुमेंस एजुकेशन बोर्ड की निदेशक गीता भट्ट को नियुक्त कर दिया था।

इस बीच, जोशी ने नए रजिस्ट्रार विकास गुप्ता की नियुक्ति की अधिसूचना जारी कर दी थी, जिनका साक्षात्कार पूरा हो चुका था और कार्यकारी परिषद ने उनकी नियुक्ति को बुधवार को मंजूरी भी दे दी।

गाना बजाने से मना करने पर हत्या मामले में चार गिरफ्तार

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर (वेबवार्ता)। महेंद्रा पार्क पुलिस ने तेज आवाज में संगीत बजाने से रोकने पर हुई हत्या के मामले में दंपति और दो बेटों को गिरफ्तार किया है। इस घटना में अभी भी दो सगे भाई फरार हैं, जिनकी तलाश में छापेमारी की जा रही है।

जानकारी के अनुसार, मंगलवार दोपहर को भडोला गांव में तेज आवाज में गाना बजाने का विरोध करने पर पड़ोसी परिवार ने तीन भाइयों पर हमला कर दिया था। इस घटना में सुशील की सीने में चाकू लगने से मौत हो गई थी जबकि सुनील और अनिल गंभीर रूप से घायल हो गए थे। पीड़ित परिवार के बयान के आधार पर हत्या के प्रयास एवं हत्या की धारा में मुकदमा दर्ज कर इंस्पेक्टर रविकांत को जांच सौंपी गई थी। टीम ने आरोपी 53 साल के अब्दुल सत्तार, उसकी बीवी शाहजहान और दो बेटे आफाक और शाहनवाज को देर रात गिरफ्तार कर लिया। वहीं पुलिस चांद और वसीम की तलाश के लिए छापेमारी कर रही है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि कड़ी सुरक्षा के बीच बुधवार को बाबू जगजीवन राम शवगृह में सुशील के शव का पोस्टमार्टम कराया गया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि जांच के दौरान घटना के पीछे अवैध शराब के कारोबार से भी तार जुड़ने के संकेत मिले हैं। वहीं दोनों परिवारों में पहले भी विवाद होता रहता था। बीते साल चांद के परिजनों ने सुशील पर धारदार हथियार से हमला करने का मुकदमा दर्ज कराया था।

परिवहन मंत्री ने वाहनों पर नंबर प्लेट पंजीकरण और कलर कोडेड स्टिकर पर की समीक्षा

सेवाओं की होम डिलीवरी और प्रक्रिया के हर चरण में एसएमएस सुविधा 1 नवंबर से

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर । दिल्ली के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने आज मौजूदा वाहनों पर उच्च सुरक्षा पंजीकरण प्लेट (एचएसआरपी) और कलर कोडेड स्टिकर लगाने हेतु ओईएम और डीलरों द्वारा की गई तैयारियों की समीक्षा के लिए एक बैठक बुलाई।

बैठक में परिवहन विभाग, राष्ट्रीय सूचनाविज्ञान केंद्र (एनआईसी) के वरिष्ठ अधिकारियों सहित अन्य हितधारकों जैसे मूल उपकरण निर्माता (ओईएम), सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) और उच्चसुरक्षा पंजीकरण प्लेट (एचएसआरपी) निर्माताओं ने भाग लिया।

बैठक के दौरान, माननीय मंत्री ने अधिकारियों को सभी वाहनों पर सुगम रूप से एचएसआरपी और कलर कोडेड स्टिकर सुनिश्चित करने का निर्देश दिया जिससे आम जन को किसी कठिनाई का सामना न करना पड़े ।

1 नवंबर से एचएसआरपी और कलर कोडेड स्टिकर की बुकिंग के लिए **SIAM** द्वारा एकल वेबसाइट यूआरएल उपलब्ध किया जायेगा।

इस वेबसाइट के लिए एनआईसी तकनीकी सहायता प्रदान करेगा। **HSRP** या **Colour- Coded Sticker** की बुकिंग के बाद, उपभोक्ताओं को एसएमएस के माध्यम से, प्रसंस्करण के प्रत्येक चरण का वास्तविक समय में अपडेट मिलेगा। कस्टमर्स को अपॉइंटमेंट की तारीख से कम से कम 2 दिन पहले सूचित कर दिया जाएगा ताकि उन्हे किसी प्रकार की पड़ेशानी का सामना न करना परे। इस वेबसाइट द्वारा ग्राहक **HSRP** प्लेट की होम डिलीवरी के लिए भी आवेदन कर सकतें हैं ।

गहलोत ने इससे पहले भी **SIAM** और **OEM** के साथ एक बैठक बुलाई थी, जिसमें **HSRP** पंजीकरण प्रक्रिया में आने वाली कठिनाइयों पर चर्चा की गई थी। माननीय मंत्री ने उस बैठक में अधिकारीयों को जल्द से जल्द सभी समस्याओं के समाधान का निर्देश दिया था साथ ही उन्होने **HSRP** से सम्बंधित एनफोर्समेंट कार्यवाही अगले आदेश तक रोकने का आदेश भी जारी किया था । परिवहन विभाग ने वेंडर्स और एनआईसी के साथ अनुवर्ती बैठक में एचएसआरपी और कलर कोडेड स्टिकर के लिए सिंगल विंडो पोर्टल के प्रावधान की भी समीक्षा की थी।

परिवहन मंत्री द्वारा जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया हमने **HSRP** के वेंडर्स और डीलरों को यह सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश जारी किए हैं कि ग्राहको को किसी भी प्रकार की देरी या असुविधा का सामना न करना पड़े ।

2 सप्ताह के भीतर, हमने आउटलेट्स की संख्या बढ़ा कर 150 से 658 कर दिया है जिससे आम जनता आसानी से सुविधाओं का लाभ उठा सके। शिकायत निवारण तंत्र को भी मजबूत किया जा रहा है।

ताकि डीलरों द्वारा किये गए किसी भी चूक को नज़रअंदाज़ न किया जाए और परिवहन विभाग द्वारा निगरानी सुनिश्चित की जा सके।

महिला हेल्पलाईन न.

डीएमआरसी—155370
सीआईएसएफ—22185555
दिल्ली पुलिस—1091
दिल्ली सरकार—181
कहीं भी—कभी भी—1090

समाचार एजेंसी
वेब वार्ता®
पल-पल की खबर हर पल
समाचार एजेंसी का सदस्य बनने के लिए संपर्क करें
9650061234

एक नजर

अफगानिस्तान से प्याज के आयात में 'अड़ंगे' डाल रहा पाकिस्तान

नई दिल्ली। देश में प्याज की कीमतें आसमान छू रही हैं। देश में प्याज की कमी को पूरा करने के लिए सरकार अफगानिस्तान से इसका आयात कर रही है लेकिन पाकिस्तान इसमें अड़ंगे डाल रहा है। अफगानिस्तान के कारोबारियों का आरोप है कि पाकिस्तान की कारस्तानी के कारण भारत के लिए निर्यात किए जाने वाला प्याज वाघा बॉर्डर पर सड़ रहा है। जून में पाकिस्तान ने वाघा सीमा से अफगानिस्तान के निर्यात की अनुमति दी थी। कोविड के कारण मार्च में अफगानिस्तान से भारत को वाघा सीमा के जरिए निर्यात में बाधा आई थी। पाकिस्तान का दावा है कि वह अफगानिस्तान के साथ सभी तरह के द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए कृतसंकल्प है। लेकिन अफगानिस्तान चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इनवेस्टमेंट को काबुल में कारोबारियों से शिकायत मिली है। उनका कहना है कि भारत जाने वाला 70 फीसदी प्याज वाघा सीमा पर सड़ रहा है। सूत्रों का कहना है कि केवल 30 फीसदी ट्रकों को ही रोजाना प्रोसेस किया जा रहा है। एक सूत्र ने कहा कि सीमा पर पर्याप्त संख्या में स्कैनर नहीं हैं। पाकिस्तान के अधिकारी माल को छोटे बैगों में रखने पर जोर दे रहे हैं जिससे कारोबारियों की लागत बढ़ रही है और प्रोसेसिंग में देरी हो रही है।

टाइटन के मुनाफे में 45 प्रतिशत की गिरावट

नई दिल्ली । कोरोना वायरस कोविड19 के संक्रमण के प्रसार की रोकथाम के लिए लगाये गये लॉकडाउन और इसके कारण उपजी आर्थिक परिस्थितियों ने उपभोक्ताओं की प्राथमिकतायें बदल दीं, जिसका असर चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में टाइटन कंपनी के मुनाफे पर भी दिखा। कंपनी ने आज यह जानकारी दी कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में उसका कर पूर्व लाभ गत वित्त वर्ष की समान अवधि के आंकड़े 429 करोड़ रुपये से 45 प्रतिशत घटकर 238 करोड़ रुपये रह गया। कंपनी के मुताबिक चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में सोने के सिक्कों की बिक्री से हुई आमदनी को मिलाकर भी उसकी कुल आमदनी गत वित्त वर्ष की समान अवधि की तुलना में 9,461 करोड़ रुपये से 34 प्रतिशत घटकर 6,290 करोड़ रुपये रह गई। सोने के सिक्कों (बुलियन) की बिक्री से हुई आमदनी को हटाने पर कंपनी की कुल आमदनी में 44 प्रतिशत की गिरावट रही। कंपनी ने बीएसई को बताया कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में उसकी बिक्री में 89 प्रततिशत का सुधार आया है और यह सुधार खासकर ज्यूलरी की बिक्री होने के कारण आया है। वित्त वर्ष 2020-21 की दूसरी तिमाही में कुल आमदनी 4,389 करोड़ रुपये रही जिसमें 391 करोड़ रुपये की बिक्री सोने के सिक्कों की रही। गत वित्त वर्ष की समान तिमाही में हुई 4,466 करोड़ रुपये की तुलना में इसमें दो प्रतिशत से कम की गिरावट रही है। अवधि में कुल आमदनी में करीब 11 प्रतिशत की गिरावट रही।

रेड लाइट ऑन, गाड़ी ऑफ' अभियान में महिलाओं की टीम ने भी संभाला मोर्चा

'रेड लाइट ऑन, गाड़ी ऑफ' अभियान 2 नवंबर से पूरे दिल्ली के सभी 272 वार्डों में शुरू किया जाएगा

(लोकेश निरवाल)

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर। दिल्ली सरकार द्वारा वाहन प्रदूषण को कम करने के लिए शुरू किए गए 'रेड लाइट ऑन, गाड़ी ऑफ' अभियान के तहत आज पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कैबिनेट मंत्री इमरान हुसैन के साथ दिल्ली गेट स्थित दरियागंज चौराहे पर चलाए जा रहे जागरूकता कार्यक्रम में भाग लिया और उन्होंने वाहन चालकों को रेड लाइट ऑन होने के दौरान अपने वाहन बंद करने की अपील की। गोपाल राय ने दिल्ली के लोगों से अपील करते हुए कहा कि अभियान का समर्थन करने वाले लोग कम से कम पांच लोगों को जागरूक करके इससे जोड़ें और उन्हें रेड लाइट पर अपनी गाड़ी बंद करने के लिए प्रेरित करें। लोगों को अभियान के प्रति जागरूक करने के लिए आज से महिला संगठनों ने भी मोर्चा संभाल लिया है। यह अभियान 2 नवंबर से पूरे दिल्ली के सभी 272 वार्डों में शुरू किया जाएगा। दिल्ली के लोगों ने मिल कर पहले भी कई बड़ेबड़े काम किए हैं, मुझे पूरा विश्वास है कि वे इस बार भी मिल कर प्रदूषण को हराएंगे।

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि 'रेड लाइट ऑन, गाड़ी ऑफ' अभियान के प्रति दिल्ली के लोगों की भागीदारी बढ़ रही है और बड़ी संख्या में लोग इस अभियान में भाग ले रहे हैं। अभियान के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए हमने चौराहों पर पर्यावरण मॉर्शल लगाए हैं, जो लगातार जागरूक कर रहे हैं। इसके अलावा दिल्ली के सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों में 'रेड लाइट ऑन, गाड़ी ऑफ' अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम चल रहा है।

अभियान के तहत जागरूकता के लिए आज से महिलाओं की टीम ने भी मोर्चा संभाल लिया है। आज इस जागरूकता अभियान का नेतृत्व कैबिनेट मंत्री श्री इमरान हुसैन ने किया। इसी तरह, दिल्ली सरकार के बाकी कैबिनेट मंत्री भी अलगअलग जगहों पर लोगों को जागरूक करने के लिए सड़क पर उतर नेतृत्व करेंगे। दो नवंबर से दिल्ली के 272 वार्डों में 'रेड लाइट ऑन, गाड़ी ऑफ' अभियान को आगे बढ़ाने के लिए हम लोग सड़क पर उतरेंगे। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली के लोगों द्वारा अभियान को बड़े पैमाने पर सहयोग मिल रहा है।

उन्होंने दिल्ली निवासियों से अनुरोध किया कि जिस तरह से आप लोगों का अभियान के प्रति समर्थन मिल रहा है, उसी तरह आगे भी समर्थन करते रहें। साथ ही आप अपने स्तर से कम से कम 5 लोगों को इस अभियान के बारे में अवश्य बताएं, ताकि वे रेड लाइट पर अपनी बाइक, कार, ऑटो बंद करते हैं, तो लोगों की जिंदगी में प्रदूषण का जो खतरा है, उसे कम किया जा सकता है। इस अभियान के माध्यम से 15 से 20 प्रतिशत वाहन प्रदूषण को कम किया जा सकता है। इसलिए आज मैं दिल्ली के सभी लोगों से निवेदन करना चाहता हूं कि जो लोग इस अभियान का समर्थन कर रहे हैं, वे अपने पड़ोसियों, परिचितों और दोस्तों में से कम से कम 5 लोगों को समझाएं और इस अभियान से उन्हें जोड़ें। उनसे कहें कि जब भी वो रेड लाइट जाएं, तो रेड लाइट ऑन होने पर अपनी गाड़ी को बंद करें। मुझे पूरी उम्मीद है कि हम सभी दिल्ली वाले मिल कर इस प्रदूषण को हराएंगे। इससे पहले भी दिल्ली के लोगों ने मिल कर बड़ेबड़े काम किए हैं।

दिल्ली में रेड लाइट पर जाम के एक सवाल का जवाब देते हुए पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि रेड लाइट पर कोई रास्ता नहीं रोका जा रहा है। इसलिए इस अभियान की तुलना जाम से करना ठीक नहीं है। चूंकि अब दीपावली का त्योहार नजदीक आ रहा है, तो अब लोग सड़कों पर उतर रहे हैं। लेकिन मैं यह भी निवेदन कर रहा हूं कि जहां पर रेड लाइट है, वहां पर गाड़ी बंद रखते हैं, तो निश्चित रूप से वाहन प्रदूषण में कमी आएगी। दीपावली के समय दिल्ली में पहले भी जाम लगता रहा है, दीपावली पर अधिक लोग सड़क पर उतरते हैं, अगर उस जाम की वजह से पर्यावरण बढ़ रहा है और रेड लाइट पर गाड़ी बंद करते हैं, इससे काफी फायदा मिलेगा।आज इस अभियान का नेतृत्व कर रहे दिल्ली के खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री इमरान हुसैन ने दिल्ली गेट पर स्थित चारों लाल बत्तियों पर भ्रमण किया और लोगों को इस अभियान के संदर्भ में जागरूक किया। उन्होंने कहा कि लोग इस अभियान से लगातार जुड़ते जा रहे हैं और इसका पालन करते हुए रेड लाइट पर अपनी गाड़ी बंद कर रहे हैं।

हवा की रफ्तार बढ़ने से दिल्ली की वायु गुणवत्ता में सुधार

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर । राष्ट्रीय राजधानी में हवा की रफ्तार बढ़ने से बुधवार को प्रदूषण के स्तर की कमी आई लेकिन यह स्थिति कम समय के लिए ही बरकरार रह सकती है। पूर्वाह्न दस बजे शहर का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 281 रहा जो 'खराब श्रेणी' में आता है। इससे पहले लगातार पांच दिन तक एक्यूआई 'बेहद खराब' श्रेणी में था।

चैबीस घंटे का औसत एक्यूआई मंगलवार को 312, सोमवार को 353, रविवार को 349, शनिवार को 345 और शुक्रवार को 366 था। उल्लेखनीय है कि 0 और 50 के बीच एक्यूआई को 'अच्छा', 51 और 100 के बीच 'संतोषजनक', 101 और 200 के बीच 'मध्यम', 201 और 300 के बीच 'खराब', 301 और 400 के बीच 'बेहद खराब' और 401 से 500 के बीच 'गंभीर' माना जाता है। भारत मौसम विज्ञान विभाग में एक वरिष्ठ वैज्ञानिक ने बताया कि मंगलवार की सुबह हवा की गति बढ़ने से प्रदूषण कारक तत्व छितरा गए। उन्होंने कहा कि हालांकि हवा की रफ्तार फिर से कम हो गई है जिससे प्रदूषण कारक तत्व एकत्रित हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि बृहस्पतिवार तक वायु गुणवत्ता 'बेहद खराब' श्रेणी में जा सकती है। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की वायु गुणवत्ता निगरानी प्रणाली 'सफर' के अनुसार दिल्ली की हवा में पीएम 2.5 कणों की मात्रा में पराली जलाने से उत्पन्न हुए कणों का प्रतिशत मंगलवार को बढ़कर 23 प्रतिशत हो गया जो कि इस मौसम में अब तक की सर्वाधिक मात्रा है।

यह सोमवार को 16 प्रतिशत था, रविवार को 19 प्रतिशत और शनिवार को नौ प्रतिशत था। सफर के अनुसार पड़ोसी राज्यों में पराली जलाने की 1,943 घटनाएं हुई। हवा की गति धीमी होने और कम तापमान के कारण प्रदूषण कारक तत्व एकत्रित हो जाते हैं और हवा की रफ्तार तेज होने से वह छितरा जाते हैं। सफर के अनुसार बुधवार को एक्यूआई में थोड़ा सुधार होगा लेकिन बृहस्पतिवार को प्रदूषण के स्तर में वृद्धि हो सकती है।

अर्बन नक्सल के इशारे पर पंजाब को बर्बाद करना चाहती है सरकार

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरूण चुग ने बोला कैप्टन सरकार पर हमला

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर भारतीय जनता पार्टी ने आज यहां पंजाब सरकार को कटघरे में खड़ा करते हुए करारा हमला बोला है। साथ ही दावा किया कि कैप्टन सरकार अर्बन नक्सल के इशारे पर पंजाब को बर्बाद करना चाहती है।

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरूण चुग ने कैप्टन अमरिन्दर सिंह सरकार को किसानों के आन्दोलन की आड़ में पंजाब में अर्बन नक्सल को बढ़ावा देना का आरोप लगाया। साथ ही कहा कि केंद्र सरकार की ओर से पंजाब राज्य को भेजे गए ग्रामीण विकास फंड को गाँव के विकास में न लगाकर इधर उधर खर्च किया जा रहा है। बीजेपी अब कैप्टन अमरिंदर सिंह सरकार से आरडीएफ का हिसाब पूछ रही है तो सरकार मामले को डायवर्ड कर लोगों के गुमराह कर रही है। साथ ही अफवाह

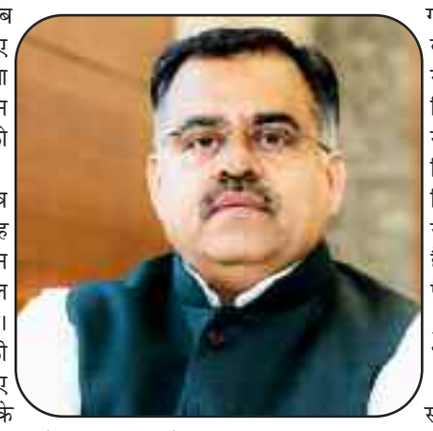

फैलाया जा रहा है कि मोदी सरकार आरडीएफ को बंद कर रही है। जबकि ऐसा कुछ नहीं है। भाजपा नेता ने कहा कि केंद्र सिर्फ फंड कहां खर्च किया है, उसका विवरण मांग रहा है। इस मामले में फंसी कांग्रेस सरकार इसे गलत तरीके से लोंगो के बीच ले जाकर गुमराह कर रही है। चुग ने दावा किया कि कैप्टन सरकार ने केंद्र सरकार द्वारा पंजाब को मिलने वाले ग्रामीण विकास फंडों का गलत जगहों पर दुरुपयोग किया है। जबकि मोदी सरकार ने पैसा गांव की गलियों ,नालियों, सड़कों के लिये भेजा था।

भाजपा नेता चुग ने स्पष्ट किया कि मोदी सरकार गांव के विकास को लेकर बचनबद्ध है और कोई भी फंड बंद नहीं किया है। चुग ने कहा की कोरोना महामारी के कारण पहले ही व्यापार चरमरा चुका था। पंजाब की अर्बन नक्सल हितैषी नीतियों के कारण एवं बडे उद्योग के खिलाफ बनाये जा रहे माहौल से पंजाब में नए उद्योग लगाने वाले अपने इरादों में बदलाव करने में मजबूर हो रहे हैं।

चुग ने कहा की केंद्र सरकार रेलगाड़ी चलाना चाहती है, लेकिन पंजाब सरकार सुरक्षा देने को तैयार नहीं है। हालात यह है कि करीब 200 गुड्स ट्रेन पंजाब में फंसे हैं। रेलवे ने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि जब तक पंजाब सरकार सुरक्षा का भरोसा नहीं देती है तब तक ट्रेन नहीं चलाई जाएगी। चुग ने कहा की जो उद्योग पंजाब में कारोबार कर रहे हैं वो पंजाब सरकार की गलत नीतियों के कारण धीरेधीरे बंद हो रहे हैं। इसके चलते 1500 करोड़ का नुकसान सहने के लिए मजबूर है।

डीटीयू में बीटेक दाखिला के लिए पहले चरण की काउंसलिग पूरी

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर (वेबवार्ता)। ज्वाइंट एडमिशन काउंसलिग (जैक) के तहत दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (डीटीयू) में बीटेक में दाखिले के लिए पहले चरण की काउंसलिग पूरी हो चुकी है। डीटीयू में पहले दौर की काउंसलिग में कंप्यूटर इंजीनियरिग में दिल्ली से बाहर के विद्यार्थियों की सामान्य श्रेणी की रैंकिग 1515 तक गई है।

डीटीयू कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने बताया कि पहले चरण में दिल्ली के विद्यार्थियों के लिए डीटीयू में कंप्यूटर इंजीनियरिग में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की रैंकिग (ईडबल्यूएस) 20312, सामान्य श्रेणी की 7017, ओबीसी की 45007, एससी की 94285, एसटी की 327381 व सामान्य श्रेणी के सिगल गर्ल चाइल्ड (जीएनएसजीडी) की रैंकिग 8132 तक गई है। वहीं दिल्ली से बाहर के विद्यार्थियों के लिए कंप्यूटर इंजीनियरिग में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की रैंकिग (ईडबल्यूएस) 2514, सामान्य श्रेणी की 1515, ओबीसी की 6303, एससी की 28845, एसटी की रैंकिग 68935 तक गई है। इसी तरह इन्फॉर्मेशन टेक्नोलोजी में ईडबल्यूएस की रैंकिग 2984, सामान्य श्रेणी की 1940, ओबीसी की 7591, एससी की 33129, एसटी की रैंकिग 69155 तक गई है। कुलपति ने बताया कि दूसरे राउंड की काउंसलिग की प्रक्रिया अभी जारी है। उन्होंने बताया कि इस बार जैक के लिए कॉर्डिनेटिग संस्थान दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय है। वर्तमान में डीटीयू, इंदिरा गांधी दिल्ली प्रौद्योगिकी महिला विश्वविद्यालय, इंद्रप्रस्थ सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली और नेताजी सुभाष तकनीकी विश्वविद्यालय में जैक के जरिये प्रवेश हो रहा है।

रक्षा मंत्री ने मौजूदा सुरक्षा माहौल को संभालने के अंदाज के लिए सेना की सराहना की

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर । रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को शीर्ष सैन्य कमांडरों को संबोधित करते हुए 'मौजूदा सुरक्षा माहौल' को संभालने के अंदाज के लिये सेना की तारीफ की। राजनाथ के बयान को पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ सीमा पर जारी गतिरोध के सीधे संदर्भ में देखा जा रहा है। सोमवार को शुरू हुए चार दिवसीय सम्मेलन में शीर्ष सैन्य कमांडर चीन के साथ लगने वाली वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर भारत की युद्धक तैयारियों के साथ ही जम्मू कश्मीर में स्थिति की व्यापक समीक्षा कर रहे हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि 'सशस्त्र बलों की भुजाओं' को मजबूती देने के लिये सरकार कोई कोरकसर बाकी नहीं छोड़ेगी। सिंह ने ट्वीट किया, 'नई दिल्ली में आज सैन्य कमांडरों के सम्मेलन को संबोधित किया। मौजूदा सुरक्षा माहौल में भारतीय सेना द्वारा उठाए गए कदमों पर मुझे बेहद गर्व है।' पूर्वी लद्दाख में

भारत और चीन की सेनाओं के बीच पांच महीने से भी ज्यादा समय से गतिरोध बना हुआ है और दोनों पक्षों ने क्षेत्र में 5050 हजार से ज्यादा सैनिकों की तैनाती कर रखी है जो गतिरोध की गंभीरता को परिलक्षित करता है। गतिरोध को दूर करने के लिये दोनों पक्षों में कई दौर की बातचीत हो चुकी है लेकिन अब तक कोई सफलता नहीं मिली है। सिंह ने कहा, 'सुधारों के मार्ग पर आगे बढ़ रही सेना को हर सुविधा देने और सभी क्षेत्रों में बढ़त हासिल करने में मदद के लिये रक्षा मंत्रालय प्रतिबद्ध है। हम अपने सशस्त्र बलों की भुजाओं को मजबूत बनाने में कोई कोरकसर नहीं छोड़ेंगे।' सेना की सराहना करते हुए सिंह ने कहा कि आजादी के बाद से देश की संप्रभुता और सुरक्षा से जुड़ी कई चुनौतियों का बल ने सफलतापूर्वक समाधान दिया है। उन्होंने कहा, 'चाहे वह आतंकवाद की समस्या हो, उग्रवाद या बाहरी आक्रमण, सेना ने उन खतरों को नाकाम करने में हमेशा महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है।'

माई भागो ब्रिगेड द्वारा दिल्ली के स्कूली विद्यार्थियों के ऑनलाइन धार्मिक मुकाबलों का आयोजन

नई दिल्ली, 28 अक्टूबरः दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की वरिष्ठ उपाध्यक्ष बीबी रणजीत कौर द्वारा आज की नई पीढ़ी को अपनी विरासत व सिख धर्म के मूल्यों से परिचित करवाने की मुहिम आरभ की हुई है। इसी कड़ी के तहत बीबी रणजीत कौर द्वारा स्थापित माई भगो ब्रिगेड की अगुवाई में दिल्ली के स्कूली विद्यार्थियों के आनलाईन धार्मिक मुकाबलों का आयोजन किया गया। यह मुकाबले भाई तारू सिंह जी के 300 वें प्रकाश पर्व को समर्पित हैं।

इन मुकाबलों में स्कूली विद्यार्थियों के क्विज़ मुकाबले व पेटिंग प्रतियोगिता करवाई गई। दिल्ली के अलगअलग स्कूलों के विद्यार्थियां ने मुकाबले में बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। गुरु हरिकृष्ण पब्लिक स्कूल लोनी रोड शाहदरा में प्राथमिक कक्षाओं से 81 विद्यार्थियों ने मुकाबलों में हिस्सा लिया। जिसमें दूसरी कक्षा के विद्यार्थी तेजस सिंह ने क्विज़ मुकाबले में दिल्ली स्तर पर प्रथम स्थान लिया। पांचवी कक्षा के विद्यार्थी गोरांस ने दूसरा स्थान क्विज़ प्रतियोगिता व पेंटिंग मुकाबलों में सर्टिफिकेट हासिल किया। इन मुकाबलों में हिस्सा लेने वाले सभी विद्यार्थियों को संस्था द्वारा सर्टिफिकेट भेंट किए गए। संस्था द्वारा स्कूली विद्यार्थियां के यह मुकाबले ऑनलाइन करवाए गए। स्कूल के चेयरमैन स. कुलवंत सिंह बाठ के अनुसार हम अपने स्कूल में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को जहां मौजूदा शिक्षा प्रणाली के तहत शिक्षा दे रहे हैं। वहीं इन विद्यार्थियों को सिख धर्म की विरासत व गौरवमई इतिहास के बारे में भी जानकारी देने का प्रयास कर रहे हैं। उनके अनुसार यह बहुत ही गर्व की बात है कि इन मुकाबलों में सिख परिवारों के साथ साथ गैर सिख परिवारों के विद्यार्थियों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया और सफलता हासिल की।

केजरीवाल सरकार की घोषणाएं जमीन पर लागू करने के लिए नहीं बल्कि घोटाले करने के लिए लाई जाती हैः आदेश गुप्ता

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर । केजरीवाल सरकार द्वारा लगातार तीनों नगर निगम द्वारा बकाया फंड की मांग की उपेक्षा किए जाने के कारण नगर निगम कर्मचारी प्रभावित हो रहे हैं, क्योंकि फंड न होने के कारण उनका वेतन रुका हुआ है। इस संदर्भ में आज दिल्ली भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता को संबोधित किया। प्रेस वार्ता में प्रदेश मीडिया प्रमुख नवीन कुमार, विधायक व मुख्य प्रवक्ता अभय वर्मा एवं प्रवक्ता आदित्य झा उपस्थित थे।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने बताया कि आज तीनों महापौर ने उपराज्यपाल से मिलकर यह अनुरोध किया कि वह जल्द से जल्द दिल्ली सरकार से नगर निगम का बकाया फंड 13000 करोड़ रुपए दिलवाए ताकि नगर निगम कर्मचारियों को समय पर वेतन दिया जा सके और वह भी पर्वत्यौहार को बेहतर ढंग से मना सके। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में जहां एक ओर सभी दिल्लीवासी अपने घरों में रह कर कोरोना से खुद को सुरक्षित रख रहे थे वहीं दूसरी ओर निगम के सफाईकर्मी, डॉक्टर स्वास्थ्यकर्मी एवं अन्य निगम कर्मचारियों ने अपने स्वास्थ्य की परवाह किए बगैर ही पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ कार्य किया, लेकिन दिल्ली सरकार उनका वेतन देने में आनाकानी कर रही है। नगर निगमों की आर्थिक स्थिति कमजोर होने पर यह दिल्ली सरकार का उत्तरदायित्व है कि वह निगम की वित्तीय सहायता करें लेकिन इसके उलट दिल्ली सरकार निगम कर्मियों से बदला ले रही है। आदेश गुप्ता ने कहा कि यह बहुत ही शर्मनाक है कि दिल्ली के लोगों और निगम कर्मियों का प्रतिनिधित्व करने वाले तीनों महापौर मुख्यमंत्री केजरीवाल के घर के बाहर जमीन पर बैठे रहे लेकिन केजरीवाल ने मिलने का समय नहीं दिया। इससे तो यही जाहिर है कि मुख्यमंत्री केजरीवाल में नैतिकता और शिष्टाचार की भी कमी हो गई है। वहीं रात में केजरीवाल सरकार के मंत्री सत्येंद्र जैन आए और जैसे तैसे यह आश्वासन दिया कि दिल्ली सरकार निगम का बकाया पैसा जारी करेगी, उम्मीद है वह इस आश्वासन को पूरा करेंगे। दिल्ली सरकार का 60,000 करोड़ रुपए का बजट है और अगर वह चाहे तो एक बार में निगम का बकाया पैसा दे सकती है। लेकिन ऐसा करने की बजाय दिल्ली सरकार ओछी राजनीति कर रही है। दिल्ली सरकार जनहित की समस्याओं को भी चुनाव की दृष्टि से देखते हैं ।

BUSINET

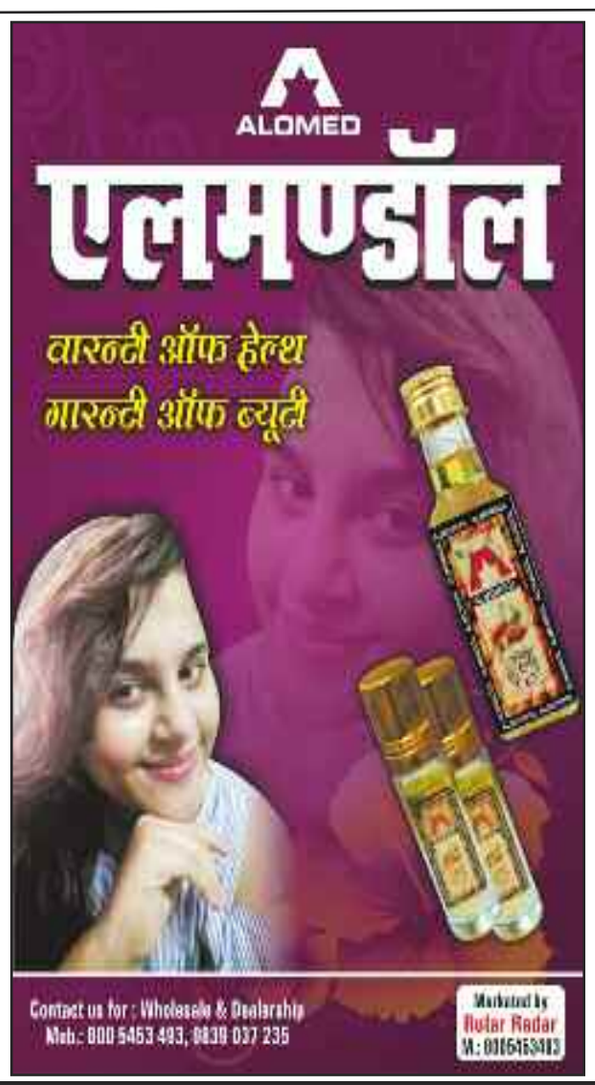

संपादकीय

भारतीय अर्थव्यवस्था में बहुत तेजी से आ रहे हैं कई सकारात्मक बदलाव

कोरोना वायरस महामारी के चलते आर्थिक गतिविधियां पूरे विश्व में ठप्प पड़ गईं थीं। भारत भी इससे अछूता नहीं रहा एवं मार्च 2020 के बाद से देश में आर्थिक गतिविधियों में लगातार कमी दृष्टिगोचर हुई। जिसके चलते, कई लोगों के रोज़गार पर विपरीत असर पड़ा था एवं शहरों से भारी मात्रा में मज़दूरों का ग्रामों की ओर पलायन दिखाई दिया था। कुल मिलाकर कोरोना महामारी के काल के दौरान पूरे देश में एक तरह से अवसाद का माहौल उत्पन्न हो गया था। परंतु अब हर्ष का विषय है कि सितम्बर 2020 में आर्थिक गतिविधियों ने देश में पुनः रफ़्तार पकड़ ली है। साथ ही कई क्षेत्रों में तो इस दौरान कई प्रकार के सकारात्मक बदलाव देखने में आए हैं। यथा, देश का विदेशी मुद्रा भंडार रिकार्ड स्तर पर पहुंच गया है। कृषि क्षेत्र से निर्यात बहुत तेज़ी से बढ़े हैं, ऊर्जा के क्षेत्र में क्रांति हो रही है, फ़ार्मा उद्योग, वाहन उद्योग, सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग, मेडिकल टूरिज़्म आदि क्षेत्रों में भारत ने पूरे विश्व में अपनी एक अलग पहिचान बना ली है। इसके कारण, शीघ्र ही देश अवसाद की स्थिति से उबर कर वापस सामान्य स्थिति में आ जाएगा।

भारत के विदेशी व्यापार क्षेत्र से बहुत अच्छी ख़बर आई है। बहुत लम्बे समय के बाद विदेशी व्यापार के चालू खाता में वर्ष 2020-21 की प्रथम तिमाही अर्थात् अप्रैल से जून 2020 के बीच में 1,980 करोड़ अमेरिकी डॉलर का आधिक्य शेष दर्ज किया गया है। सामान्यतः भारत के विदेशी व्यापार के चालू खाता में कमी का शेष ही रहता आया है। विदेशी व्यापार के चालू खाता में आधिक्य शेष होने का आशय यह है कि देश से निर्यात, आयात की तुलना में अधिक हो रहे हैं। जबकि सामान्यतः देश में आयात, निर्यात की तुलना में अधिक रहते हैं। साथ ही देश के निर्यात में भी 5.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार भी दिनांक 20 अक्टूबर 2020 को 55,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर के रिकार्ड स्तर पर पहुँच गया है एवं इसमें लगातार वृद्धि दृष्टिगोचर हो रही है। देश में विदेशी निवेश की मात्रा भी लगातार बढ़ती जा रही है। अभी हाल ही में देश में ऊर्जा के उत्पादन से संबंधित जारी किए गए आँकड़ों से यह तथ्य उभर कर आया है कि भारत में ऊर्जा के कुल उत्पादन में स्वच्छ ऊर्जा का योगदान वित्तीय वर्ष 2020-21 के अगस्त माह तक 30 प्रतिशत हो गया है जो वित्तीय वर्ष 2019-20 के अंत में 24.9 प्रतिशत था। केंद्र सरकार द्वारा लागू की गई नीतियों को चलते देश के ऊर्जा उत्पादन में पारम्परिक ऊर्जा का योगदान लगातार कम होता जा रहा है। पारम्परिक ऊर्जा को जीवाश्म ऊर्जा भी कहते है एवं इसके निर्माण में तेल, गैस और कोयला आदि का उपयोग होता है। वहीं स्वच्छ ऊर्जा में सौर ऊर्जा एवं पवन ऊर्जा भी शामिल है। दूसरी, एक अन्य महत्वपूर्ण जानकारी के अनुसार भारत अब ऊर्जा क्षेत्र में इस दृष्टि से आत्म निर्भर हो चुका है कि देश में ऊर्जा की कुल आवश्यकता के 99.6 प्रतिशत भाग की उपलब्धता होने लगी है, जो वर्ष 2012-13 में 91.3 प्रतिशत ही हो पाती थी। वर्ष 2013-14 से प्रतिवर्ष ऊर्जा की कुल आवश्यकता एवं ऊर्जा की उपलब्धता के बीच का अंतर लगातार कम होता चला गया है, जो वर्ष 2012-13 के 8.7 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2020-21 (अप्रैलअगस्त) में 0.4 प्रतिशत रह गया है। अन्तर्राष्ट्रीय ऊर्जा संस्थान द्वारा भी अपने एक समीक्षा प्रतिवेदन में बताया गया है कि भारत में 95 प्रतिशत लोगों के घरों में बिजली मुहैया कराई जा चुकी है और 98 प्रतिशत परिवारों की खाना पकाने के लिए, स्वच्छ ईंधन तक पहुँच बन गई है। साथ ही, उक्त समीक्षा प्रतिवेदन में यह भी बताया गया है कि ऊर्जा के क्षेत्र में निजी निवेश की मात्रा भी बढ़ी है, जिससे भारत में ऊर्जा के क्षेत्र की दक्षता में सुधार हुआ है। उसकी वजह से ऊर्जा की क़ीमतों में प्रतिस्पर्धा बढ़ी है एवं ऊर्जा की क़ीमतें सस्ती हुई हैं। सामान्य लोगों की ऊर्जा तक पहुँच बढ़ी है। ऊर्जा की दक्षता बढ़ने के चलते ऊर्जा की माँग में 15 प्रतिशत की कमी आई है।

महिला हेल्पाइन

डीएमआरसी	155370
सीआईएसएफ	22185555
दिल्ली पुलिस	1091
दिल्ली सरकार	181
कहीं भी कभी भी	1090

हिंदी दैनिक वूमेन एक्सप्रेस

खबर एवं विज्ञापनों के लिए संपर्क करें
चेम्बर नंबर-302, वधवा बिजनेस सेंटर, डी-288-89/10,
नियर लक्ष्मी नगर मेट्रो स्टैशन गेट नंबर -1,
विकास मार्ग, नई दिल्ली - 110092
मोबाइल : 07042999974/ 09013518518
प्रधान संपादक : खुशबू पाण्डेय
प्रबंध संपादक : विनोद मिश्रा
राजनीतिक संपादक : नीता बुधौलिया
विज्ञापन प्रबंधक : रिजवाना नसीम
कानूनी सलाहकार : लख़मी चन्द
www.womenexpress.in
Email : thewomenexpress@gmail.com

इंदौर कार्यालय

102 , राजानी भवन , हाई कोर्ट के सामने,एम् ,जी रोड , इंदौर (मध्यप्रदेश)
रजनी खेतान (ब्यूरो चीफ)
मोबाइल : 08770587699, 09826024018

प्रयागराज कार्यालय

17/33, महात्मा गांधी मार्ग
(माया बाजार) सिविल लाइन्स।
फोन : 05322560285
09415215390
प्रबंध संपादक : विनोद मिश्रा

मुख्य चुनाव से ज्यादा अहम हो गया है मध्य प्रदेश विधानसभा का उप चुनाव

मध्य प्रदेश विधानसभा की 28 सीटों के लिये आगामी तीन नवंबर को होने वाले उप चुनाव की दोहरी अहमियत है। अव्वल तो यह चुनाव राज्य में सरकार की दिशा और दशा तय करेगा ही, साथ में इस चुनाव से मध्य प्रदेश की राजनीति में बुजुर्ग बनाम युवा पीढ़ी के वर्चस्व की लड़ाई भी निर्णायक मोड़ पर पहुंच जायेगी।

स्पष्ट है कि सत्ता समीकरणों के लिहाज से यह उप चुनाव देश के चुनावी इतिहास में शायद पहला उप चुनाव होगा जिसकी अहमियत मुख्य चुनाव से भी ज्यादा है । हो भी क्यों न, ऐसे उप चुनाव विरले ही हुये होंगे जिसमें आधी सीटों पर सरकार के मंत्रियों की किस्मत दांव पर लगी हो। गौरतलब है कि इस उप चुनाव में शिवराज सरकार के 14 मंत्री भी चुनाव मैदान में हैं।

इस चुनाव की अहमियत के दो अन्य पहलू भी क़ाबिले गौर हैं। पहला, यह उप चुनाव मध्य प्रदेश के दोनों मुख्य दलों भाजपा और कांग्रेस में नेतृत्व पर पकड़ रखने वालों के चेहरों का निर्धारण करेगा। और दूसरा, इस उप चुनाव का परिणाम यह भी बतायेगा कि मध्य प्रदेश की जनता, इतने व्यापक पैमाने पर 'दल बदल' के बलबूते सत्ता परिवर्तन पर क्या दृष्टिकोण अपनाती है। कुल मिला कर बहुआयामी तस्वीरों वाले इस उप चुनाव को इन्हीं वजहों से सियासी पंडितों ने ''महा उप चुनाव'' करार दिया है। राजे रजवाड़ों के सियासी दखल वाले सूबे, मध्य प्रदेश का यह उप चुनाव दरअसल कांग्रेस और भाजपा के क्षत्रपों के अहम् की लड़ाई का भी नतीजा है। राज्य में दो साल पहले हुये विधानसभा चुनाव में कांग्रेस द्वारा जीत का सेहरा ज्योतिरादित्य सिंधिया के सिर पर नहीं बांधे जाने के बाद ही यह तय हो गया था कि सत्ता की ताजपोशी से नवाजे गये कमलनाथ के लिये आगे की डगर आसान नहीं होगी। महज डेढ़ साल बाद ही दुनिया ने देख भी लिया कि ग्वालियर राजघराने के वारिस सिंधिया की नाराजगी कांग्रेस के लिये सत्ता से बेदखली की हद तक महंगी पड़ी।

सिंधिया ने अपनी ही पार्टी के 22 विधायकों को तोड़ कर मुख्यमंत्री पद के लिये शिवराज सिंह चौहान की ताजपोशी का रास्ता जरूर आसान कर दिया लेकिन अब यह उप चुनाव साबित करेगा कि भाजपा में सिंधिया और चौहान में से किसका रसूख ज्यादा है। स्पष्ट है कि कमलनाथ सरकार गिराने वाले सिंधिया समर्थक 22 विधायकों में से अधिकांश ग्वालियर चंबल संभाग के ताल्लुक रखते हैं, इसलिये यह क्षेत्र ही इस उप चुनाव में विधानसभा की उभरती तस्वीर में प्रमुख भूमिका निभायेगा।

जहां तक कांग्रेस का सवाल है, तो यह उप चुनाव पार्टी में बुजुर्ग बनाम युवा पीढ़ी के संघर्ष को उसकी नियति तक ले जायेगा। साल 2018 में विधानसभा चुनाव के बाद ही कांग्रेस में यह बहस पुरजोर थी कि

राज्य में नेतृत्व की कमान युवा पीढ़ी को सौंपते हुये सिंधिया को मुख्यमंत्री बनाया जाये। बेशक इस बहस को कांग्रेस के तत्कालीन अध्यक्ष राहुल गांधी के खेमे ने तेज किया था। लेकिन पार्टी में कमलनाथ और दिग्विजय सिंह की जोड़ी का अनुभव युवा सोच पर भारी पड़ा। कांग्रेस के बुजुर्गों की जमात कमलनाथ को सत्ता सिंहासन तक पहुंचाने में तो कामयाब रही, किंतु सिंधिया की बगावत को रोक पाना बुजुर्गों के लिये मुमकिन नहीं हो सका। इस प्रकार अगर इस उप चुनाव में सिंधिया समर्थक बागी विधायक भाजपा के टिकट पर भी चुनाव जीतने में कामयाब होते हैं तो इससे कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व को यह साफ संदेश मिलेगा कि विधानसभा चुनाव के बाद राहुल गुट की आवाज को दबाना पार्टी आलाकमान की बड़ी सियासी भूल थी। अब बात इस उप चुनाव के उन ताजा समीकरणों की, जिनकी वजह से इस चुनाव पर पूरे देश की नजरें टिकी हुयी हैं। सर्वविदित है कि मध्य प्रदेश की 230 सदस्यीय विधानसभा में सत्ताधारी कांग्रेस के 25 विधायकों की बगावत और तीन विधायकों के निधन के कारण रिक्त हुयी 28 सीटों के लिये उपचुनाव हो रहा है। यह भी किसी से छुपा नहीं है कि यह बगावत सिंधिया की अगुवाई में हुयी थी इसलिये अधिकांश बागी विधायकों का ताल्लुक ग्वालियर चंबल संभाग से है। अतय्ह उप चुनाव इस बात को भी तय कर देगा कि चंबल के बागियों की इस धरती पर किसी दल का प्रभाव है या राजघराने का। सिंधिया राजघराने के सियासी साथ की बदौलत अब तक कांग्रेस का इस संभाग में प्रभाव रहा है। भाजपा इस उप चुनाव के बहाने अब सिंधिया के सहारे इस इलाके में अपनी पैठ मजबूत करने का सुनहरा मौका देख रही है। हालांकि चुनावी समीकरणों के लिहाज से एक तथ्य यह भी है कि मध्य प्रदेश में बसपा के लिये ग्वालियर चंबल संभाग ही उर्वर भूमि रही है। इस क्षेत्र में बसपा की मजबूत पैठ ने इस उप चुनाव के मुकाबले को भी पिछले चुनावों की तरह त्रिकोंणीय बना दिया है। देखना यह होगा कि अब तक के त्रिकोंणीय मुकाबलों में बसपा के कारण जो चुनावी लाभ कांग्रेस को होता था, उस लाभ को भाजपा अपनी झोली में ला पायेगी या नही। राज्यों के चुनावों का अब तक का अनुभव बताता है कि कांग्रेस और भाजपा के बीच मुकाबले में किसी तीसरे पक्ष की मौजूदगी से उभरे त्रिकोंणीय संघर्ष का नुकसान कांग्रेस को उठाना पड़ता है। लेकिन, मध्य प्रदेश का ग्वालियर चंबल संभाग, स्थानीय जातिगत समीकरणों के कारण इस स्थिति का अपवाद रहा है। सिंधिया, इस चुनाव में यह स्थिति बदलने की भरसक कोशिश कर रहे हैं। यहां के अनुसूचित जाति एवं जनजाति बहुल इलाकों में बसपा की मजबूत पकड़ को देखते हुये सिंधिया, चुनावी सभाओं में मतदाताओं से दल और उम्मीदवार का चेहरा देखने के बजाय राजघराने की प्रतिष्ठा का हवाला देकर वोट देने की अपील कर रहे हैं। इससे इतर, सिंधिया और भाजपा को डबरा की विधायक और मंत्री इमरती देवी के बारे में कमलनाथ के कथित अपमानजनक बयान को चुनावी मुद्दा बनाने का सुअवसर दे दिया है। चुनाव वाली सीटों के अधिकांश विधायक इस बार कांग्रेस के बजाय भाजपा के रंग में रंगे हुये हैं। इस कारण से कांग्रेस को नये चेहरों पर दांव लगाना पड़ा है। बसपा ने सभी 28 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं लेकिन ग्वालियर चंबल संभाग की दस सीटों पर हाथी ने पूरी ताकत झोंक कर मुकाबले को त्रिकोंणीय बना दिया है। दरअसल मायावती, राजस्थान में बसपा के सभी छह विधायकों को अशोक गहलोत द्वारा कांग्रेस में शामिल कराने का बदला मध्य प्रदेश में कमलनाथ से लेने की पुरजोर कोशिश जो कर रही हैं। कुल मिलाकर इस उप चुनाव में उभरे जटिल एवं बहुपक्षीय समीकरणों ने मतदाताओं को भी मुखर होने के बजाय मौन कर दिया है। ऐसे में चुनावी पंडितों के लिये भी कयास लगाना आसान नहीं है। सभी दल फूंक फूंक कर कदम बढ़ा रहे हैं। 28 सीटों में से 27 पर कांग्रेस का कब्जा था। अब 88 विधायकों वाली कांग्रेस को अपनी खोई सत्ता हासिल करने के लिये सभी 28 सीटों को जीतने का दुरुह लक्ष्य भेदना होगा।

निर्मल यादव
वरिष्ठ पत्रकार ।
www.womenexpress.in

भारत से क्या रिश्ता है पाक के विपक्ष का

क्या पाकिस्तान के विपक्ष का भारत से भी कोई संबध है? भले ही इस तरह की कोई बात न हो, क्योंकि; भारत का तो कभी किसी अन्य मुल्क के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करने का इरादा तो कभी रहा ही नहीं है। पर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान की खासमखास कैबिनेट मंत्री शिरिन मजारी को तो यही यह लगता है। विगत 26 अक्तूबर को उन्होंने पाकिस्तान की संसद में आरोप लगाया कि पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट (पीडीएम) का भारत से संबंध है। दरअसल पाकिस्तान में सभी प्रमुख विपक्षी पार्टियों ने ही मिलकर पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट (पीडीएम) का गठन किया है । यह पीडीएम मोर्चा इमरान सरकार के ख़िलाफ़ आंदोलन कर रहा हैं और उनके इस्तीफ़े की खुलकर माँग कर रहे हैं।

मानवाधिकार मामलों की पाकिस्तानी मंत्री मजारी कहती हैं कि जब (अजीत) डोभाल भारत से जंग की धमकी दे रहे हैं, बस तब उसी समय ही पीडीएम के कुछ नेता बलूचिस्तान की आजादी मांग करने लगे हैं और पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की यह चाहत है कि पाकिस्तानी सेना में ही विद्रोह हो जाए। इसे दिवा स्वपन नहीं कहेंगें तो क्या कहेंगें मजारी ने अपने एक ट्वीट में यहां तक कहा कि क्या यह भारत के नेशनल सिक्युरिटी एडवाइजर अजीत डोभाल और पीडीएम का एक जैसी बातें करना मात्र संयोग है। मजारी का भारत को इस विवाद के बीच घसीटना साबित करता है कि पाकिस्तान में आतंरिक स्थितियां अब बेकाबू और बेहद विस्फोटक और इमरान सरकार के प्रतिकूल हो चुकी हैं। पीडीएम अब पूरे पाकिस्तान में इमरान सरकार की हरकतों को उजागर कर रहा है। मजारी का इन खराब हालातों में भारत को लाने के पीछे मोटामोटी उदेश्य यही है कि पाकिस्तानी विपक्ष के साथसाथ भारत को भी बदनाम किया जा सके। दरअसल राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल के एक हालिया बयान से दुश्मन मुल्कों की नींद उड़ी हुई है। डोभाल ने उत्तराखंड के हरिद्वार में बीते दिनों एक कार्यक्रम में कहा कि किसी की इच्छा पर नहीं, बल्कि भारत अपनी जरूरत या खतरे को देखकर युद्ध करेगा। अजित डोभाल के बयान से दुश्मन मुल्क पूरी तरह सहम गए हैं। विजयादशमी के मौके पर अजित डोभाल ने कहा 'हम वहीं लड़ेंगे जहां से हमें खतरा आ रहा है। हम उस खतरे का मुकाबला वहीं जाकर करेंगे। हम युद्ध तो करेंगे पर अपनी जमीन पर भी कर सकते हैं और बाहर भी करेंगे। लेकिन, यह हमें अपने निजी स्वार्थ के लिए नहीं परमार्थ के लिए करना पड़ेगा। डोभाल के बयान से पाकिस्तनी हुक्मरानों की तो रातों की नींद उड़ गई है। मजारी के बयान से पाकिस्तान सरकार की चिंता को समझा जा

सकता है। इस बीच, पाकिस्तान के शहर पेशावर में पिछले मंगलवार को एक भयानक बम विस्फोट हो गया है। इसमें लगभग 10 लोगों के मारे जाने और बहुत से लोगों के घायल होने की भी खबर है। विस्फोट को रिमोट से नियंत्रित किया गया था और जिस बम से यह विस्फोटक अंजाम दिया गया है वह देसी बताया गया है । हमले में खासतौर पर पाकपुलिस को निशाना बनाया गया था। मतलब साफ है कि पाकिस्तान फिलहाल बेहद बुरे संकट के दौर से गुजर रहा है। एक तरफ कोविड19 का असर और दूसरी तरफ पीडीएम का आंदोलन। पीडीएम के एक बड़े नेता का बलूचिस्तान की आजादी की मांग करना सच में किसी सामान्य घटना के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। इमरान खान बलूचिस्तान सूबे में विद्रोह की आहट को समझ ही नहीं पाए या समझकर भी आँखें मूंदकर बैठे रहे । बलूचिस्तान में बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी नाम का संगठन किसी भी सूरत में पाकिस्तान से अपने बलूचिस्तान को अलग कराना चाहता है। उसे सूबे की बहुमत जनता का आशीर्वाद हासिल है। इसके लिए यह संगठन अब हिंसक रास्ते पर भी चल पड़ा है। उसे पीडीएम के नेता की मांग से बल भी मिलेगा। आपको याद ही होगा कि इसी ने कुछ हफ्ते पहले ही कराची के स्टॉक एक्सचेंज बिल्डिंग में भी एक आतंकी हमले को अंजाम दिया था। स्टॉक एक्सचेंज में हुए आतंकी हमले में करीब दस लोगों की जानें गई थी। हमलावरों ने वहां ग्रेनेड से हमला कर दिया था। तब से ही इमरान खान अपने देश की संसद में बेशर्मी से दावा कर रहे हं कि कराची में आतंकी घटना के पीछे भारत का हाथ है। अब उनकी एक मंत्री मजारी भी अपने देश के विपक्ष और भारत के बीच संबंध स्थापित करवा रही हैं। इमरान को अपने देश के विपक्ष की मांगों और उनके आंदोलन को गंभीरता से लेने की जरूरत है न कि भारत पर मिथ्या आरोप लगाकर जनता को गुमराह करने की । इमरान ख़ान विपक्षी पार्टियों की एकजुटता पर हमला करते हुए उन्हें डाकुओं की एकता तक कह रहे हैं। हालांकि इमरान सरकार विपक्ष को यथा संभव डरा धमका रही है लेकिन, विपक्ष सरकार की धमकियों से घबरा नहीं रहा है और इमरान ख़ान पर उसके हमले कम नहीं हो रहे हैं बल्कि, हर दिन बढ़ते ही जा रहे हैं । इमरान खान अपने पूर्ववर्ती प्रधानमंत्री नवाज शरीफ पर खासतौर पर हमले बोल रहे हैं। नवाज शरीफ को पाकिस्तान के कठमुल्ले भी भारत का ही आदमी बताते हैं। इसकी एक वजह यह भी है कि नवाज शरीफ ने 2008 के मुंबई हमलों के लिए परवेज मुशर्रफ को जिम्मेदार बताया था। इमरान खान तो यहां तक कह गए थे कि भारत ने मुंबई में 2008 में हमला खुद ही करवाया था।

आर.के. सिन्हा
पूर्व सांसद, राज्य सभा
नई दिल्ली ।
www.womenexpress.in

इस संसार में संतुष्टि प्राप्त करना

आज हममें से हरेक शांति और ख़ुशी की तलाश कर रहा है। यह तलाश सार्वभौमिक है। आख़िर दुःखी तो कोई भी नहीं होना चाहता! लोग अलग अलग तरीक़ों से ख़ुशियाँ पाने की कोषिष करते हैं। कुछ लोग दौलत और भौतिक चीज़ों में ख़ुशियाँ ढूंढते हैं, कुठ नाम और शोहरत में इसे पाना चाहते हैं, कुछ अन्य सांसारिक रिष्तों में इसकी तलाष करते हैं। कई लोग ख़ुशी पाने के लिए मनोरंजन का सहारा लेते हैं, जैसे कि फ़िल्म देखना, संगीत सुनना, सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेना, टीवी देखना, तथा अन्य प्रकार के इंद्रिय भोगोंरसों में समय व्यतीत करना। कुछ लोग खेलकूद संबंधी गतिविधियों को देखने या उनमें भाग लेने से ख़ुशी का अनुभव करते हैं। फिर कुछ लोग ऐसे भी हैं जो शराब और अन्य नषीले पदार्थों में ख़ुषियाँ ढूंढने की कोषिष करते हैं।

अधिकतर लोग अपनी इच्छाएँ पूरी करने के ज़रिए ख़ुशी पाना चाहते हैं। हमारी इच्छा एक कार ख़रीदने की हो सकती है; हमारी इच्छा एक घर ख़रीदने की हो सकती है; हमारी इच्छा इतिहास या विज्ञान पढ़ने की हो सकती है; या हमारी इच्छा किसी भी दुनियावी चीज़ को पाने की हो सकती है। हमारी कोषिष यही होती है कि हम अपनी इच्छाओं को पूरा कर सकें। ज़िंदगी भर हम एक के बाद दूसरी इच्छा की पूर्ति में ही लगे रहते हैं। होता क्या है कि हमारी इच्छाएँ कभी ख़त्म ही नहीं होतीं। जैसे ही एक इच्छा पूरी होती है, कोई दूसरी इच्छा हमारे अंदर जाग जाती है। जब हम वो पूरी कर लेते हैं, तो कोई अन्य इच्छा उसकी जगह ले लेती है, और उसकी पूर्ति के बाद फिर कोई और इच्छा पैदा हो जाती है। हमारा जीवन ऐसे ही गुज़रता चला जाता है।

यह सच है कि आधुनिक संस्कृति आज हमारे अंदर नईनई इच्छाओं को जन्म देती जा रही है। रेडियो, टेलीविज़न, पोस्टरों आदि पर विज्ञापनों की होड़ लगी रहती है। विज्ञापनकर्ता हमें बताते हैं कि हमारे पास फ़लाँ इलैक्ट्रॉनिक सामान होना चाहिए, फ़लाँ फ़ैषन के कपड़े होने चाहियें, फ़लाँ नई गाड़ी होनी चाहिए। वो हमारे अंदर यह भावना जगाते हैं कि जब तक हम फ़ौरन इन चीज़ों को ख़रीद नहीं लेते, तब तक हम और हमारा जीवन अधूरे हैं। यदि हम इन सब चीज़ों के बारे में ग़ौर से सोचें, तो हम देखेंगे कि इनसे हमें वैसी ख़ुषी नहीं मिलती, जिसके हमें सपने दिखाए गए थे। हम थोड़ी देर के लिए अवष्य इनसे ख़ुषी प्राप्त करते हैं, लेकिन इन चीज़ों को या अपने प्रियजनों को खो देने से हमें बेहद पीड़ा और कष्ट भी सहन करना पड़ता है। जीवन के किसी न किसी मोड़ पर हमें एहसास होता है कि बाहरी संसार की ख़ुषी एक क्षणिक भ्रम ही है। इस संसार की हरेक चीज़ नाषवान है। एक न एक दिन हम स्वयं भी शारीरिक मृत्यु का ग्रास बन जाएंगे और अपनी सारी प्यारी वस्तुओं को इसी संसार में पीछे छोड़ जाएँगे।

चूँकि हमारी इंसानी व्यवस्था को इस प्रकार रचा गया है कि हम इच्छाओं की पूर्ति करने की ओर ही ध्यान लगाए रहते हैं, तो सही प्रकार की इच्छा के लिए क्या जरूरी है? सबसे पहले तो हमें एक लक्ष्य का चयन करना चाहिए। और सही लक्ष्य है प्रभु को पाना, अपनी आत्मा का मिलाप परमात्मा में करवाना। हम अपने जीवन की अमूल्य साँसें सांसारिक इच्छाओं की पूर्ति में ही बर्बाद कर देते हैं। अंत में हमें महसूस होता है कि उनमें से किसी भी चीज़ ने हमें वो स्थाई ख़ुषी, प्रेम, और संतुष्टि नहीं दी, जो हम वास्तव में चाहते थे।

प्राचीकाल से ही संसार में आने वाले महापुरुष, जागृत व्यक्ति, संत, दार्षनिक आदि हमें यही बताते चले आए हैं कि सच्ची ख़ुषी हमें अवष्य मिल सकती है। जिसके लिए हमें उसे केवल अपने भीतर ही खोजना होगा। अगर हम उसे बाहरी दुनिया में ढूंढेगे, तो हमें लगातार निराषा ही मिलेगी। यदि हम इस भौतिक संसार में संपूर्णता ढूंढना चाहेंगे, तो वो हमें कभी नहीं मिलेगी। ख़ुषी का केवल एक ही स्रोत स्थाई है, जो हवा, पानी, आग, या मिट्टी से नष्ट नहीं हो सकता। वो हमसे ना इस जीवन में छीना जा सकता है और ना ही मृत्यु के बाद। और वो ख़ुषियों का स्थाई स्रोत है परमात्मा। यदि हम अपने सच्चे आत्मिक स्वरूप के प्रति चेतन हो जाएंगे, तो हमें इतना अधिक प्रेम और ख़ुषी मिलेगी, जो हमें किसी भी सांसारिक इच्छा की पूर्ति से प्राप्त नहीं हो सकती। सच्ची ख़ुषी इतनी दुर्लभ नहीं है जितना कि हम सोचते हैं। हमें स्थाई ख़ुषी अवष्य मिल सकती है; हमें बस सही जगह पर उसकी तलाष करनी है।

संत राजिन्दर सिंह
सावन कृपाल रूहानी मिशन ।
www.womenexpress.in

उम्मीदवार या मतदाता की परीक्षा

परीक्षा नाम ही पर्याप्त है दिल दहलाने के लिए और आवश्यक भी है। चाहे परीक्षा पढ़ाई में उच्च कक्षा में जाने के लिए हो या नौकरी के लिए हो अथवा जनप्रतिनिधि चुनने के लिए। परीक्षा हर क्षेत्र, हर उम्म और हर समय प्रासंगिक है।

आज हम बात करते हैं भारतीय गणतन्त्र में निर्वाचन के संदर्भ में। जनतन्त्र जनतामय होता है। जनता के बीच से जनता द्वारा चुना हुआ प्रतिनिधि जननायक, जननेता, जनसेवक या ऐसे ही बहुतेरे विशेषणों से सुशोभित होता है। ग्राम पंचायत से संसद तक निर्वाचन की प्रक्रिया ही आधारभूत है। संविधान द्वारा निर्धारित मौलिक अर्हताओं को पूरा करके किसी भी एक पद के लिए दर्जनों उम्मीदवार मतदाताओं के समक्ष होते हैं। वर्षों पुराना विरोधाभासी कथन आज भी चल रहा है कि निर्वाचन द्वारा उम्मीदवारों की परीक्षा होती है। सतही तौर पर सही लगते हुए भी यह आँख मूँदकर मक्खी निगलने जैसा है।

सच तो यह है कि निर्वाचन प्रक्रिया में मतदान द्वारा पाँच साल (या जहाँ जो निर्धारित हो) की अवधि के लिए मतदाता की परीक्षा होती है। आरोपप्रत्यारोप और ख़याली पुलाओं का लज़ीज़ व्यंजन लिए हर उम्मीदवार

मतदाता को बहलाता है, फुसलाता है, बहकाता है, लुभाता है, धमकाता है या अलादीन का चिराग देने का दिवा स्वप्न दिखाता है.....। ऐसे चुनावी बाजार के विज्ञापनों के बीच उपभोक्ता सरिस मतदाता को मतदान से पूर्व भलीभाँति अध्ययन करना चाहिए। उम्मीदवारों के अतीत का लेखा जोखा, वर्तमान के क्रिया कलाप और भविष्य का निष्पक्ष पूर्वानुमान करना चाहिए। चयनित प्रतिनिधि से अपनी क्या अपेक्षाएँ हैं, यह पूर्ण विवेक के साथ निर्धारित होना चाहिए। एक मतदाता को इतनी तैयारी कर लेने के उपरान्त ही बहुमूल्य मतदान करना चाहिए। तब महसूस होगा कि मतदान करना मतदाता के लिए किसी बड़ी परीक्षा से कम नहीं है। भविष्य की दशा और दिशा मतदान द्वारा ही तय होती है जिसपर एक निर्धारित अवधि व्यतीत करना होता है।

इतिहास बारम्बार गवाह है कि जाति, सम्प्रदाय, क्षेत्र या किसी अन्य मोह में मतदाताओं ने गलत निर्णय लिया और दंड भुगतते रहे। अतीत की इन गलतियों से सीख लेकर अब चुनाव रूपी शस्त्र के प्रयोग का समय आ गया है। जनता को जागृत करें और उचित निर्णय लेने में सहयोग भी। अब किसी भी परिस्थिति में परीक्षा में फेल पास होना है ताकि भविष्य कुशल प्रतिनिधियों द्वारा संचालित हो। मतदान रूपी परीक्षा में मतदाता एक बार पास हो जाये तो उसका भविष्य पाँच वर्षों तक न केवल सुरक्षित रहता है बल्कि उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव भी पड़ती है। अतएव इस चुनावी समर में हमें पक्के इरादे के साथ स्वयं से वादा लेना चाहिए कि हम उचित उम्मीदवार को अनमोल मत देकर मतदान की परीक्षा में पास होंगे।

डॉ. अवधेश कुमार
www.womenexpress.in

कलयुगी दौर है ये !

कलयुगी दौर है ये
जहां पुरुष राम की राह पर नहीं,
तो वहां स्त्री का सीता की राह
पर चलना
अपेक्षित क्यों है?
जहां पिता दशरथ जैसे धर्मात्मा
नहीं रहे,
तो वहां पुत्र राम जैसा हो या
अपेक्षित क्यों हैं?
जहां भ्राता राम जैसे समझदार
नहीं रहे
तो वहां अनुज लक्ष्मण सा हो
यह अपेक्षित क्यों हैं?
वास्तव में समझ नहीं आता हैं,
इस समाज का समीकरण इतना
निर्लज्ज क्यों हैं?
अच्छाई और बुराई में सदैव द्वंद
होता ही हैं।

हां मगर कुछ अपवाद भी होते हैं,
यह भी सत्य हैं,
शायद इन्हीं से थोड़ी बहुत
स्थिरता बची हुई हैं
क्योंकी सब एक जैसे भी नहीं
होते हैं,
इस संसार में और इसीलिऐ इस
बार समीकरण बदलेगा
सीता का चुपचाप सभा से
चले जाना सबको खेलेगा,
विरोध जमकर हक के लिए उठेगा
बारबार समाज के लांछन और
ताने सहना स्वीकार नहीं होगा,
क्योंकि ऐसी स्थिति बार बार
ना घटित हो
सीता ने सुमिरन राम का मन
ही मन किया हैं,
इसीलिए राम की राह का अब
यही संकल्प भी बना हैं
जब जब किसी स्त्री के चरित्र
पर आँच आऐं और अन्याय हो,
तब न्याय करना ही रामराज्य
का कर्तव्य होता हैं।
मर्यादा पुरुषोत्तम से श्री कृष्ण
बनकर सिखाया हैं

द्रोपदी का सखा बनो और रखो
लाज़ नारी अस्मिता की समाज
में,भरी सभा में, तभी विश्वगुरु
बन पाओगे।
पाप सहना भी एक गुना ही हैं
गीता में समाज और संपूर्ण
विश्व को यह बता दिया हैं,
इसलिए त्रेता से पुनः द्वापर में
अवतार लिया हैं
परिस्थिती अनुसार युग के
हिसाब से इस समीकरण को भी
बदल दिया हैं।
राम रुप में,कृष्ण रुप में
कल्याण तो मानवता के लिऐ ही
किया हैं,
उद्धार तो मानव जाति का ही
किया हैं,
क्यों देखते हो भेदभाव की दृष्टि
से उन्हें?
अंततः तो हर युग में मानवता
की रक्षा हेतू ही तो
विभिन्न रुपों में अवतार लिया हैं।।

दिव्या सक्सेना
ग्वालियर (मध्यप्रदेश)।
www.womenexpress.in

प्यार का तोहफा

था जीवन में अंधेरा,
नहीं था कोई प्यार का सहारा
देकर अपने का विश्वास
जगाई थी एक उम्मीद की आस,
मन में उमंग और खुशी बढ़ गई,
जब दिया था तुमने प्यार का तोहफा।

दूर दूर तक कोई साथ था नहीं,
था कोई अपना कहने वाला नहीं,
हरदम हौंसला जब दिया तुमने,
जीवन की सारी घड़ियां संग
जोड़ दी हमने,
जब दिया था तुमने प्यार का तोहफा।

जिंदगी की धूप में,छांव दी तुमने,
हमको जीना सिखाया आपने,
छोड़ दी थी जब उम्मीद हमने,
साया बनकर राह दिखा दी थी तुमने,
फिर से जीवन की शुरुआत
की हमने,
जब दिया था तुमने प्यार का तोहफा।

राहें लगने लगी थी आसान,
बड़ी तलक से मिला था मेरा मन,
खुशियों की बौछार हो गई थी,
जीवन में बसंत बहार छा गई थी,
जब दिया था तुमने प्यार का तोहफा।

रेखा पारंगी
बिसलपुर, पाली, राजस्थान।
www.womenexpress.in

आज नहीं हैं...

जो कल थे वो आज नहीं हैं,
जो आज हैं वो कल नहीं होंगे,

यही तो है ईश्वर का विधान,
कितनी बाढ़ें आईं पता नहीं,

सबके सब चली गईं विह्वल करके,
जो गईं वो बाढ़ें आज नहीं हैं।

जीवन में कितने इंसानों से
सौमित्र होते,
कोई सौमित्र ताजिंदगी नहीं रहते,
सांत्वना तो बढ़ चढ़कर सब
देते हैं,
दुःसाध्य स्थिति में साथ कोई
कोई खड़े होते,

जो लोग दुःसाध्य स्थिति में
दिलासा देते लुप्तप्राय हैं,
यहाँ सब अपने कामों से
मतलब रखते हैं,

चाहे क्यों ना आपके प्लेट में
ही खाना खाया हों,
वो भी बात बनाकर निकले
पुनः कदापि नहीं आए,

जो गए सो गए अपनी बात बनाकर,
फिर नहीं आए आस्य दिखाने,

चुनाव के वक्त नेता लोग आयें,
बाबु भैया कहकर पाँव पकड़कर,
ले गए मतदान केंद्र तक,

जब वोट मिल गए उन्हें,
सत्ता मिल गई उन्हें,
नेता को सरकार के मुँह देखने
को मिल गए,

देखने देखने की होड़ में हमको
भी भूल बैठे,
वो नेता अभी तक हमको
देखने नहीं आए,

जो गए सो गए वहीं रह गए,
ऐसे लोग मेरे पास आज नहीं हैं।।

मो. जमील
अंधराठाढ़ी, मधुबनी
(बिहार)।
www.womenexpress.in

फ़िर क्यूँ! मैं पराई कहलाती हूँ...

माँ का आँचल पिता का प्यार,
भाई बहन को छोड़ कर आई।
कितने अरमानों को मैं लेकर,
ब्याह कर प्रियतम घर आई।।

मन हर्षित और इक नई उमंग,
जीवन में खुशी सजाने आई।
जीवन साथी संग हो नई तरंगें,
ख़्वाबों की होगी नई अँगड़ाई।।

तन व मन से समर्पित रहती,
मायके का मोह तज आई हूँ।
सास, ससुर व पति की सेवा,
फ़िर भी मैं कितनी पराई हूँ।।

पिता पति बेटे के नाम से ही,
आजीवन भर मैं जानी जाऊँ।
अंतिम सांसों तक रहूँ समर्पित,
फ़िर क्यूँ! मैं हूँ पराई कहलाऊँ।।

माँ, बहन, बेटी, बहु और बुआ,
दादी नानी न कितने मेरे रूप।
हर रूप में मैं खुशियाँ ही चाहूँ,
सावित्री दुर्गा सीता का स्वरूप।।

इंदिरा, सुचेता, कल्पना व लता,
साइना सिंधू बन उड़ान भरती हूँ।
परिवार, समाज व राष्ट्र की सेवा,
फ़िर क्यूँ! मैं पराई कहलाती हूँ।।

लाल देवेन्द्र कुमार श्रीवास्तव
बस्ती, उत्तर प्रदेश।
www.womenexpress.in

कुत्ता लगता है

मेरा प्रिय कुत्ता
पूंछ के साथ
प्यार से नाचना
बिना मुस्कान के
केवल लगता है ...
ध्वनियां ठीक नहीं हैं ...
परंतु... मेरा कुत्ता
प्यार के बारे में
ध्वनियाँ गीत हैं
हाँ... वह कुत्ता गीत है
नाद होता है
वहां भी प्यार

ओटेरी सेल्वा कुमार
www.womenexpress.in

फेस मास्क जरूरी है

आज आप हर जगह देखते हैं,
संरक्षणवादी भावना का ज्वार
बह रहा है
यह कोई संकेत नहीं है
कि आप जहां भी जाते हैं
हम आपसे पूरी तरह से मुक्त हैं
एक फेस मास्क के साथ जाएं
जो आपकी सुरक्षा करता है
और अन्य न केवल
हमारे स्वास्थ्य के लिए अच्छा है।
कि यह दूसरों के स्वास्थ्य
के लिए अच्छा है ...
बाहर जाते समय आपको
जागरूक होने की आवश्यकता है
आपको फेस मास्क पहनना होगा
उस तरह पहनकर ...
संक्रमण से
जब भी आप अपनी और
दूसरों की सुरक्षा कर सकते हैं
क्या आपको एहसास है ....
तब ही
हम संक्रमण से छुटकारा पा लेंगे
इसलिए सावधान रहेंफेस
मास्क पहने
बाहर जाओ
यदि संभव हो तो घर पर मास्क
पहनने से बचें कोरोना खतरा।

ओटेरी सेल्वा कुमार
www.womenexpress.in

दर्द का समन्दर

अनकही बातें हैं,
खुलकर तुम कह डालो।
दर्द के इस समंदर से,
कश्ती ज़रा बाहर निकालो।

डूबते को तिनके का सहारा,
नसीब होता है केवल तभी।
जब खुदमें हौसले बुलंद हों,
और जीने की नई चाह हो।
जीवन भर जिसने हँसना सीखा,
खिलना और खिलाना सीखा।
उसके होठों पर नहीं है भाती,
उम्र भर की चुभती मायूसी।

रात है अमावस तो क्या,
रौशनी चिराग़ की दूर कर देगी।
अंधकार से भरा जीवन हो,
या हो काली रात अँधेरी।
खुल जाओ तो खिल जाओगे,
बन्ध गए तो टूट जाओगे।

उठकर देखो किरण आशा की,
जो दर्शित होती प्रातः काल।
नहीं नज़रे बिछाए बैठो उसपर,
जो किरण हो डूबते सूरज की।

गीतिका पटेल
बिलासपुर (छत्तीसगढ़)।
www.womenexpress.in

जिंदगी क्या है

जिंदगी क्या है एक किताब है
पढ़ते पढ़ते बालों में हिजाब है।।
रोज बांचते है रोज नया सीखते
सूखते दरख्तों से पत्ते गिरते।।
एक ही सबक पाया हमने
किसी को रुकते नही पाया हमने।।
आज पन्ना पूरा होता ही नही
दूसरा सबक मिल जाता है कहीं।।
कभी खुशी के आँसू मिल जाते
कभी गमों के साये मिल जाते।।
स्वार्थ भरा है हर कोई यहां इंसान
कैसे हो किसी की यहां पहचान।।
जिस दिन साँसों का खेल खत्म
उस दिन किताब का हिसाब खत्म।।

अंजू जांगिड़
सोजत रोड़,
राजस्थान ।

यादों की खुशबू

जिंदगी हंसाती कभी रुलाती
ये बात जब आंखें हमें बताती
दिल कभी खो जाता
यादों की गलियों में
जगह तो वहीं
शहरों के चेहरे बदल जाते
मुखौटे पते पूछे किससे
कुछ याद रहते कुछ चले जाते।

निहारने से क्या फिजाएं
फिर से आएगी
मौसम की नजाकत क्या
मौसम पर आएगी।
फूलों से खुशबू हुई नदारत
पंछी भी प्रेम के गीत गाना भूले
आबो हवा और धड़कन
धीमी हो गई
ना जाने मोहब्बत कहां घूम हो गई।

तारों को निहारते थे कभी
आज निहारने पर
हंस रहे जुगनू
फूलों में तेरी छवि जब देखता
यादों की खुशबू
बूढ़े दिमाग पर छा जाती
तो क्या ये मोहब्बत का नशा है
शायद हाँ
जो हमेशा रहेगा स्मृति पटल पर ।

संजय वर्मा
मनावर (धार)मध्यप्रदेश।
www.womenexpress.in

प्रीत की रीत कान्हा संग

दिल को सिक्को की खनखनाहट
से कभी न तौलना
मुख से कुछ वचनो की
कडवाहट कभी कानो मे न
घुल पाये।
परसो सफल हो हम आज
व्यर्थ गवाये
साँसों के ऋण की गठरी को
माया संग उठाये।
कान्हा तेरी प्रीत की मेहंदी
भक्ति का
रंग आये। काया बनी माटी की प्रभु
कब व्योम लियो उड़ाये।
आत्म दृश की अभिलाषी
ज्योत मे ज्योत मिलाय।
करूणानिधि मेरी विनती मान लो
तेरी नन्ही लौ बिछडी चिरकाल से
अब चरणों मे लो बिठाये।
सब ह्रदय मे वास तुम्हारा
तेरे सिमरन मे मोह का फंद
कभी न आये।

आकांक्षा रूपा चचरा,
कटक, ओडिसा।
www.womenexpress.in

कोशिश कर, हल निकलेगा

कोशिश कर, हल निकलेगा।
आज नही तो, कल निकलेगा।
अर्जुन के तीर सा सध,
मरूस्थल से भी जल निकलेगा।।

मेहनत कर, पौधो को पानी दे,
बंजर जमीन से भी फल निकलेगा।
ताकत जुटा, हिम्मत को आग दे,
फौलाद का भी बल निकलेगा।

जिन्दा रख, दिल में उम्मीदों को,
गरल के समन्दर से भी
गंगाजल निकलेगा।

कोशिशें जारी रख कुछ कर
गुजरने की,
जो है आज थमा थमा सा है,
चल निकलेगा।।

सारिका जागृति
सर्वाधिकार सुरक्षित
ग्वालियर(मध्य प्रदेश)।
www.womenexpress.in

शक्ति स्वरूपा

हे शक्ति स्वरूपा नारी!
शक्ति की तुम दायक बन जाओ,
आज हर मोड़ पर रावण खड़ा है,
फिर से कोई रावण तुम्हें छल
से ना हरे,
कोई रावण आस्था से अब ना खेले,
ना किसी मासूमों को मारे,
धर्म ना जाने किसी का मर्म ना समझे
अबोध बच्चियों के अस्मिता से
खिलवाड़ ना करे,
मानवता को शर्मिंदा ना करे,
महिषासुर, शम्भ, निशुम्भ,
रक्तबीज बनकर
आज का रावण हर तरफ
जिन्दा घूम रहा है,
जग में उसने कोहराम मचाया
हुआ है,
हे शक्ति स्वरूपा नारी!
अब ना घर में दुबक कर बैठो,
धरो काली का रूप,
उठा लो हाथों में तलवार,
आज के रावण के दस सिरों
को काटकर
उसका संहार करो,
जग में अपनी फिर से जय
जयकार करो !!

आभा सिंह
लखनऊ, उत्तर प्रदेश ।
www.womenexpress.in

गरीबों के हाथ से गई रेल

अब भारतीय रेल
जनहित में हुई फेल
छुक छुक करती आई रेल
बस गरीबों के सपनों का खेल
जनरल और एसी से की डिब्बा
हुई सेल
ये है, सत्ता और रेलवे बोर्ड का मेल
27 परसेंट की आबादी की
छूट गई रेल
क्योंकि अब आ गई अमीरों
की रेल
गरीब तू अब अन्य गाड़ी ही झेल
पर उसमें भी मिलेगी महंगी तेल
पहले ही हो चुकी है
निजीकरण रेल
अब लगता हर सरकारी चीजें
होगी सेल
बदलाव की यह रेल
जनहित में हुई फेल

अभियंता प्रिंस कुमार
सोनदीपी, बेगूसराय (बिहार)।
www.womenexpress.in

मेरे ख्वाबों के फूल खिलते गए

मेरे ख्वाबों के फूल खिलते गए,
हम धीरे धीरे उनमें मिलते गए।

एक राह थी, सौ बातें थी,
बस ऐसी हमारी मुलाकातें थी।
उनका हंसना हंस कर सताना मुझे,
रुलाकर के उनका मनाना मुझे।
वो धीरे धीरे मुझसे यूं जुड़ते गए,
मेरे ख्वाबों के फूल खिलते गए।

एक रात थी , कई वादें थे,
कुछ ऐसी जुड़ी उनसे जज़्बातें थी।
उनका कहना कहकर बुलना मुझे,
बुलाकर के उनका संग बैठाना मुझे।

देखकर उनको हम संभलते गए,
मेरे ख्वाबों के फूल खिलते गए।

शिखा सिंह
लखनऊ, उत्तरप्रदेश।
www.womenexpress.in

नारी का सम्मान करे

मानव मानव की पहचान कर
नर है नारी का सम्मान कर
आओ बड़े बुजुर्ग युवा मिलकर
नारी का मान सम्मान करें
जिस के कारण घर चलता है
जिसे गृह लक्ष्मी कहते हैं
जो कुल की मर्यादा रखती
जिस के कारण कुल बढता है
जिस से घर की शोभा है
वह नारी नहीं नारायण है
पूज्य और वंदनीय है
नारी का अपमानित होना
कुल खानदान का अपमान है
आओ आज सभी मिलकर
नारी सुरक्षा का वीणा उठाएं

विनोद कुमार सीताराम दुबे
मुंबई ।
www.womenexpress.in

तेरी याद में...

आजतक मैं वहीं, बेधड़क हूं अड़ा
भूल कर के ये दुनिया, वहीं हूं पड़ा
छोड़ कर के जहाँ पर, गए थे मुझे
बीते अर्से मगर मैं, वहीं हूं खड़ा

एक तुमसे मिलन, की ही
प्यास में
तुम मिलोगे कभी , इसी
विश्वास में
एक तेरी झलक पाने की लालसा
आओगे तुम कभी, हूं इसी
आस में

दिल की बातों का कैसा हुआ
ये असर
पाया ये न समझ कि, हुई क्या कसर
तुमने एक पल में मुझको,भुला
तो दिया
भूल तुमको न पाया कभी भी मगर

डूबा मैं आंसुओं के , इक
तादाद में
दिल है डूबा तुम्हारी ही फरियाद में
छोड़कर के गए हो तो इतना सुनो
जान जाएगी मेरी , तेरी याद में

विक्रम कुमार
मनोरा, वैशाली
www.womenexpress.in

एहसान फरामोश

अहसान का बदला कुछ यूँ
चुका दिया,
था मैं बेकसूर फिर फिर भी
सजा दिया,
मैं सही हूँ या वो सही इसमे
उलझ गया,
खामखा एक रिश्ता मैंने यूँ भी
गवां दिया,
होंगे चाहने वाले आपके हजार बेशक,
मैं जिस महफ़िल में गया
उसको सजा दिया
हम अजनबियों में भी
अपनापन खोजते हैं,
हूँ मैं अजनबी आज किसी ने
फिरबता दिया
हम अच्छे हैं या बुरे सब
हंसकर टाल दिए,
तुम कितने अच्छे हो तुमने खुद
बता दिया,
हर इंसान वैसा भी नही होता अंकुल,
तुमने भी कहाँ अपनेपन का
दीप जला लिया ,
गैरों की बस्ती में सम्भल कर
चल अंकुल,
आज फिर तुझको कोई आईना
दिखा दिया,

अंकुल त्रिपाठी
(प्रयागराज)उत्तर प्रदेश ।
www.womenexpress.in

वंदे मातरम

वंदे मातरम वेद मंत्र हैं
नित इसका उच्चार करें ।
आओ भारत वासी मिलकर
भारत का जयकार करें॥
सूरज की पहली किरणे
जब वंदे मातरम गाती हैं।
मंदिर में घंटी बजती हैं
चिड़िये दाना खाती हैं॥
खुलते हैं विधा के मंदिर
पुस्तक पूजी जाती हैं।
मिलता हैं निस ज्ञान हमें
यहाँ मानव एक हीं जाति हैं॥
गुरु शिष्य की, परंपरा की
शिक्षा मिली, पुराणों से।
अडिग रहो, निशदिन पथ पर
कुछ सीखों, पेड़ पहाड़ो से॥
अनुशासित मय, हों जीवन यह
चलना सदपुरुषों, के पथ पर।
ले राष्टभक्ति का, गौरव रथ
बढ़ना निस्वार्थ विजय पथ पर॥

विमल राव
भोपाल, मध्यप्रदेश ।
www.womenexpress.in

देश की हालत

संभल चलो दुनिया में ए मुसाफिर,
समय रूपी हवाएं विपरीत चल रही है।
विचलित हो उठा है मन
देखकर इन नजारों को, कैसी यह
इंसान की बेबसी चल रही है।
ना अपनों का प्यार ना परायो
की चिंता,
लालच के चक्कर में इंसा
फंसता जा रहा है।
सम्मान आदर्श संस्कृति भूले,
फैशन की ज्वाला में जलता
जा रहा है
भारत की मिट्टी की शान को
भुला दिया तुमने,
विदेशी सभ्यता में भारत ढलता
जा रहा है।
यूं बेबस कर दिया मां बाप को
तुमने ना पहचाना उनकी मेहनत को,
इतना निर्दयी कैसे हो सकता है मानव,
क्यों सर पर बिठाया फैशन को।
चारों तरफ मचा है तांडव हवस
और हैवानौ का,
निर्धन का छिन गया निवाला
बढा शोर धनवानों का।
इज़्ज़त और गरीबी देखो सडक
पे बेबस घूम रही है,
निर्दयी और बेईमानों की सत्ता
की चाबी घूम रही है।
किसान और मजदूर की हालत
पानी बिन जेसे मीन प्यासी,
सत्ता और धनवानों घर रोयी
इनकी घोर उदासी।

जागो तुम कब जागोगे फिर
समय कभी नहीं आयेगा,
हक के लिये मचा दो तांडव
वरना कोन जगायेगा।
अभी वक़्त ह सत्ता बालो देश
को यूँ न जलाओ तुम,
बेबस और लाचारों की मजदूरी
को न खाओ तुम।

वरना फिर तांडव होगा और
शक्ति रूप दिखाएँगे,
संजय लेता कसम आज हम
भारत देश जगाएंगे।
हम मजदूरों को जगाएंगे।
हम किसानो को जगाएंगे।

संजय सिंह मीन
फकिरपुरा
करौली (राजस्थान) ।
www.womenexpress.in

पराली... पराली

पराली के धुएं ने दिल्ली एनसीआर
के वातावरण में जहर घोल दिया है।
एस एसी के आदेश पर भी
कोई असर नहीं दिख रहा है ।

मनुष्य ने स्वयं के अस्वस्थ
रहने का
इंतजाम खुद कर लिया है।
पल.पल हवा में घुला जहर
पीकरए वह जी रहा है ।
सांसो का दम घुटने लगा है।
एयर प्यूरीफायर मास्क लगाकर
इंसान जिंदा रह रहा है।
परालीए पराली तूने सबकी
जिंदगी की सांसे चुरा ली।

भारत के परिश्रमी किसान
आप तो देते हो जीने का सामान
फिर यह मौत देने वाली पराली
क्यों जलाए जा रहे हो

वैज्ञानिक पद्धति को खेती में अपनाओ
और दिल्ली एनसीआर के लोगों को
इस पराली के विष भरे धुएं से
बचाओ।
होगी स्वच्छ वायु तभी बढ़ेगी
सभी की आयु ।

उषा सिंह
नई दिल्ली ।
www.womenexpress.in

गुजरे कल

गुजरे कल को याद कर,
हे मानव! तू रोया ना कर,
वह कल अब बीत चुका है,
आने वाले कल का स्वागत कर।
गुजरे लम्हें बीत चुके हैं,
परेशान होना छोड़ दे,
मिलती है बस तकलीफें,
उन दिनों को याद कर।
ना वो कल लौटेगी,
ना वो गलतियाँ सुधरेंगी,
आने वाले कल को खुशहाल बना,
बीते कल से प्रेरित होकर।

बिभा आनंद
(बेगूसराय) बिहार ।
www.womenexpress.in

चिड़िया बोली

इक चिड़िया बोली बच्चों से,
क्यूँ करते हो इतनी शैतानी।
माँ बापू किसी की न सुनते,
करते हो तुम सब मनमानी।।

इक बात तुम मेरी मान भी लो,
स्कूल जाकर नया ज्ञान भी लो।
सब गूढ़ रहस्य तुम जान भी लो,
जीवन पथ को पहचान भी लो।।
स्कूल के महत्व को तुम लो जान,
स्कूल में होते हैं शिक्षक महान।
देते हैं हम सबको सच्चा ज्ञान,
जिससे मिलती है हमें पहचान।।

जल्दी जाकर नाम लिखाओ,
सब बच्चे रोज स्कूल जाओ।
मेहनत से सब पढ़ लिखकर,
शिक्षित समृद्ध भारत बनाओ।।

नवनीत शुक्ल (शिक्षक)
रायबरेली, उत्तर प्रदेश।
www.womenexpress.in

साहा, वार्नर और राशिद ने सनराइजर्स को दिलाई दिल्ली पर जीत

(विशेष संवाददाता)

दुबई, 28 अक्टूबर । रिधिमान साहा के 45 गेंद में 87 रन, कप्तान डेविड वार्नर के आक्रामक अर्धशतक के बाद राशिद खान की शानदार फिरकी गेंदबाजी की मदद से सनराइजर्स हैदराबाद ने इंडियन प्रीमियर लीग के अहम मैच में मंगलवार को दिल्ली कैपिटल्स को 88 रन से हरा दिया।

टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण के दिल्ली के कप्तान श्रेयस अय्यर के फैसले को गलत साबित करते हुए सनराइजर्स ने दो विकेट पर 219 रन बनाये। अपना जन्मदिन शानदार जीत के साथ मनाने वाले वार्नर ने 34 गेंद में 66 और साहा ने 45 गेंद में 87 रन बनाये। जवाब में दिल्ली का कोई भी बल्लेबाज सनराइजर्स की गेंदबाजी के आगे टिक नहीं सका। पूरी टीम 19 ओवर में 131 रन पर आउट हो गई। राशिद ने चार ओवर में सिर्फ सात रन देकर तीन विकेट लिये जबकि संदीप शर्मा को दो विकेट मिले। इस जीत के बाद सनराइजर्स 12 मैचों में 10 अंक लेकर छठे स्थान पर है और अभी

प्लेआफ की दौड़ से बाहर नहीं हुई है। वहीं दिल्ली 12 मैचों में 14 अंक के साथ तीसरे स्थान पर खिसक गई है। दिल्ली को पहले ओवर की तीसरी ही गेंद पर सबसे करारा झटका लगा जब फार्म में चल रहे शिखर धवन खाता खोले बिना संदीप की गेंद पर वार्नर को कैच दे बैठे। दूसरे ओवर में नदीम ने मार्कस स्टोइनिस (छह) को पवेलियन भेजा दिल्ली को अच्छी शुरूआत से वंचित कर दिया। इसके बाद राशिद ने सातवें ओवर में दिल्ली को दो झटके दिये। शिमरोन हेटमायेर पहली गेंद पर बोल्ड हुए जबकि पांचवीं गेंद पर अजिंक्य रहाणे (26) पगबाधा आउट हुए। कप्तान श्रेयस अय्यर भी नहीं चल सके और सात रन बनाकर विजय शंकर की गेंद पर केन विलियमसन को कैच दे बैठे। इसके बाद दिल्ली के मैच में वापसी के सारे रास्ते बंद हो गए। ऋषभ पंत 35 गेंद में 36 रन बनाकर संदीप का दूसरा शिकार बने जबकि अक्षर पटेल (एक) के रूप में राशिद ने तीसरा विकेट लिया। मैच के दौरान साहा और शंकर दोनों चोटिल होकर मैदान से चले गए जिनकी जगह श्रीवत्स गोस्वामी और प्रियम गर्ग ने क्षेत्ररक्षण किया। इससे पहले वार्नर और साहा ने दिल्ली के गेंदबाजों की जमकर धुनाई की। उन्होंने पहले छह ओवर में 77 रन निकाले जिसमें 11 चैके और दो छक्के शामिल थे।

वार्नर ने छठे ओवर में परपल कैपधारी (टूर्नामेंट में सर्वाधिक विकेट लेने वाले) कैगिसो रबाडा को चार चैके और एक छक्का लगाया। सनराइजर्स के 11 रन 8 . 4 ओवर में ही बन गए। वार्नर के क्रीज पर रहने तक साहा उनके सहयोगी की भूमिका में थे। वार्नर ने 25 गेंद में अर्धशतक पूरा करके अपना 34वां जन्मदिन मनाया। उन्होंने अपनी पारी में दो छक्के और आठ चैके लगाये।

फिल्म 'लूडो' में बिट्टू का किरदार निभा रहे हैं अभिषेक बच्चन

(विशेष संवाददाता)

मुंबई, 28 अक्टूबर । अभिनेता अभिषेक बच्चन अपनी आगामी फिल्म 'लूडो' को लेकर काफी उत्साहित हैं। अभिषेक बच्चन ने फिल्म 'लूडो' का एक नया पोस्टर शेयर किया है। यह फिल्म अनुराग बसु द्वारा निर्देशित है। फिल्म में अभिषेक बिट्टू नाम का किरदार निभा रहे हैं। फिल्म 'मनमर्जियां' के रिलीज के करीब दो साल बाद अभिषेक बच्चन फिल्म 'लूडो' के साथ वापसी कर रहे हैं।

अभिनेता ने अपनी फिल्म से एक नया पोस्टर शेयर किया जिसमें वह टपोरी और गंभीर लुक में नजर आ रहे हैं। अभिषेक बच्चन की यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर जल्द रिलीज होने वाली है। अभिनेता अभिषेक बच्चन ने बुधवार को इंस्टाग्राम पर अपनी तस्वीर शेयर कर लिखा'बिट्टू का किरदार मैं लूडो में निभा रहा हूं, वह बेहद क्लासिक है। यह बाहर से

कठोर के साथ नरम दिल वाला किरदार है। यह निभाना काफी चुनौती भरा था लेकिन उसके साथ ही काफी संतोषजनक भी। तब तक इंतजार नहीं कर सकता, जब तक आप सभी से मिल न लें। लूडो 12 नवंबर को नेटफ्लिक्स पर आ रही है।' अभिषेक बच्चन के पोस्ट पर उनके फैंस के साथ कई सेलिब्रिटी ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। अभिनेता ऋतिक रोशन ने लिखा'अच्छे लग रहे हो।' वहीं करण जौहर ने दिल वाली इमोजी शेयर की है। अभिनेत्री बिपाशा बसु ने लिखा'ट्रेलर बहुत पसंद आया, शुभकामनाएं।' सिकंदर खेर ने लिखा 'बिट्टू बिट्टू बिट्टू !!! फड्डू शूट।' बिपाशा बसु और सिकंदर खेर ने अभिषेक बच्चन के साथ फिल्म प्लेयर्स में काम किया है।

इसके अलावा फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा, निर्देशक अपूर्व लाखिया, रोहित रॉय, कोरियोग्राफर और निर्देशक फराह खान, ईशा देओल, जोया अख्तर, अभिनेता अंगद बेदी आदि ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। फिल्म 'लूडो' में अभिनेता अभिषेक बच्चन, राजकुमार राव, आदित्य रॉय कपूर, पंकज त्रिपाठी, फातिमा सना शेख और सान्या मल्होत्रा मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म 'लूडो' में मेट्रो सिटीज की 4 अलगअलग कहानियां दिखाई जाएंगी।

आस्ट्रेलिया दौरे में पहले टेस्ट से पूर्व दिन रात्रि अभ्यास मैच खेलेगा भारत

मेलबर्न, 28 अक्टूबर । भारतीय क्रिकेट टीम आस्ट्रेलिया के खिलाफ 17 दिसंबर से एडिलेड में शुरू होने वाली चार टेस्ट मैचों की श्रृंखला से पूर्व सिडनी में एक दिन रात्रि अभ्यास मैच खेलेगी। क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने बुधवार को भारतीय टीम के 69 दिन तक चलने वाले इस दौरे का पूरा कार्यक्रम जारी किया। इस दौरे में सिडनी में 14 दिन का पृथकवास भी शामिल है जो 12 नवंबर से शुरू होगा। भारतीय टीम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 10 नवंबर को होने वाले फाइनल के बाद आस्ट्रेलिया रवाना होगी।

बोर्डरगावस्कर ट्राफी के लिये खेली जाने वाली टेस्ट श्रृंखला की शुरुआत 17 दिसंबर को एडिलेड ओवल में दिन रात्रि टेस्ट मैच से होगी। इसके बाद के मैच मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (26 दिसंबर से), सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (सात जनवरी से) और ब्रिस्बेन के गाबा (15 जनवरी से) में खेले जाएंगे। इससे पहले सीमित ओवरों की श्रृंखला होगी।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के मांग के अनुरूप मेलबर्न में होने वाले बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच और सिडनी में नये साल के टेस्ट मैच के बीच एक सप्ताह का अंतर रखा गया है। क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने मीडिया को जारी विज्ञप्ति में कहा, ''भारतीय टीम 12 नवंबर को सिडनी पहुंचेगी।

टीम 27 नवंबर को इस दौरे के पहले मैच से पूर्व सिडनी में पृथकवास पर रहेगी।'' इसमें कहा गया है, ''क्रिकेट आस्ट्रेलिया टेस्ट श्रृंखला से पहले अभ्यास मैचों की तिथियों की पुष्टि करता है। भारत छह से आठ दिसंबर के बीच ड्रमोयन ओवल (न्यू साउथ वेल्स) में आस्ट्रेलिया 'ए' के खिलाफ मैच खेलेगा और फिर आस्ट्रेलिया 'ए' के खिलाफ ही सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर 11 से 13 दिसंबर तक दिन रात्रि मैच खेलेगा। '' विज्ञप्ति के अनुसार तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के पहले दो मैच 27 और 29 नवंबर को सिडनी और तीसरा मैच दो दिसंबर को मनुका ओवल कैनबरा में खेले जाएंगे। इसके बाद तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की श्रृंखला खेली जाएगी।

मैं खुद को नंबर वन नहीं मानताः हनी सिंह

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर । लोकप्रिय रैपर यो यो हनी सिंह खुद को किसी भी चीज में नंबर वन नहीं मानते हैं, क्योंकि उनका कहना है कि यह ओहदा सिर्फ उनके प्रशंसकों के लिए है। अपने हर गाने के चार्टबस्टर्स होने के बाद भी वह खुद को नंबर वन नहीं मानते हैं।

हनी सिंह ने आईएएनएस से कहा, 'मुझे लगता है कि यह मेरे प्रशंसकों का प्यार और कड़ी मेहनत का असर है कि जिन गीतों को मैं लोगों के सामने लाता हूं, उन्हें वे बेहद पसंद करते हैं। मैं हर बार कुछ अलग करने की कोशिश करता हूं। 'अंग्रेजी बीट', 'ब्राउन रंग', 'लव डोज' और 'चार

बोतल वोडका' जैसे कई हिट देने वाले रैपर का कहना है कि लोगों को अक्सर उनका संगीत शुरू में पसंद नहीं आता है, लेकिन उनके ट्रैक के श्रोताओं की संख्या धीरेधीरे बढ़ती है। उन्होंने कहा, 'लोग शुरुआत में इसे पसंद नहीं करते, लेकिन धीरे धीरे मेरा संगीत और गाने अधिक सुने जाने लगते हैं। मैं हमेशा कुछ अलग करने की कोशिश करता हूं, हालांकि लोग इसे देर से समझते हैं। अंत में लोग इसे पसंद करते हैं। मैं खुद को रैपर कहलाना पसंद नहीं करता। मैं सिर्फ एक मनोरंजनकर्ता हूं।

उन्होंने अंत में कहा, 'प्रशंसक नंबर वन हैं और दर्शक आपको नंबर वन बनाते हैं। मैं खुद को किसी भी चीज में नंबर वन नहीं मानता, संगीत में भी नहीं। मेरे प्रशंसक और उनका प्यार नंबर वन है, उनके ऊपर कोई नहीं है।

बेटी के आंसू

बेटी किससे कहें
अंतरमन की वेदना को ,
मूक बन उड़ेल देती
अमृत जैसी संवेदना को ,
कर्कशी दुनिया पी गयी
संस्कार भरी आत्मा को ,
समेट ली सारी खुश्बू
हवन में डालने को ,
बर्बाद कर दी इनके
हंसते चमन को ,
अलग कर ली अपनी
सारी जिम्मेदारी को ,
चरमरा कर तोड़ ली
अपनी साझेदारी को ,
बेटी तेरे बहते आँसुओं को
कौन पोछेगा !
गिरते अंनत आंसुओं पर
कौन है जो रोयेगा!
कब तलक हितैषी बन
आंसुओं का शैलाब बहायेगी ?
सिरफिरे हवशी दरिंदों का
शिकार बनती जायेगी ?

एम. एस. अंसारी (शिक्षक)
कोलकाता, पश्चिम बंगाल।
www.womenexpress.in

किया था जिसे जां निसारों में शामिल

किया था जिसे जां निसारों में शामिल
किया अब उसी ने कतारों में शामिल।
बताते खुदी थे कि दोस्ती बढ़ाओ
वो करने लगे अब दयारों में शामिल।
कभी चाह हमने न की थी तुम्हारी
किया क्यों हमें बेकरारों में शामिल।

भिगोते रहे रात भर हम जो दामन
हुआ पर न वो राज़दारों में शामिल।

है मालूम तरुनिल सबक
ज़िन्दगी का
सभी को तो होना सितारों में शामिल।

तरुणा पुण्डीर
www.womenexpress.in

नर तेरी शोभा नारी, नारी से सारा संसार

नर तेरी शोभा नारी नारी से
सारा संसार
नारी से चलता वंस तेरा नारी
से परिवार
नारी बिन कहाँ कल्पना
जीवन की
नारी ही नर के जीवन का आधार
नर तेरी शोभा नारी नारी से
सारा संसार
अनेक रिश्ते नाते अनेक रूप
नारी के
ब्रह्मा विष्णु महेश झूके सम्मान
में नारी के
दुर्गा काली जैसे रूप नारी
के निरंकार
नर तेरी शोभा नारी नारी से
सारा संसार
उत्पत्ति नही किसी जीव की
बिना नारी के
अधूरा है नर का हर श्रृंगार
बिना नारी के
नारी है दुनिया की सबसे
बड़ी रचनाकार
नर तेरी शोभा नारी नारी से
सारा संसार

महेश राठौर सोनू
राजपुर गढ़ी, मु 0नगर
www.womenexpress.in

कदम एकदम

क़दम एकदम मत बढ़ाना।
सोंचना, समझना
सही निर्णय पर आना।
फिर मत मुड़ना
मत घबड़ाना।
आगे आगे बढ़ते जाना।
खुद खुश होना
औरों को भी करना।
मिलजुल कर
सहयोग से चलना।
जुड़ कर उँगली मुट्ठी बनाना।
कमजोरों की ताक़त बनाना।
पोंछ कर आँसू
हँसी खिलाना।
नया सफ़ल संसार बनाना।
क़दम एकदम मत बढ़ाना।
बढ़ाकर पीछे कभी न लाना।

महेश वर्मा
www.womenexpress.in

वही मासूमियत चाहिए

वही मासूमियत चाहिए
नहीं होना मुझे समझदार ,
मुझे वही मासूमियत चाहिए,
फिर वही दोस्त चाहिए,
फिर वही चंचलता चाहिए।
माना की रास्ते पथरीले से थे,
कभी गिरे तो कभी सम्भले भी थे,
फिर भी सफर बड़ा सुहाना सा था,
बेफिक्री का ज़माना सा था,
कभी चले थे जहां से,
फिर से वही डगर चाहिए ,
नहीं होना मुझे समझदार,
मुझे वही मासूमियत चाहिए।
ना किसी के मिलने की चाहत थी,
ना किसी के बिछड़ने का गम था,
जो मिल गया वो अपना सा था,
ना मिला तो कोई रंज भी ना था,
मेरा हर एक पल बस मेरा ही था,
मुझे वही खोया हुआ अपना,
हर एक पल चाहिए ,
नहीं होना मुझे समझदार ,
मुझे वही मासूमियत चाहिए।
कुछ उसूलों के पक्के से थे,
कुछ हसरतो के कच्चे से थे,
माना की लफ्जों में अल्हड़ता सी थी,
पर दिल के हम बड़े सच्चे से थे,
मुझे वही टूटे फूटे से अपने,
अल्फाज़ वापस चाहिए,
नहीं होना मुझे समझदार,
मुझे वही मासूमियत चाहिए।

करुणा कलिका
बोकारो स्टील सिटी, झारखंड ।
www.womenexpress.in

जिंदगी से दोस्ती कर लीजिए

जब कुछ भी नहीं है अपना
तो क्यों इतनी फिक्र कीजिए
खोलिए खिड़कियां सुकून की
और जिंदगी का मजा लीजिए।

मिलती है ये अपने नसीबों से
राह पर चला तो सही कीजिए
क्यों शिकायत है इस जमाने से
जिंदगी से दोस्ती कर लीजिए।
कभी फूल तो कभी कांटे भी होंगे
पथरीली राहों में चला कीजिए
मुस्कुराने की कीमत नहीं कोई
कभी बेवजह भी मुस्कुरा लीजिए।

ये दौलत, शोहरत और इज्जत
नशा है ये इसे उतार दीजिए
हर वक्त लेता है वक्त भी करवट
थोड़ा वक्त तो रिश्तो को दीजिए।

जब लिखना हो नया कुछ
पुराना सब पौंछा कीजिए
गुजर जाती है उम्र तन्हा एक
जख्म से
जिंदगी से दोस्ती कर लीजिए।

निलेश जोशी
बाली, पाली, राजस्थान।
www.womenexpress.in

मुझे अपना बना लेना

मेरे माथे पर
चाँद की बिंदिया लगा कर
आसमान से कुछ सितारे तोड़ कर
मेरी माँग में सजा देना
मेरी एक रात को हसीन बना देना
मुझे अपना बना लेना।

सूरज से कुछ किरणें उधार लेकर
मेरी चुनरी में बुन देना
फूल ना मिलें अगर तो
अपनी बाँहों का हार बनाकर
मेरे गले में पहना देना
मुझे अपना बना लेना।
प्रेम की सेज पर
अपने नैनों की नमी बनाकर
नैनों में कैद कर लेना
प्रेम का एक दीप जलाकर
हमारा प्रेम अमर कर देना
मुझे अपना बना लेना।

मेरे माथे को चूम कर
मेरे नैनों में नैना डालकर
मुझे सातों अंबर घुमा देना
प्यार की एक लहर बनकर
मुझे अपने अंदर समा लेना
मुझे अपना बना लेना।

नमिता सिंह
अहमदाबाद, गुजरात ।
www.womenexpress.in

आज फिर उदास हूं

जिंदगी से ज्यादा दूर हूं या मौत
के अधिक पास हूं।
किसी के बाजुओं कि हिम्मत
तो किन्हीं बूढ़ी आंखो की आस हूं।
जिसके छांव में बीता बचपन
उस बूढ़े बरगद की प्यास हूं।
आज फिर उदास हूं।

वो जो जून की दोपहरी में चार
पैसे कमाने निकला है,
धूप में खुद को जलाकर रात
की कालिख मिटाने निकला है।
अमावस सी उसकी ज़िन्दगी में
मै कोई पूनम सी आस हूं,
वो रेगिस्तान का राही पर मैं
खारा समंदर जो उसके पास हूं।
आज फिर उदास हूं।

बिन शिकायत जहां के हर
सितम सह रहा हूं,
समंदर की आस में मुसलसल
नदी सा बह रहा हूं।
झुकी नज़रें, लब ख़मोश, ज़हन
में लाखों सवाल,
मौत के सफ़र पे हूं और इसे
ज़िन्दगी कह रहा हूं।
इस बेजान से चेहरे पे हंसी का
ओढ़े इक लिबास हूं,
आज फिर उदास हूं....
ज़िन्दगी से ज्यादा दूर हूं.....

आशीष सिंह राजपूत
भागलपुर (बिहार)।
www.womenexpress.in

कैसी तूने खुदा ये सृष्टि रचायी

खुदा तेरी मेहरबानियों का,
रहमतों का
कैसे कोई ज़िक्र करें?
क्या तेरी ये खूबसूरत कायनात है
कैसी तूने खुदा ये सृष्टि रचायी।।

क्या ये जहान बनाया
सीने में हर किसी के दिल दिया तो,
दिलदार क़िसी को तो,किसी को
बेदर्द पत्थरदिल बनाया।।

सुंदर दिल वाला इंसान बनाया तो
इंसान में छुपे कई शैतान बनाए।।
तेरी रहमतों का क्या ज़िक्र करूँ
क्या बेमिसाल तूने ये जहान बनाया।
किसी के हिस्से मुस्कान न
आयी तों
किसी के चेहरे छलकपट कर
मौज में अपनी खिलखिलाए।
ऐ खुदा तूने कमाल का जहाँ बनाया।

कोई मदद कर नही थकते दिनभर तों
कोई दूसरे के हक़ की रोटी
छीन खाए।।
क्या खूबसूरत ये जहाँ बनाया
क्या सुन्दर यें सृष्टि रचायी ।।

कोई परवाह करके तनहा रहता
कोई बेपरवाह शान मे इतराए।।
कैसे तारीफ़ क़रे सखि कि
ऐ खुदा तूने कैसे कैसे
इंसान के दिल बनाए।।

सुनीता अग्रवाल
राँची, झारखंड ।
www.womenexpress.in

दहेज ताडंव बंद करों होता इससे विनाश

नरपिशाचों सौदा तो जानवरों
का होता है,
रिश्तों में नहीं व्यापार बाजारों में
होता है।
घर की लक्ष्मी को मिटाने वाले
दहेज दानवों,
कितना और सताओगे बेटे के सौदागरों।
कोमल कमजोर समझकर तुमने
अत्याचार किया,
शादी के पावन रिश्तें पर तुमने
प्रतिहार किया।
हैवानियत की ज्वाला में कितना
और जलोगे,
बहू के बाबुल को कर्ज में दबा
कितना फलोगें।

देवालय तुम दुर्गा लक्ष्मी काली
को पूजते हो,
घर की लक्ष्मी को दहेज की
खातिर तड़पाते हो।
बहू से बढ़ दहेज नहीं सब यही
रह जाएगा,
उसके दर्द की आह तुम्हें नर्क
द्वार ले जाएगा।
बहू भी किसी माँ बाबुल के
जिगर का टुकड़ा है,
बहू भी भैया की बहना मंयक
का टुकड़ा है।

बेटियों को पढा लिखा शिक्षित
वीर धीर बनाओ,
बेटियों का मनोबल बढ़ाकर
तकदीर बनाओं।
संभल जाओ तुम आने वाले
कहर से डरों,
आगे बढ़ रही अब बेटियाँ
तनिक विचार करो।

हार न मानों नारी सदियों से
छली गई हो,
चुल्हे चक्की पीस जंजीरों में
जकड़ी गई हो।
दहेज ताडंव बंद करों होता
इससे विनाश,
नरसंहार बंद करों होता बेटियों
का नाश।

सुमन राठौड़
झाझड, राजस्थान ।
www.womenexpress.in

कुछ लिख दो ना

आज कुछ लिखने का दिल नहीं,
आज तुम ही कुछ लिख दो ना।
हवन कुंड बन जाए मेरे भीतर
ऐसा तुम कुछ लिख दो ना
मृदु घट बन कर जाए भीतर
ऐसा तुम कुछ लिख दो ना।

अपने भरोसे जीने वाले
तुम उन्नति के अधिकारी हो
आज कुछ लिखने का मन नही
आज तुम ही कुछ लिख दो ना।

दिनकर के छुप जाने पर
जो नया दीप प्रज्वलित होता
उस दीये की तुम्हें सपथ है,
आज तुम ही कुछ लिख दो ना।

सरिता का कोई अवरोध नही
इतराती इठलाती मिल जाती संगम में
उन लहरों की तुम्हें सपथ है
आज कुछ लिखने का दिल नही
आज तुम ही कुछ लिख दो ना।

कलम चलाने वाले कहाँ डरते
है शमशीरों से
वीणावादिनि की हो जिस पर कृपा
शब्दों से मन हर लेते हैं,
आज कुछ लिखने का दिल नहीं
आज तुम ही कुछ लिख दो ना।

वनमाली हो अशेष शब्दों का
शब्दों का फूल खिलाओ ना
नयन नयन की परिभाषा को
अधरों पर रुकी भाषा को
सारिका मधुर सुर लय से
यूँ मीठे शब्द सजाओ ना
आज कुछ लिखने का मन नही
आज तुम ही कुछ लिख दो ना।

दुआ मेरी आशीष है मेरी
नही भटकना कभी पथ से
सरिता जैसी सौगात है मेरी
आज कुछ लिखने का मन नही
आज तुम ही कुछ लिख दो ना।

रानी प्रियंका वल्लरी
बहादुरगढ, हरियाणा।
www.womenexpress.in

मैं तुम्हें भूला ही नहीं पा रही हूँ

गली के मोड़ पर ही तुम ठहर गए
मेरी खुश्बू की तलाश में
सदियों से भटकते पर मैं तुम्हें भूल
ही नहीं पा रही हूँ,
कुछ कदमों की दूरी तय कर
लो ना..!

मिलूँगी तपस्वी सी, एक धुनी
जलती है मेरे आँगन के कोने में,
मखमली सुगंधित धुँआँ बहता है,
ना रहता नहीं कोई यहाँ बस एक
आवाज़ बसती है तुम्हें पुकारती,
पता मिटा दिया है मैंने जिस
नाम को मिटे ही सदियाँ बीती पर मैं
तुम्हें भूल ही नहीं पा रही..!

मेरी रूह बसती है एक इंतज़ार लिए,
सुनती रहती है हर आहट बेचैन
सी पहचानती है तुम्हारे कदमों को,
चले आओ इस धीमी सी
बजती साँसों की सरगम सा जो
सुनाई दे रहा है उस दिशा में,
तुम्हारे बहुत करीब हूँ...!

देखो आज अद्दल वही नज़ारा
शमा बाँधे खड़ा है अमलतास के
चार फूल पीपल के पत्ते पर
खिलखिला रहे है,
ये नाग नागिन का जोड़ा देहरी
पर बैठे क्रिडा में मस्त है,
उस दिन भी तो साक्षी थे यही
सब हमारे मिलन की जुदाई के..!

तुम्हारे आगोश लेते ही मेरी
साँसों ने साथ छोड़ा था तन का,
अस्थियाँ बहा दी तुमने गंगा धार में
पीछे मूड़कर देखा भी होता एक
आस पड़ी थी प्यासी अकुलाती !

बस वही तो हूँ में जिसकी तुम्हें
तलाश है सदियों से देखो कुछ
कदमों की दूरी लाँघकर फासले तय
कर लो कहीं इसबार भी ना खो दूँ
तुम्हें मान लो मेरी गुहार क्यूँकि मैं
तुम्हें भूल ही नहीं पा रही हूँ॥

भावना ठाकर
भावु, बेंगुलूरु ।
www.womenexpress.in

एक नजर

बैंक में गार्ड के बंदूक से चली गोली ग्राहक को लगी

नई दिल्ली । शाहदरा के विवेक विहार स्थित कॉर्पोरेशन बैंक में सोमवार को अचानक गार्ड के बंदूक से गोली चल गई। गोली बैंक में मौजूद ग्राहक 22 वर्षीय शुभम मरवाह को लगी। घायल को तुरंत पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां गंभीर हालत को देखते हुए डॉ. हेडगवार अस्पताल में रेफर कर दिया गया। शुभम की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने केस दर्ज कर गार्ड 50 वर्षीय सौम्य को गिरफ्तार कर लिया है।

घायल शुभम परिवार के साथ विवेक विहार के सीब्लॉक में रहते हैं। परिवार में पिता अरविंद मारवाह समेत अन्य सदस्य हैं। सोमवार दोपहर को वह विवेक विहार के बालाजी मंदिर के पास स्थित कॉर्पोरेशन बैंक में किसी काम से गए थे। इस दौरान बैंक में गार्ड सौम्य भी बंदूक लेकर मौजूद था। दोपहर 1:24 बजे अचानक गार्ड सौम्य की बंदूक से गोली चल गई।

यूपी में स्ट्रीट वेंडर्स, रिक्शाचालक समेत दुकानदारों की होगी कोरोना जांच

यूपी में 15 दिन तक लगातार होगी ग्रुप टेस्टिंग, बंदीगृह, बालगृहों में नियमित तौर पर कोरोना की जांच

(विशेष संवाददाता)

लखनऊ/दिल्ली, 28 अक्टूबर। त्यौहारों और सर्दी के मौसम को ध्यान रखते हुए यूपी सरकार ने कोरोना की रोकथाम के लिए नए दिशा निर्देशों को जारी किया है।

अपर मुख्य सचिव अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि ठंड में कोरोना के केसों की संख्या में इजाफा होने की आशंका है। बदलते मौसम में कोरोना की रोकथाम के लिए प्रदेश में यूपी सरकार ने ग्रुप टेस्टिंग करने के निर्देश जारी किए हैं।

नवंबर और दिसंबर माह को ध्यान रखते हुए यूपी सरकार द्वारा कोरोना की रोकथाम के लिए प्रदेश में निर्धारित लक्ष्य के तहत आरटीपीसीआर और परिक्षण कराए जाने के निर्देश दिए हैं।

संक्रमण की चपेट में आने वाले संभावित लोग जैसे ऑटो चालक, वेंडर, स्वास्थ्यकर्मी, कोविड हेलपडेस्क पर पहचान किए गए लक्ष्णयुक्त लोगों की जांच की जाए। एंटीजन रिपोर्ट नकारात्मक पाए जाने वाले लोगों की आरटीपीसीआर जांच प्रमुखता से कराए जाने के निर्देश दिए गए हैं। कान्ट्रैक्ट ट्रेंसिंग को गति देते हुए प्रत्येक पॉजिटिव केस के औसतन 25 संपर्क में आने वाले लोगों का पता लगाकर उनकी जांच करने के निर्देश जारी किए गए हैं।

सरकारी व गैर सरकारी अस्पतालों में इन्फ्लूएंजा लाइक इलनेस (आईएलआई) और सीवियर एक्यूट रिस्पेरेटरी इलनेस (एसएआरई) के मामलों और गंभीर मरीजों की कोविड जांच सुनिश्चित किए जाने के निर्देश जारी किए गए हैं। यूपी सरकार ने प्रदेश भर के सभी बंदीगृह, बालगृहों, नारी निकेतन और वृद्धाआश्रम में नियमित तौर पर जांच कराए जाने के आदेश जारी किए हैं। इसके साथ ही प्रशासन, पुलिस व

सिविल सोसायटी को निर्देशित किया गया है कि वो कोविड की रोकथाम हेतू जारी गाइडलाइन जैसे मास्क, हाथ धोने व सामाजिक दूरी का पालन करवाएं और लोगों को ज्यादा से ज्यादा जागरूक करें। उन्होंने कहा कि प्रदेश के हर एक घर तक कोरोना से बचाव और सर्दी में अधिक सावधानी बरतने के संदेश को प्रचारित किया जाए। कोविड टीकाकरण के लिए सरकारी और गैर सरकारी स्वास्थ्य कर्मियों की सूची को तैयार किया जाए। स्वास्थ्य कर्मियों को दुबारा प्रशिक्षित किया जाए जिससे वो नई जानकारी प्राप्त कर सकें।

यूपी के सभी जिलों में 15 दिसंबर तक कोल्ड चेन बनाने के निर्देश जारी किए गए हैं। अपर मुख्य सचिव अमित मोहन प्रसाद ने कहा कि यूपी के सभी अस्पतालों में कोविड के बेड पर्याप्त संख्या में हैं। पर्याप्त संख्या में जांच कराई जाए। अधिक जांच होने से मामलों की संख्या में इजाफा होगा लेकिन जाड़े के मौसम में यही प्रयास संभावित मामलों में उछाल को रोकने में कारगर साबित होगा। उन्होंने कहा कि हमारी स्वास्थ्य व्यवस्था पर दबाव नहीं पड़ेगा क्योंकि प्रदेश में पर्याप्त मात्रा में सुविधाएं हैं। ये प्रयास मृत्युदर को नीचे लाने में भी मदद करेगा।

होम आइसोलशन के सभी रोगियों की निगरानी की जाए। रोगियों के संपर्क में आने वाले सभी लोगों को आइवरमेक्टिन मुहैय्या कराने और रागियों के घरों में पहले, चौथ और सातवें दिन होम विजिट करने के निर्देश दिए गए हैं। यूपी में कोविड से होने वाली मौतों की गहराई से जांच की जाए जिससे सीख लेकर भविष्य में होने वाली मृत्यु पर लगाम लगाई जा सके।

उन्होंने कहा कि इस बात को सुनिश्चित किया जाए कि होम आइसोलशन के दौरान रोगियों की मृत्यु न हो और लक्ष्ण आते ही रोगियों को अस्पताल में तुरंत भर्ती कराया जाए। त्यौहारों व जाड़े को देखते हुए प्रदेश में 29 अक्टूबर से 12 नवंबर तक ग्रुप टेस्टिंग की जाएगी।

जिसके तहत अलगअलग वर्गों के लोगों की टेस्टिंग अलगअलग दिनों में की जाएगी। जिसके तहत फ्रंट लाइन वर्कस, दुकानदारों, वेंडर्स समेत पटाखा बाजार और ब्यूटी पार्लर में कार्यरत लोगों की जांच कराई जाएगी।

इनकी होगी ग्रुप टेस्टिंग

ग्रुप टेस्टिंग में 29 अक्टूबर को टैंपो, थ्री व्हीलर और रिक्शा चालकों की जांच की जाएगी वहीं 30 को मेहंदी आर्टिस्ट व ब्यूटी पार्लर, 31 को मिठाई की दुकान, एक नवंबर को रेस ग्रां, 2 नवंबर को धार्मिक स्थानों, 3 नवंबर को मॉल स में कार्यरत सुरक्षागार्ड, 4 नवंबर को इलेक्ट्रानिक दुकानों व शोरूम, 5 नवंबर को स्ट्रीट वेंडर्स (मूर्ति, गिफ्ट, दिया वेंडर्स), 6 नवंबर को पटाखा मार्केट व फल-सब्जी वेंडर्स, 7 नवंबर को धार्मिक स्थानों, 8 नवंबर को मिठाई की दुकानों, 9 नवंबर को स्ट्रीट वेंडर्स (मूर्ति, गिफ्ट, दिया वेंडर्स), 10 नवंबर को पटाखा मार्केट व फल सब्जी वेंडर्स, 11 नवंबर को मॉल स में कार्यरत सुरक्षागार्ड और 12 नवंबर को इलेक्ट्रानिक दुकानों व शोरूम पर ग्रुप टेस्टिंग की जाएगी।

कांग्रेस ने मुख्यमंत्री रावत का इस्तीफा मांगा

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

देहरादून (उत्तराखंड), 28 अक्टूबर । उत्तराखंड के मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत के खिलाफ लगाये गये भ्रष्टाचार के आरोपों की सीबीआई जांच के उच्च न्यायालय के आदेश के एक दिन बाद मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने बुधवार को नैतिक आधार पर उनका इस्तीफा मांगा। उल्लेखनीय है कि रावत के खिलाफ एक पत्रकार द्वारा लगाये गये भ्रष्टाचार के आरोपों की उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने मंगलवार को सीबीआई जांच का आदेश दिया था। कांग्रेस महासचिव एवं पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत तथा उत्तराखंड में पार्टी मामलों के नवनियुक्त प्रभारी देवेंद्र यादव के साथ यहां एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रीतम सिंह ने कहा, '' एक ऐसा मुख्यमंत्री, जो भ्रष्टाचार के खिलाफ अपनी सरकार की 'जीरो टॉलरेंस' (कतई बर्दाश्त नहीं करने) की नीति का बखान करने से नहीं थकता, उसे (अदालत का) ऐसा

आदेश आने के बाद अब एक मिनट भी पद पर बने रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है।'' सिंह ने कहा कि पार्टी ने राज्यपाल बेबी रानी मौर्य से मिलने का समय मांगा है जिससे वह उनके सामने इस मुददे को रख सके और इस मामले में उनसे दखल देने का अनुरोध कर सके। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने उच्च न्यायालय के आदेश को 'गंभीर' बताया और मुख्यमंत्री से मामले की निष्पक्ष जांच के लिए पद छोडने को कहा।

उन्होंने कहा, 'उच्च न्यायालय के आदेश के बाद मुख्यमंत्री को तत्काल पद छोड देना चाहिए, ताकि उनके खिलाफ लगे आरोपों की निष्पक्ष जांच का रास्ता साफ हो सके।' रावत ने कहा कि मामले को राज्यपाल के सामने उठाने के अलावा पार्टी अपने लोकतांत्रिक अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए ''न्याय के लिए संघर्ष'' जारी रखेगी । नया दायित्व संभालने के बाद पहली बार राज्य में आए कांग्रेस प्रभारी यादव ने कहा कि उच्च न्यायालय के सीबीआई जांच के आदेश से यह स्पष्ट हो गया है कि भाजपा की कथनी और करणी में फर्क है।

तेज हो विकास संबंधी काम, विस्तारित एयरपोर्ट के लिए करें जमीन का इंतजामः मुख्यमंत्री

गोरखपुर सर्किट हाउस के एनेक्सी भवन में सीएम योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों संग की समीक्षा बैठक

(विशेष संवाददाता)

गोरखपुर/दिल्ली, 28 अक्टूबर। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सर्किट हाउस के एनेक्सी भवन सभागार में विकास कार्यों की समीक्षा बैठक करते हुए निर्देश दिया कि जो भी निर्माण कार्य/विकास कार्य हो रहे है उनको समयबद्धता एवं गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया जाये। मुख्यमंत्री जी ने अधिकारियों को एयरपोर्ट के लिए जमीन तलाशने का भी निर्देश दिया ताकि विकास कार्यों को मुकम्मल एयर कनेक्टिविटी का लाभ मिल सके। बता दें कि अभी गोरखपुर का सिविल एयरपोर्ट वायुसेना की जमीन में है। सरकार की योजना इसे अन्यत्र कर विस्तारित करने की है।

बैठक के दौरान सीएम योगी ने जंगल कौड़िया से मोहद्दीपुर फोरलेन, सोनौली नौतनवां, गोरखपुरदेवरिया फोरलेन गोरखपुरवाराणसी फोरलेन मार्ग की निर्माण की समीक्षा करते हुए कार्य में गति लाने का निर्देश दिया। उन्होंने गोरखपुर देवरिया मार्ग को 15 दिसम्बर 2020 तक पूर्ण करने का निर्देश दिया मुख्यमंत्री ने जल निगम

के द्वारा कराये जा रहे सिवरेज कार्य की प्रगति के बारे में जानकारी लेते हुए निर्देश दिये कि श्रमिको की संख्या बढ़ाकर कार्य समय से पूर्ण कराया जाये। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण में जमीन अधिग्रहण का जो भी मुआवजा अवशेष है उसे शीघ्रता से वितरित करायें। उन्होंने विद्युत विभाग के द्वारा जर्जर तारों को बदलने के लिए 11 करोड़ की लागत से होने वाले कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए कार्य को शीघ्र आरम्भ करने का निर्देश दिये। उन्होंने मुख्य अभियंता विद्युत को निर्देशित किया कि जनपद में बनने वाले विद्युत सब स्टेशनों के लिए जमीन की उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए कार्य को शीघ्र आरम्भ कराया जाये तथा प्राणी उद्यान के निर्माण की प्रगति की समीक्षा करते हुए विद्युत के कार्यों को 30 नवम्बर 2020 तक पूर्ण कराने का निर्देश दिये। मुख्यमंत्री ने जनपद में जलजमाव की स्थिति एवं वसुंधरा मोड़ से तुर्रा नाले के निर्माण की स्थिति समीक्षा के दौरान निर्देश दिये कि कार्य को समय से पूरा किय जाये तो रिवाइज स्टीमेट की स्थिति नही होगी। उन्होंने रामगढ़ताल से तरकुलानी रेग्युलेटर तक के नाले तथा गोड़धोइया नाले की सफाई कराने का निर्देश दिया। उन्होंने प्रेक्षागृह के निर्माण की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि प्रेक्षागृह के कार्य पूर्ण होने के उपरान्त वहां पर लगातार सांस्कृतिक गतिविधियां संचालित रहे इसके लिए अभी से कार्ययोजना बना लिया जाये। उन्होंने रामगढ़ताल में वाटर स्पोर्टस काम्पलेक्स के निर्माण के प्रगति की समीक्षा करते हुए दिसम्बर तक कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री ने रामगढ़ताल में बोल्डर पीचिंग की जानकारी लेते हुए निर्देश दिया कि रामगढ़ताल में नियमित सफाई की व्यवस्था बनाई जाये। उन्होंने राप्ती नदी पर राजघाट एवं रामघाट पर हो रहे सौन्दर्यीकरण कार्यों को दिसम्बर तक पूर्ण करने का निर्देश दिया। उन्होंने तरकुलानी रेग्युलेटर के निर्माण की समीक्षा करते हुए 15 जून 2021 तक कार्य को पूर्ण करने का निर्देश दिये। उन्होंने पर्यटन विभाग द्वारा कराये जा रहे शहीद स्मारकों एवं विभिन्न जगहों पर सौन्दर्यीकरण के कार्यों की समीक्षा की और कार्य को समय से पूर्ण करने का निर्देश दिये। मुख्यमंत्री ने धान खरीद की समीक्षा करते हुए निर्देश दिये कि किसानों को उनके उपज का सही मूल्य मिले, किसी भी दशा में न्यूनतम समर्थन मूल्य से कम में खरीद न हो और क्रय केन्द्र पूरी तरह से संचालित रहे और सभी क्रय केन्द्रों पर कर्मचारियों की उपस्थिति भी सुनिश्चित हो। उन्होंने कोरोना के संक्रमण से बचाव के लिए किये जा रहे ।

ट्रक में सब्जी के बीच हथियार रखकर बेच रहे थे

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने मध्य प्रदेश से हथियार लाकर एनसीआर के गैंगस्टर व उनके शार्प शूटर को बेचने वाले दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। इन आरोपियों में हरियाणा के पलवल निवासी मोहम्मद आदिल और मोहम्मद जुबैर शामिल हैं। इनके पास से 20 ऑटोमैटिक पिस्टल बरामद हुई हैं। तस्कर ट्रक में सब्जी के बीच में हथियार छुपाकर रखे हुए थे। तस्कर मध्य प्रदेश के धार और बुरहानपुर से हथियारों की तस्करी दिल्लीएनसीआर, यूपी, राजस्थान और हरियाणा में करते थे। तस्कर अब तक 400 से ज्यादा पिस्टल की आपूर्ति बदमाशों को कर चुके हैं। प्रमोद सिंह कुशवाहा के मुताबिक, पुलिस को जानकारी मिली कि मध्य प्रदेश से हथियार की तस्करी करने वाला गिरोह दिल्ली आने वाला है। सूचना के आधार पर ओखला सब्जी मंडी इलाके में पुलिस ने मोहम्मद आदिल और मोहम्मद जुबैर को धर दबोचा।

रजनी शर्मा ने जयपुर यूथ होस्टल का कार्यभार संभाला

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

जयपुर 28अक्टूबर। भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवम् खेल मंत्रालय की स्कीम के तहत जयपुर स्थित यूथ होस्टल के प्रबंधक पद पर तीन वर्ष के लिए रजनी शर्मा की नियुक्ति की गई है। नेहरू युवा केंद्र जयपुर के जिला युवा समन्वयक महेश शर्मा के पास यूथ होस्टल का अतिरिक्त कार्यभार एक वर्ष से था। महेश शर्मा से यूथ होस्टल का कार्यभार रजनी शर्मा ने आज ले लिया है। नेहरू युवा केंद्र संगठन के राज्य निदेशक डॉ भुवनेश जैन,जिला युवा समन्वयक महेश शर्मा और माउंट एवरेस्ट के विजेता गौरव शर्मा ने रजनी शर्मा को बधाई देते हुए अंतराष्ट्रीय स्तर का यूथ हॉस्टल बनाने और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर लोकप्रिय बनाने के लिए शुभकामनाएं दी।

श्री गुरु तेग बहादुर का 400वां प्रकाश पर्व बड़े स्तर पर मनाने की तैयारी

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 28 अक्तूबर । दिल्ली सिख गुरूद्वारा प्रबंधक कमेटी ने गुरु तेग बहादुर साहिब जी का 400वाँ प्रकाश पर्व बड़े स्तर पर मनाने के लिए 101 सदस्यों की कमेटी गठित करने का फैसला किया है।

इस बात की जानकारी देते हुए दिल्ली सिख गुरूद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष मनजिंदर सिंह सिरसा ने बताया कि इस कमेटी में दिल्ली सिख की प्रमुख सभाओं, अलग अलग सम्प्रदायों, सिख बुद्धिजीवियों व सिख प्रचारकों को शामिल किया जाएगा। यह कमेटी हिंद की चादर गुर तेग बहादुर साहिब जी के 400 वें प्रकाश पर्व के कार्यक्रमों की रूप रेखा तैयार करेगी। उन्होंने कहा कि ईन कार्यक्रमों को प्रभावशाली ढंग से संगत के सहयोग से सफल बनाया जाएगा। स. सिरसा ने बताया कि 400वें प्रकाश पर्व के कार्यक्रम की

शुरुआत गुरुद्वारा सीसगंज साहिब से होगी जहां 6 नवंबर को अखंड पाठ साहिब आरंभ होंगे जिनके भोग 8 नवंबर को डाले जायेंगे। इस दिन ही शताब्दी कार्यक्रमों की शुरुआत के लिए अरदास होगी और फिर योजनाबद्ध तरीके से सभी कार्यक्रम सफल बनायें जायेंगे। उन्होंने बताया कि शताब्दी कमेटी के चेयरमैन जथेदार अवतार सिंह हित्त होंगे। दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी के अध्यक्ष ने बताया कि जिस तरह से दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी ने गुरु नानक देव जी का 550वां प्रकाश पर्व बड़े स्तर पर मनाया था उसी तरह गुरु तेग बहादुर साहिब जी का 400वां प्रकाश पर्व भी बड़े स्तर पर मनाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि गुरु साहिब की गुरबाणी व संदेश घरघर तक पहुंचाने का हर प्रयास किया जाएगा और इसके लिए सिंह सभाओं व अलगअलग संप्रदायों के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सिख संगत का सहयोग लिया जाएगा।

जमीनी स्तर पर काम कर रही है भाजपा : निशंक त्रिपाठी

बहराइच । पयागपुर पयागपुर क्षेत्र के कर्ताराम पुरवा के निकट सुल्ताना माइनर के सिल्ट सफाई स्क्रेपिंग कार्य का शुभारंभ क्षेत्रीय विधायक सुभाष त्रिपाठी के सुपुत्र विधानसभा संयोजक निशंक त्रिपाठी ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा भाजपा सरकार क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा इससे किसानों को फसल की सिंचाई में लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा पहले की सरकारें इन सब कार्यों को फाइलों में ही निपटा देती थीं लेकिन जबसे भाजपा की सरकार बनी तबसे जमीनी स्तर पर कार्य हो रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ साथ प्रदेश के जलशक्ति मंत्री डॉ महेंद्र सिंह का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में जिला कार्यसमिति सदस्य प्रदीप त्रिपाठी छोटू, भाजयुमो मण्डल अध्यक्ष पंकज तिवारी विवेक मणि द्विवेदी विजय शंकर द्विवेदी प्रमोद पाण्डेय सूर्य प्रकाश तिवारी हिमांशु सिंह प्रभारी सहायक अभियंता उदय प्रताप सिंह सहायक अभियंता गोविंद एवं देवेंद्र प्रताप सिंह जेई मुसाफिर सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

त्योहारी सीजन में युवाओं को लुभा रही है भदोही की कालीनें

(सुरेश गांधी/वूमेन एक्सप्रेस)

वाराणसी। दीवाली, छठ व देव दीपावली जैसे बड़े त्योहारों के साथ शादीब्याह के सीजन को देखते हुए बाजार सजधजकर तैयार है। बाजार में ग्राहकों को लुभाने के लिए कंपनियों ने एक से बढ़कर एक लुभावने ऑफर के साथ तरहतरह के आकर्षक उत्पादों की खेप बाजार में उतारा है।

ऐसे में फर्श की शोभा बढ़ाने वाली भदोही की आकर्षक रंगबिरंगी डिजाइन वाली कालीनों के कारोबारी भला पीछे कैसे रह सकते है। काका ओवरसीज लिमिटेड के कर्ताधर्ता निर्यातक योगेन्द्र उर्फ काका राय सहित कई कालीन कंपनियों के निर्यातकों ने बाजार में सस्ती व बेहतरीन आकर्षक डिजाइन वाली कालीनों की बेराइटी बाजार में उतारी है। काका राय का कहना है कि बुनकरों की हाड़तोड़ मेहनत से बनी कालीनों की डिमांड विदेशों में तो है ही, लेकिन अब भारत के सुविधा संपंन घरों के युवाओं की भी पहली पंसद बन गयी है। इसी को ध्यान में रखते में उन्होंने वलेूनसिल्क मिश्रित आकर्षक डिजाइन वाली कालीने तैयार कराई है, जिसे नयी पीढ़ी के युवा खूब पसंद कर रहे है। उन्हें उम्मीद ही नहीं विश्वास भी है कि त्योहारी सीजन खासकर दीपावली, छठ, देव दीपावली के बाद शुरु हो रहे शादीब्याह के मौकों पर हाथ से बनी कालीनों की अच्छी डिमांड हो सकती है। काका राय का कहना है कि अगर सरकार दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, चेन्नई सहित देश के बड़े शहरों में भदोही के बुनकरों की हाड़तोड़ मेहनत से बनी कालीनों की प्रचारप्रसार कराएं तो अंतर्राष्ट्रीय बाजार के साथसाथ भारतीय बाजार में भी कालीनों की बिक्रकी हो सकती है।

इससे कोरोनाकाल में हुए घाटे की भरपाई तो होगी ही आने वाले दिनों में अन्य उत्पादों की तरह कालीन का भी भारत बड़ा बाजार बन सकता है। इसके लिए निर्यातकों को चाहिए कि वे भारत के संपंन एवं मझोले तबके के बजट को देखते हुए कालीन तैयार कराएं। सस्ती व आकर्षक डिजाइन वाली कालीनें भारतीयों में भी अपनी जगह बना सकती है। वैसे भी कालीनें घर के फर्शो की शान होती है। भारतीय हस्तनिर्मित कालीन अपनी उत्कृष्ट बुनाई व सुंदरता के कारण आज भी अपना स्थान बनाए रखने में सफल है। क्वालिटी, खूबसूरती तथा टिकाऊपन के मामले में हैंडमेड कार्पेट का कोई सानी नहीं है।

यूपी में 31 अक्टूबर को बडे स्तर पर मनाई जाएगी महर्षि वाल्मीकि जयन्ती

(विशेष संवाददाता)

लखनऊ/दिल्ली, 28 अक्टूबर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आगामी 31 अक्टूबर, को महर्षि वाल्मीकि जयन्ती के आयोजन को भव्य तरीके से सम्पन्न कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि आदि कवि महर्षि वाल्मीकि ने महाकाव्य रामायण की रचना कर लोगों को सत्य एवं कर्तव्यपरायणता पर चलने का मार्ग दिखाया। महर्षि वाल्मीकि द्वारा रचित रामायण सामाजिक मूल्यों, मानव मूल्यों एवं राष्ट्र मूल्यों की स्थापना का आदर्श है। उत्तर प्रदेश का यह सौभाग्य है कि भगवान श्रीराम की नगरी अयोध्या सहित रामायणकालीन अनेक स्थल राज्य में स्थित हैं। उन्होंने वाल्मीकि जयन्ती पर आयोजित किये जाने वाले समस्त कार्यक्रमों में कोविड19 के प्रोटोकॉल तथा सोशल डिस्टेंसिंग का पूर्ण पालन कराने के निर्देश भी दिये हैं।

इस सम्बन्ध में मुख्य सचिव राजेन्द्र कुमार तिवारी द्वारा समस्त मण्डलायुक्त एवं समस्त जिलाधिकारियों (जनपद देवरिया, जौनपुर, उन्नाव, कानपुर नगर, अमरोहा, फिरोजाबाद, बुलन्दशहर को छोड़कर) को पत्र लिखकर आगामी 31 अक्टूबर, 2020 को महर्षि

वाल्मीकि जयन्ती के आयोजन को भव्य तरीके से सम्पन्न कराने के निर्देश दिए गए हैं।

पत्र में मुख्य सचिव ने उल्लिखित किया है कि महर्षि वाल्मीकि द्वारा वर्णित स्थल, जिन्हें रामजानकी मार्ग, राम वनगमन मार्ग आदि के रूप में जाना जाता है, सम्पूर्ण भारत वर्ष में लगभग 280 स्थलों के रूप में आज भी विद्यमान है। उत्तर प्रदेश में राम जानकी मार्ग तथा राम वनगमन मार्ग के अन्तर्गत अनेक स्थल विद्यमान हैं, जहाँ भारतीय संस्कृति के मूल तत्व एवं मान्यताएं सुरक्षित हैं। पत्र में यह भी उल्लेख है कि इस वर्ष आगामी 31 अक्टूबर, 2020 को महर्षि वाल्मीकि की जयन्ती का पावन दिवस है, जिसे प्रदेश के समस्त जनपदों में भव्य रूप में मनाए जाने का निर्णय लिया गया है। वाल्मीकि रामायण में निहित मानव मूल्यों, सामाजिक मूल्यों व राष्ट्र मूल्यों के व्यापक प्रचारप्रसार व जनमानस को इससे जोड़ने के लिए महर्षि वाल्मीकि से सम्बन्धित स्थलों/मंदिरों आदि पर दीप प्रज्ज्वलन/दीप दान के साथसाथ अनवरत 06, 12 अथवा 24 घण्टे का वाल्मीकि रामायण का पाठ किए जाने का कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। श्रीराम व श्री हनुमान तथा रामायण से सम्बन्धित अन्य महत्वपूर्ण स्थलों/मंदिरों का चयन करते हुए, वहां सुरुचिपूर्ण आयोजन के साथ रामायण पाठ/भजन आदि के कार्यक्रम कराए जाएंगे।

मुख्य सचिव ने निर्देश दिए हैं कि इन कार्यक्रमों के आयोजन हेतु स्थानीय स्तर पर विभिन्न सांस्कृतिक दलों/कलाकारों का चयन संस्कृति विभाग एवं सूचना विभाग द्वारा किया जाए, जिसका समन्वय जिला प्रशासन द्वारा किया जाए। जनपद स्तर पर चयनित मंदिरों/स्थलों पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के सम्बन्ध में जिलाधिकारी कार्यक्रम के आयोजन के अनुश्रवण के साथसाथ कोविड19 हेतु शासन द्वारा जारी दिशानिर्देशों व गाइडलाइन का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करें।

नैनी (प्रयागराज) कार्यालय
नैनी स्टेशन के सामने
प्रभारीः
सुजीत चौरसिया
Mo- 9451251066

वूमेन एक्सप्रेस
स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक **सुनील पाण्डेय** ने आदित्य ग्राफिक्स **INC**, प्रताप भवन, 5 बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली–1 से मुद्रित व **ई–4/168,** गली नंबर–6, सागर मार्केट, साढे 4 पुस्ता, सोनिया विहार दिल्ली–94 से प्रकाशित किया।
RNI.DELHIN / 2013/ 48606
मो.– 07042999974
टेली– 09013 518 518
www.womenexpress.in
thewomenexpress@gmail.com

वूमेन एक्सप्रेस

NHAI प्रोजेक्ट्स में देरी पर भड़के नितिन गडकरी कहा- नाकाबिल अफसरों को बर्खास्त करना जरूरी

किसानों से संपर्क करें और उनको गुमराह होने से बचाएं बीजेपी नेता

भाजपा अध्यक्ष जेपी नडडा ने पंजाब में बीजेपी नेताओं का किया आह्वान

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर । भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बुधवार को आरोप लगाया कि पंजाब में स्वार्थ सिद्धि के लिए राजनीतिक दल किसानों को गुमराह कर रहे हैं।

उन्होंने दावा किया कि हाल ही में लाए गए कृषि सुधार कानून किसानों के हित में दूरगामी असर दिखाने वाले साबित होंगे। पंजाब भाजपा के पूर्व अध्यक्ष कमल शर्मा की याद में आयोजित एक व्याख्यानमाला को संबोधित करते हुए नड्डा ने पंजाब राज्य में नम्बर एक पार्टी बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हमें पंजाब में नंबर एक पार्टी बनने का संकल्प लेकर आगे चलना पड़ेगा। पंजाब में बहुत प्रतिभा है, बहुत ताकत है। हमको सिर्फ अपनी ताकत को पहचानने की जरूरत है। साथ ही पंजाब में शहर के दायरे से निकलकर गांवगांव तक जाने की जरूरत है। लोग हमारा इंतजार करते हैं, लोग (नरेंद्र) मोदी जी को चाहते हैं और लोग चाहते हैं कि भाजपा की विचारधारा तीव्र गति से पंजाब में बढ़े। हमें उसका वाहक बनना पड़ेगा।

नडडा ने भाजपा नेताओं का आह्वान किया कि वे किसानों से संपर्क करें और उनको गुमराह होने से बचाएं। नड्डा ने कहा, भाजपा को किसानों के सवालों का जवाब देना होगा। आप उनसे चर्चाएं करिए। हम चर्चा को हमेशा तैयार रहते हैं। सच्ची बात लोगों को बतानी पड़ेगी। किसानों को बतानी पड़ेगी।

पंजाब में कृषि सुधार कानूनों

के खिलाफ हो रहे प्रदर्शनों को नड्डा ने राजनीतिक बताया और आरोप लगाया कि वहां के राजनीतिक दल किसानों को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। भाजपा के राष्ट्रीय मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि यह राजनीतिक कारणों से कर रहे हैं। इसलिए नहीं कर रहे कि किसान का भला करना है, इसलिए नहीं कि पंजाब का किसान जिसने हरित क्रांति में बहुत बड़ा योगदान किया है उसे सही रास्ता दिखाना है। उन्हें गुमराह करते हुए अपना राजनीतिक स्वार्थ सिद्ध करना है, इसके लिए वह काम कर रहे हैं।

बता दें कि कांग्रेस के अलावा पूर्व में भाजपा की सहयोगी रही शिरोमणि अकाली दल (शिअद) भी कृषि सुधार कानूनों की जोरदार मुखालफत कर रही है। शिअद नेता हरसिमरत कौर बादल ने तो इन कानूनों के विरोध में केंद्रीय मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया था। बाद में शिअद राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन से अलग भी हो गया। नड्डा ने कहा कि इस परिस्थिति में भाजपा की जिम्मेवारी विशेष हो जाती है कि किसानों को गुमराह होने से बचाया जाए। उन्होंने कहा कि बहुत लोगों ने किसान नेता होने का दावा किया, बहुत से नेता ऐसे हुए जो सारा जीवन किसान नेता के रूप में स्थापित रहे लेकिन सही में किसान की तस्वीर और तकदीर बदले, इस दिशा में किसी ने कुछ नहीं किया। नड्डा ने कहा,अगर किसी ने किया तो वह भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया। उन्होंने कांग्रेसनीत संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन की तत्कालीन सरकार पर स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट को ठंडे बस्ते में डालने का आरोप लगाते हुए कहा कि उसके सुझावों को भी अमली जामा पहनाने का काम नरेन्द्र मोदी की सरकार ने किया।

बीजेपी अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह को दी चुनौती

भाजपा अध्यक्ष जेपी नडडा ने पंजाब के मुख्यमंत्री अमसिंरदर सिंह को चुनौती दी कि यदि उनमें राजनीतिक ईमानदारी बची है तो वह स्वीकार करें कि कांग्रेस से गलती हुई। नड्डा ने कहा कि चित भी मेरी, पट भी मेरी...?। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि कृषि कानून किसानों को आजादी दिलाने वाला तथा इस क्षेत्र में दूरगामी असर दिखाने वाला सुधार है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस ने अपने चुनावी घोषणा पत्र में कृषि सुधार संबंधी जो वादे किए थे मोदी सरकार ने उन्हें ही पूरा किया है लेकिन कांग्रेस अब विरोध के लिए, विरोध की राजनीति कर रही है।

एक नजर

12 कांस्टेबल, हेड कांस्टेबल को दी गई अनिवार्य सेवानिवृत्ति

कुशीनगर । उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले में चुस्त पुलिसिंग की कवायद शुरू हो गई है। इसके मद्देनजर एसपी की ओर से कराई गई पड़ताल में 21 पुलिसकर्मी अनुशासनहीनता, बीमारी और खराब आचरण के कारण नौकरी के लिए अनफिट पाए गए हैं। इनमें तीन इंस्पेक्टर और छह सब इंस्पेक्टर के अलावा 12 कांस्टेबल और हेड कांस्टेबल शामिल हैं। एक महिला हेड कांस्टेबल का नाम भी शामिल है। मंगलवार को हेड कांस्टेबल और कांस्टेबल की अनिवार्य सेवानिवृत्ति का आदेश जारी कर दिया गया, जबकि इंस्पेक्टर और सब इंस्पेक्टर की सूची संस्तुति के साथ पुलिस मुख्यालय को भेजी गई है।

जिले में कई पुलिसकर्मियों पर अनुशासनहीनता का आरोप है। कई बीमारी के चलते ड्यूटी नहीं कर रहे तो कई अनफिट हैं। ऐसे पुलिसकर्मियों के खिलाफ अनिवार्य सेवानिवृत्ति की कार्रवाई शुरू हो गई है। पहले चरण में 12 पुलिसकर्मी कार्रवाई की जद में आए हैं। इनकी औसत उम्र 56 वर्ष है। आठ हेड कांस्टेबल अस्वस्थता की वजह से नौकरी के लिए अनफिट पाए गए हैं। चार कांस्टेबल पर अनुशासनहीनता की वजह से अनिवार्य सेवानिवृत्ति की कार्रवाई हुई है।

नाबालिग लड़की के उत्पीड़न मामले में सिविल जज बर्खास्त

देहरादून । उत्तराखंड में एक सिविल जज को घर में घरेलू कामकाज के लिए रखी एक नाबालिग लड़की का वर्षों तक कथित तौर पर उत्पीड़न करने पर सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। आधिकारिक सूत्रों ने यहां बुधवार को बताया कि हरिद्वार की सिविल जज (सीनियर डिवीजन) दीपाली शर्मा को सेवा से बर्खास्त किए जाने संबंधी आदेश अतिरिक्त मुख्य सचिव राधा रतूडी ने इस संबंध में राज्यपाल से अनुमति मिलने के बाद जारी कर दिए। पढ़ें 6 रुपए तक महंगा हो सकता पेट्रोलडीजल ! जल्द करा लें टंकी फुल शर्मा के हरिद्वार स्थित आवास में लड़की ने 2015 से लेकर 2018 तक घरेलू कामकाज किया था। इस मामले में जज फरवरी, 2018 से निलंबित चल रही थीं। उत्तराखंड उच्च न्यायालय के इस संबंध में दिए गये आदेश के अनुपालन में पुलिस ने जनवरी, 2018 में जज के हरिद्वार स्थित घर में छापा मारा था जहां से उसे 13 वर्षीय लड़की मिली थी। बरामदगी के दौरान लड़की के शरीर पर चोटों के कई निशान पाए गये थे। पढ़ें समर्थन मूल्य पर धान और मक्का उपार्जन के लिए अब 10 नवंबर तक होगा किसानों का पंजीयन इसके बाद पुलिस ने शर्मा के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया जिसके एक महीने बाद उन्हें निलंबित कर दिया गया।

रेहड़ी-पटरीवाले ही भाजपा को सड़क पर लाएंगे- अखिलेश यादव

लखनऊ । समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रेहड़ीपटरीवालों से प्रधानमंत्री के संवाद पर बिना नाम लिए निशाना साधा और कहा कि पटरीवाले ही भाजपा को सड़क पर लाएंगे। सपा मुखिया ने बुधवार को ट्विटर के माध्यम से लिखा कि भाजपा रेहड़ी पटरीवालों को ऋण देने की बात भी कह रही है और उनके आत्मनिर्भर होने की विरोधाभासी बात भी। इस झूठी मदद के लिए 'बड़े लोगों' ने जितना प्रचार में खर्च किया है अगर इतना सच में रेहड़ीपटरीवालों को दे देते तो लाखों लोगों का भला हो जाता। पटरीवाले ही भाजपा को सड़क पर लाएंगे। ज्ञात हो कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को पीएम स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि योजना के तहत आयोजित कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के रेहड़ी पटरी व्यवसायियों से वर्चुअल संवाद किया था। प्रधानमंत्री ने कहा कि वैश्विक महामारी कोरोना के शुरूआत में कई लोगों ने इससे निपटने की भारत की क्षमताओं पर आशंका जताई। इस दौरान सरकार ने अपने सभी योजनाओं के केंद्र में लॉकडाउन से सर्वाधिक प्रभावित गरीबों को ही केंद्र में रखा। कोरोना में जब जीवन तकरीबन ठहर गया था उस दौरान इन योजनाओं के प्रगति की गति काबिले तारीफ रही। आजादी के बाद पहली बार लोगों ने ऐसा होते हुए देखा। पूरा देश अपनी पूरी ताकत और संसाधनों के साथ गरीबों के साथ खड़ा रहा।

राहुल के विवादित बोल, कहा-इस बार दशहरे पर रावण नहीं, प्रधानमंत्री का पुतला जला

(विशेष संवाददाता)

पटना, 28 अक्टूबर । कांग्रेस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष व वायनाड सांसद राहुल गांधी वाल्मीकि नगर (पश्चिम चंपारण) में विपक्षी महागठबंधन के पक्ष में आज चुनावी जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने विवादित बयान दिया। कृषि कानूनों का मुद्दा उठाते हुए उन्होंने कहा, नरेंद्र मोदी देश के प्रधानमंत्री हैं और दशहरे के मौके पर पहली बार ऐसा हो रहा है कि दशहरा पर रावण का पुतला नहीं जलाया जा रहा बल्कि नरेंद्र मोदी जी, अंबानी और अडानी जी के पुतले जलाये जा रहे हैं। यह खुशी की बात नहीं है। दुख की बात है, लेकिन कारण क्या है? कारण यह है कि जो नीतीश जी ने बिहार के साथ 2006 में किया वो आज नरेंद्र मोदी जी पंजाब, हरियाणा और पूरे हिन्दुस्तान के साथ कर रहे हैं। पीएम का पुतला जलाया गया तो मुझे दुख हुआ, मगर पंजाब और बिहार के युवाओं के दिल में चुभता है कि वो भाषण देते हैं, पर देश की सबसे बड़ी समस्या रोजगार के बारे में कुछ नहीं

कहते। प्रधानमंत्री मोदी अगर यह कह दें कि दो करोड़ युवाओं को रोजगार दिया है तो भीड़ उन्हें भगा देगी। उन्होंने कहा कि रोजगार देना हम जानते हैं। तमाम तरह के विकास करना जानते हैं, लेकिन हमारे अंदर एक कमी है। हम झूठ बोलना नहीं जानते, इस मामले में हमारा उनसे कोई मुकाबला ही नहीं है। राहुल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और यहां के सीएम नीतीश कुमार ने मिलकर बिहार को बर्बाद कर दिया है, जिसके कारण आज किसानों की स्थिति खराब हो गई है। किसान कानूनों को लेकर राहुल ने कहा, ये जो तीन कानून नरेंद्र मोदी लाये हैं, जिसका पहले पायलट प्रोजेक्ट बिहार में किया गया था। ये तीनों कानून हिन्दुस्तान के, बिहार के किसानों पर आक्रमण है। आपके खेतों पर आक्रमण है। बिहार में 2006 में मंडी और एमएसपी के सिस्टम को नष्ट किया गया था। बिहार के किसान को अपनी मेहनत के लिए, अपनी खून पसीने के लिए सही दाम नहीं मिल सकते। शहर का सहारा गांव होता है, गांव का सहारा किसान होता है और किसान का सहारा उसका खेत होता है।

पंखा चलाने को लेकर दोस्त की हत्या करने वाले 2 लोगों को उम्रकैद

नई दिल्ली । पंखा चलाने को लेकर हुए मामूली विवाद में अपने ही दोस्त की हत्या करने वाले दो युवकों को अदालत ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। अदालत ने इन दोषियों पर 2020 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। इन दोनों युवकों ने अपने दोस्त की हत्या कर उसके शव को सुनसान इलाके में झाड़ी में फेंक दिया था। रोहिणी स्थित अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश किरण गुप्ता की अदालत ने आरोपी संतोष कुमार एवं सनोज राम को अपहरण, हत्या व सबूत मिटाने के जुर्म में दोषी करार दिया है। अदालत ने अपने फैसले में कहा कि जिस तरह युवाओं में छोटीछोटी बातों को लेकर गुस्सा बढ़ रहा है, वह बहुत खतरनाक है। मामूली बात पर अपने दोस्त की हत्या जैसा निर्णय करना युवाओं की बदलती सोच की प्रवृति को दर्शाता है। यह घटना बताती है कि इस तरह की वारदात को अंजाम देने वाले इन दोस्तों में कानून का भय भी नहीं था। उन्हें पता था कि उनके अन्य साथी जानते हैं कि मृतक 21 वर्षीय युवक को अपने साथ लेकर गए थे।

भारत में कोविड के नए मामले 45 हजार से कम, कुल मामले 80 लाख के करीब

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर । भारत में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस संक्रमण के नए मामले 45 हजार से कम रहे, वहीं देश में संक्रमण के कुल मामले 80 लाख के करीब पहुंच गए। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी।

मंत्रालय के सुबह आठ बजे जारी अद्यतन आंकडों के अनुसार देश में एक दिन में कोविड19 के 43,893 नए मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमण के मामले बढ़कर 79,90,322 हो गए। वहीं 508 और लोगों की मौत हो जाने से मृतक संख्या बढ़कर 1,20,010 हो गई।

अब तक देश में 72,59,509 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं और इस हिसाब से संक्रमण से स्वस्थ होने की राष्ट्रीय दर 90.85 प्रतिशत हो गई है। वहीं संक्रमण से मृत्यु दर 1.50 प्रतिशत है। इसके अनुसार यह लगातार छठा दिन है, जब उपचाराधीन लोगों की संख्या सात लाख के नीचे बनी हुई है। देश में अभी 6,10,803 लोगों का कोरोना वायरस संक्रमण का

इलाज चल रहा है, जो कुल मामलों का 7.64 प्रतिशत है। भारत में सात अगस्त को संक्रमितों की संख्या 20 लाख के पार चली गई थी, 23 अगस्त को 30 लाख और पांच सितम्बर को संक्रमितों की संख्या 40 लाख से ऊपर चली गई थी। मामले 16 सितम्बर को 50 लाख के पार, 28 सितम्बर को 60 लाख और 11 अक्टूबर को 70 लाख के पार चले गए थे।

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के अनुसार 27 अक्टूबर तक कुल 10,54,87,680 नमूनों की कोविड19 की जांच की गई, जिनमें से 10,66,786 नमूनों का परीक्षण मंगलवार को ही किया गया। देश में संक्रमण से अब तक हुई कुल 1,20,010 मौतों में महाराष्ट्र में 43,463, कर्नाटक में 10,991, तमिलनाडु में 10,983, उत्तर प्रदेश में 6,940, आंध्र प्रदेश में 6,625, पश्चिम बंगाल में 6,604, दिल्ली में 6,356, पंजाब में 4,138 और गुजरात से 3,695 मामले शामिल हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि इनमें से 70 प्रतिशत मरीज अन्य बीमारियों से पीड़ित थे।

वेद की ऋचाओं के साथ स्त्री शक्ति के मुंह से गूंज रहे जापानी शब्द

योगी सरकार के मिशन शक्ति के तहत कराटे की विधाएं सीख रही हैं कन्याएं

(विशेष संवाददाता)

वाराणसी/दिल्ली, 28 अक्टूबर। वेदपाठी कन्याओं के मुँह से अब वेद की ऋचाओं के साथ ही गेरी ,जुकी ,ऊके, डांची ,उची जैसे जापानी शब्द गूंज रहे है ,चौकिये नहीं ये उत्तर प्रदेश की योगी सरकार की तरफ़ से चलाये जा रहे मिशन शक्ति से प्रेरित हो कर आत्मरक्षा के लिए कराटे की विधाये वाराणसी के पाणिनी कन्या महाविद्यालय में सीख़ रहीं हैं।

सनातन परंपरा और आधुनिकता को समेटे हुए पाणिनी कन्या महाविद्यालय की पीत वस्त्र धारण किये हए ,संस्कृति की पोषक और संस्कृत भाषा में पारंगत वेदपाठी कन्याएं आज कल आत्मरक्षा के लिए कराटे का प्रशिक्षण ले रही ,विद्यालय की परम्परागत शिक्षा के पाठ्यक्रम में आत्मरक्षा के परम्परागत अस्त्र शस्त्र शामिल हैं ,और यहाँ युद्ध कौशल की भी शिक्षा दी जाती है ,लेकिन अब जबकी लड़किया घर की दहलीज से बाहर निकल कर पुरषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर समाज में अपना योगदान दे रही है,ये विद्यार्थी के रूप में,कार्यस्थल ,बाज़ार समेत कई जगहों की भी ,यात्रा करती है तो उनको कई बार कई तरह की मुसीबतो

का सामना भी करना पड़ता है ,ख़ास तौर पर घर के बहार छेड़छाड जैसी घटनाएं अक्सर सुनाई पड़ती है ,जिससे मुकाबला करने के लिए अब ये लड़कियां आत्मरक्षा के गुर सीख रही है।

हालांकि पाणिनी कन्या महाविद्यालय में तलवारबाज़ी ,भाला और धनुष बाढ़ जैसे अस्त्र शास्त्र की शिक्षा भली भाति दी जाती है ,और ये छात्राएं इन शास्त्रों को चलाने और युद्ध कौशल में पारंगत भी है ,छात्राओं का कहना है की आज के समय में परंपरागत अस्त्रशास्त्र को साथ लेकर चलना संभव नहीं है इस लिए समय के साथ हमे भी बदलना पड़ रहा है ,विद्यार्थियों का कहना है की अब हमें कोई छेड़ेगा तो हम उसे छोड़ेंगे नहीं। वही महाविद्यालय की आचार्य नंदिता शास्त्री जी और बाल संरक्षण अधिकारी का कहना है की सभी विद्यालयों में आत्मरक्षा की ट्रैनिंग कोर्स में शामिल कर देना चाहिए ,जिससे मातृ शक्तियों की मानसीक शक्ति के साथ ही शारीरिक शक्ति का विकास हो भी सके और साथ ही आत्मबल भी बढे ।

राजस्थान से आई एक छात्रा की अभिभावक भी योगी सरकार के मिशन शक्ति से कभी प्रभावित हुई और उनका कहना है की हम लोग दूसरे राज्य में रहते है और इतनी दूर बेटियों को पढ़ने के लिए भेजते है ,जिसको लेकर थोड़ी चिंता भी बनी रहती है,लेकिन उत्तर प्रदेश की योगी सरकार बेटियों को हर तरह से सबल बनाने का कोई कसर नहीं छोड़ रही है। बेटियों को आरम्भ अकादमी आफ मार्शल आर्ट्स के कुशल प्रशिक्षक प्रशिक्षण दे रही है ,और प्रदेश सरकार की मिशन शक्ति को और धारदार बना रहे है ताकि अब बेटियां शोहदों को धूल चटा सके कामकाजी महिलाओं और छात्राओं का कहना है की योगी सरकार ने मिशन शक्ति का जो बीज आज बोया है ,आने वाले वाले समय में इसका परिणाम विशाल वृक्ष की तरह दिखेगा जिसकी जड़े मजबूत तो होगी ही और उसके छाव में मातृ शक्ति सुरक्षित रहेंगी। छात्रा स्मृति आर्या और जया का कहना है कि हम लोग मानसिक हिंसा को रोक सकते है तो शाररिक हिंसा को रोकने के लिए मार्शल आर्ट सीख कर तैयार हो रहे है। इस महाविद्यालय आवासीय गुरूकुल पद्धति से संचालित हैं। यहाँ की दिनचर्या खानपान, रहनसहन पूरी तरह गुरुकुलीय हैं।

भारत के सभी लगभग राज्यों की कन्यायें जाति, वर्ग, सम्प्रदाय के भेद से रहित होकर यहाँ शिक्षा ग्रहण करती हैं। यहाँ पाँचवीं से लेकर आचार्या (एम.ए.) तक की शिक्षा की व्यवस्था हैं।महाविद्यालय में त्रिपुरा, नेपाल के अलावा कैलिफोर्निया, हालैण्ड, अमेरिका आदि की कन्याओं ने गुरुकुल पद्धति की परंपरागत शिक्षा ग्रहण की है । यहाँ आधुनिकताप्राचीनता का मर्यादित सम्मिश्रण है , योग्य शिक्षिकाओं की व्यवस्था की गई है ।

योगी सरकार ने किया उच्च शिक्षा के छात्रो की पढ़ाई आसान

लखनऊ/ दिल्ली, 28 अक्टूबर। योगी सरकार ने प्रदेश में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे छात्र छात्राओं को एक उत्कृष्ट श्रेणी की पाठ्य सामग्री ऑनलाइन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रदेश को उच्च शिक्षा डिजिटल लाइब्रेरी की सौगात दी है। जिसका लोकार्पण बुधवार को प्रदेश के उप मुख्यमंत्री डॉ दिनेश शर्मा द्वारा किया गया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि योगी सरकार ने छात्रो के हितो का सदैव ध्यान रखा है । यह डिजिटल लाइब्रेरी उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक अनूठी पहल है। यह देखा गया है कि सभी कॉलेज तथा अधिकांश छात्र महंगे जर्नल्स, ईबुक्स तथा उच्च गुणवत्ता युक्त पुस्तकें महंगी होने के कारण खरीदने में असमर्थ होते हैं। डिजिटल लाइब्रेरी से उनकी इस समस्या का निदान हो सकेगा ।

इस अवसर पर उच्च शिक्षा विभाग की अपर मुख्य सचिव श्रीमती मोनिका एस0 गर्ग द्वारा अवगत कराया गया कि कोरोना महामारी के वैश्विक प्रकोप से जब पूरी दुनिया में विकास की गति एकदम मंद पड़ गई है, ऐसे समय में युवा पीढ़ी को प्रगति के नए

प्रतिमान को वास्तविकता के धरातल पर चरितार्थ करने का बीड़ा उत्तर प्रदेश सरकार ने उठाया है। किसी भी विषय में प्रदेश के सर्वोत्तम शिक्षक के व्याख्यान इस लाइब्रेरी में उपलब्ध है, छात्र प्रदेश के सर्वोत्तम शिक्षक द्वारा तैयार की गई ईपाठ्य सामग्री को निःशुल्क डाउनलोड कर सकते हैं ।

प्रदेश को उच्च शिक्षा डिजिटल लाइब्रेरी की सौगात, एक क्लिक पर सारी पठन सामग्री

यौनकिर्मयों की पहचान कर राशन देने में हुई देरी, सुप्रीम कोर्ट नाराज

सुप्रीम कोर्ट ने दिया निर्देश, अब आगे विलंब नहीं होना चाहिए, यूपी सरकार को फटकार

(विशेष संवाददाता)

नयी दिल्ली, 28 अक्टूबर । उच्चतम न्यायालय ने कोविड19 महामारी के दौरान यौनकिर्मयों को सूखा राशन मुहैया कराने के लिये उनकी पहचान में विलंब को लेकर बुधवार को उप्र सरकार को आड़े हाथ लिया और कहा कि इसमें अब आगे विलंब नहीं होना चाहिए क्योंकि यह जीवन का सवाल है।

शीर्ष अदालत ने 29 सितंबर को सभी राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया था कि उसके 29 सितंबर के निर्देशों पर अमल किया जाये और यह सुनिश्चित किया जाये कि नाको और विधिक सेवा प्राधिकारियों द्वारा चिन्हित सभी यौनकिर्मयों को सूखा राशन उपलब्ध कराया जाये। शीर्ष अदालत ने उप्र सरकार के वकील से कहा कि कल्याणकारी राज्य होने की वजह से इस तरह का विलंब बर्दाश्त नहीं है। न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव, न्यायमूर्ति हेमंत गुप्ता और न्यायमूर्ति अजय रस्तोगी की पीठ ने उत्तर प्रदेश सरकार के वकील से कहा, यह ऐसा मामला है जिसमे किसी प्रकार विलंब बर्दाश्त नहीं है। यह लोगों की जिदगी का सवाल है।'' पीठ ने कहा, अगर आप कह रहे हैं कि आप चार सप्ताह बाद भी इनकी पहचान नहीं कर सके तो इससे राज्य की क्षमताओं का पता चलता है। ऐसा लगता है कि यह जबानी सेवा है। आप हमें चिन्हित किये गये लोगों की संख्या बतायें।'' पीठ ने कहा, आप इस मामले में विलंब क्यों कर रहे हैं? हमारा कल्याणकारी शासन है, इसमें विलब

मत कीजिये।'' पीठ एक गैर सरकारी संगठन की याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमे कोविड19 महामारी की वजह से यौन किर्मयों के समक्ष उत्पन्न समस्याओं की ओर न्यायालय का ध्यान आर्किषत किया गया था। इस मामले में न्याय मित्र की भूमिका निभा रहे वरिष्ठ अधिवक्ता जयंत भूषण ने उत्तर प्रदेश के हलफनामे का जिक्र किया ओर कहा कि वे यौनकिर्मयों की पहचान जाहिर किये बगैर ही उनको राशन देने का प्रयास कर रहे हैं। हलफनामे के हवाले से उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में नाको ने करीब 27,000 यौनकिर्मयों का पंजीकरण किया है और 29 सितंबर के न्यायालय के आदेश के अनुसार इन सभी को राशन दिया जाना है। उप्र सरकार की ओर से पेश वकील ने कहा कि यौनकिर्मयो की पहचान करने की प्रक्रिया चल रही है और इनमें से अधिकांश के पास राशन कार्ड हैं तथा उन्हें राशन दिया जा रहा है। इस पर पीठ ने कहा कि राज्य सरकार को इस काम में नाको और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की मदद लेनी चाहिए।

न्यायालय को सूचित किया गया कि उप्र के अलावा महाराष्ट्र, असम और नगालैंड सहित कई राज्यों ने भी हलफनामे दाखिल किये हैं। भूषण ने कहा कि महाराष्ट्र के 36 जिलों में से आठ जिला कलेक्टरों ने सूखा राशन वितरित करने के बारे में अपनी रिपोर्ट दी है। न्यायालय ने 29 सितंबर को अपने आदेश में सभी राज्यों को निर्देश दिया कि वे राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन और विधिक सेवा प्राधिकरणों द्वारा चिन्हित यौनकिर्मयों को पहचान का सबूत पेश करने के लिये बाध्य किये बगैर ही शुष्क राशन उपलब्ध कराएं। न्यायालय में गैर सरकारी संगठन दरबार महिला समन्वय समिति ने याचिका दायर कर रखी है। इसमें कहा गया है कि कोविड19 महामारी की वजह से यौनकिर्मयों की स्थिति बहुत ही खराब हो गयी है। याचिका में देश में नौ लाख से भी ज्यादा यौनकिर्मयों को राशन कार्ड और दूसरी सुविधायें उपलब्ध कराने का भी अनुरोध किया गया है। इस संगठन का कहना है कि आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और तेलंगाना में 1.2 लाख यौनकिर्मयों के बीच किये गये सर्वे से पता चला कि महामारी की वजह से इनमें से 96 फीसदी तो अपनी आमदनी का जरिया ही खो चुकी हैं। याचिका में कहा गया है कि यौनकिर्मयों को भी संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत गरिमा के साथ जीने का अधिकार है और उनकी समस्याओं पर भी ध्यान देने की जरूरत है। पीठ ने सभी राज्यों को इस बारे में विस्तृत रिपोर्ट दाखिल करने का भी निर्देश दिया था।